भारत सरकार
खान मंत्रालय

Government of India
Ministry of Mines

भारतीय खान ब्यूरो – वार्षिक रिपोर्ट 2022-23
Indian Bureau of Mines-Annual Report 2022-23

माननीय केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी, 1.3.2023 को नागपुर में आईबीएम की 75वीं वर्षगांठ समारोह में सभा को संबोधित करते हुए

“एक विकासशील राष्ट्र होने के नाते, देश वांछित आर्थिक विकास हासिल करने के लिए ऊर्जा क्षेत्र के विकास पर निर्भर है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमें खनन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग और सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं को अपनाना चाहिए। 2026-27 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में खनन क्षेत्र के योगदान को 2.5 प्रतिशत तक ले जाना समय की मांग है।

श्री प्रल्हाद जोशी, कोयला एवं खान मंत्री(1 मार्च, 2023 को नागपुर में भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के 75वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में)

वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

ANNUAL REPORT
2022-23

जारीकर्ता
महानियंत्रक
भारतीय खान ब्यूरो
नागपुर

Issued by
Controller General
Indian Bureau of Mines
Nagpur

अनुक्रमणिका
Contents

क्र. सं.	अध्याय	पृष्ठ सं.
1	परिकल्पना, लक्ष्य, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली	01
2	आईबीएम का संगठनात्मक ढांचा	06
3	आईबीएम में कार्यान्वयनाधीन योजनाएं	09
4	2022-23 के दौरान आईबीएम का प्रदर्शन	15
5	2022-23 में आईबीएम का गतिविधिवार प्रदर्शन	21
6	2022-23 में आईबीएम का बजट	81
7	आईबीएम में मानव संसाधन	83
8	आईबीएम: गतिविधियों का आयोजन समारोह	93
9	हिंदी से संबंधित कार्य	124
10	अनुबंध 1. वर्ष 2022 में स्वच्छता अभियान के तहत आईबीएम द्वारा की गई गतिविधियाँ 2. विशेष अभियान 2. 0 की रिपोर्ट	 136 143

भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम)

1.0 परिकल्पना, लक्ष्य, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली

भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) खान मंत्रालय के अधीन एक अधीनस्थ कार्यालय है।
कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, परमाणु खनिजों तथा लघु खनिजों को छोड़कर यह देश के खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक विकास, खनिजों के संरक्षण, खानों में पर्यावरण की सुरक्षा को बढ़ावा देने में संलग्न है। यह खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के प्रासंगिक प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए नियमों अर्थात् खनिज संरक्षण और विकास नियमावली, 1988/2017 और खनिज रियायत नियमावली, 1960/2016 और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 तथा उनके तहत बनाए गए नियमों को लागू करने के संबंध में नियामक कार्य करता है।
यह खनन, भूवैज्ञानिक अध्ययन और अयस्क उन्नयन के विभिन्न पहलुओं में वैज्ञानिक, तकनीकी-आर्थिक, अनुसंधान-उन्मुख अध्ययन करता है

1.1 आईबीएम के लिए परिकल्पना

"आईबीएम एक राष्ट्रीय तकनीकी नियामक के रूप में काम करता है और खनिज उद्योग के सतत विकास के लिए विकासात्मक कार्यों का निर्वहन करता है तथा खानों और खनिजों पर डेटाबेस के भंडार के रूप में काम करता है"।

1.2 लक्ष्य

1) भारतीय खनिज क्षेत्र का प्रभावी विनियमन सुनिश्चित करना जो इसके सतत विकास के लिए दीर्घकालिक लाभों को बढ़ावा देता है।
2) राज्य नियामक एजेंसियों को क्षमता निर्माण प्रदान करना और खनिज उद्योग को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी सहायता प्रदान करना, और
3) खानों और खनिजों पर डेटा बैंक के रूप में काम करना तथा नीति निर्माण के लिए खनिज जानकारी का प्रसार करना।

1.3 **उद्देश्य**

i. खनिज क्षेत्र के विनियमन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर रचना प्रणाली, प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों पर काम करने वाले राष्ट्रीय तकनीकी नियामक के रूप में काम करना;

ii. राज्य-स्तरीय नियामक तंत्र के निर्माण और सुधार के लिए एक सुविधाप्रदाता के रूप में कार्य करना और क्षेत्र में वैज्ञानिक और व्यवस्थित खनन के लिए मानकों और मापदंडों का पालन सुनिश्चित करने के लिए राज्य एजेंसियों को सुविधा प्रदान करना;
iii. निष्कर्षण तकनीकों में क्षमता और दक्षता विकसित करके खनिज क्षेत्र के विकास के लिए उत्प्रेरक एजेंट के रूप में काम करना; अपनी प्रशिक्षण सुविधाओं के माध्यम से खनन और संबद्ध क्षेत्रों में ज्ञान और कौशल का प्रसार; परामर्शदात्री सेवाएं।
iv. लघु-मध्यम और दीर्घकालिक खनिज-वार रणनीतियों, खनिज कराधान और विधायी प्रक्रियाओं के क्षेत्रों में खनिज क्षेत्र से संबंधित मामलों और मुद्दों में सरकार के लिए सुविधाप्रदाता की महत्वपूर्ण भूमिका निभाना।
v. उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी विकास आधारित खनिज सूचना प्रणाली विकसित करके देश में खानों और खनिजों का डेटा बैंक बनाए रखने के माध्यम से खनिज डेटा के राष्ट्रीय भंडार की भूमिका निभाना उद्योग को ऑनलाइन रिपोर्ट करने और सूचना पहुंचने में सक्षम बनाना, और
vi. अपने परस्पर संवादात्मक आधार को व्यापक बनाना और परामर्श और विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से विदेशी समकक्षों तक पहुंचना और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों में शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से क्षमता, कौशल और विशेषज्ञता का निर्माण करना।

1.4 कार्यों का वर्तमान चार्टर

खनिज क्षेत्र को नियंत्रित करने वाली नीति व्यवस्था के उदारीकरण और व्यवस्थित और वैज्ञानिक खनन के हिस्से के रूप में पर्याप्त पर्यावरण प्रबंधन की बढ़ती आवश्यकता के मद्देनजर, आईबीएम के लिए अनिवार्य कार्य, जैसा कि दिनांक 3 नवंबर, 2014 के संकल्प सं. 31/49/2014 - एम. III, द्वारा सरकारी राजपत्र के अधिसूचना के लिए निम्न प्रकार दिया गया है: -

(i) खनन क्षेत्र के संबंध में राष्ट्रीय तकनीकी नियामक के रूप में कार्य करना, और राज्य सरकारों (विनियमन केपहला स्तर) का मार्गदर्शन करने के लिए नियम, प्रक्रियाएं और प्रणालियां निर्धारित करना;
(ii) केंद्रीय स्तर के साथ-साथ राज्यों के स्तर पर, नियामक और विकासात्मक कार्यों के लिए प्रणाली में क्षमता का निर्माण करना;
(iii) केंद्र, राज्यों, खनिज उद्योग, अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों और सभी हितधारकों के बीच समन्वय के संस्थागत तंत्र स्थापित करना, ताकि उद्योग के

सामने आने वाली मांगों और समस्याओं का सक्रिय रूप से समाधान विकसित किया जा सके;

(iv) उद्योग के लिए व्यावहारिक प्रासंगिकता के सभी पहलुओं पर अनुसंधान को बढ़ावा देना और एक ओर अनुसंधान संस्थानों और दूसरी ओर उपयोगकर्ता उद्योग के बीच सेतु के रूप में कार्य करना;

(v) तकनीकी परामर्श सेवाएँ प्रदान करना;

(vi) खनिज क्षेत्र के विनियमन और विकास के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं में भाग लेना;

(vii) खनिज उद्योग से संबंधित सभी मामलों पर सरकार को सलाह देना; तथा

(viii) ऐसी कोई अन्य गतिविधि करना जो भूविज्ञान, खनन, खनिज उन्नयन और पर्यावरण के क्षेत्र में विकास के मद्देनजर आवश्यक हो गई हो।

1.5 मुख्य गतिविधियाँ और कार्य

आईबीएम की भूमिका और चार्टर के आलोक में, आईबीएम द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्यों को मोटे तौर पर (1) नियामक कार्य, और (2) विकासात्मक कार्य के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1.5.1 विनियामक कार्य

i. खनन योजना, खनन योजना की समीक्षा और स्वीकृत खनन योजना में संशोधन - निरीक्षण और अनुमोदन (एम (ओएएचसीईएम) सीआर 2016 के अध्याय V के नियम 13 से 17; एमसीडीआर 2017 के नियम 9, 10, 11 और 12);

ii.. खनन योजना के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने, खनन योजना की समीक्षा, खदान बंद करने की योजना और एमसीडीआर 2017 के अन्य वैधानिक प्रावधानों और अभियोजन शुरू करने तथा उसका प्रशमन सुनिश्चित करने के लिए खनन विनियम (एमएमडीआर अधिनियम 1957 की धारा 22 और 24);

iii. भूमिगत खदानों में 'तलीय' संचालन करने के लिए निरीक्षण और अनुमति देना (एमसीडीआर 1988 का नियम 26/ एमसीडीआर 2017 का नियम 30);

iv. खनन कार्यों के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) और पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) पहलुओं की निगरानी (एमसीडीआर 1988 के नियम 13 और 31 से 41/

एमसीडीआर 2017 के नियम 11 और नियम 35 से 44 और ईपी अधिनियम 1986 की धारा 10);

v. खनन पट्टा धारकों द्वारा मासिक और वार्षिक रिटर्न जमा करने को विनियमित करके यथामूल्य आधार पर राज्य-वार, खनिज-वार और माह-वार रॉयल्टी की गणना में सुविधा प्रदान करना (एमसीआर 1960 का नियम 64डी/एम(ओएचईएम) सीआर नियम, 2016 के नियम 38 से 47 और एमसीडीआर 1988/2017 का नियम 45);

vi. खदान बंद करने की योजना – प्रगामी और अंतिम खदान बंद करने की योजनाओं का निरीक्षण, अनुमोदन और निगरानी (एमसीडीआर 1988 का नियम 23ए से 23एफ/एमसीडीआर 2017 का नियम 22 से 27);

vii. अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकारों के साथ समन्वय (राज्य सरकार की एजेंसियों को एमएमडीआर अधिनियम 1957 की धारा 4(1) के उल्लंघन की सूचना और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा अवैध खनन की त्रैमासिक रिटर्न जमा करने और उसके अनुपालन की निगरानी)।

viii. जैसा कि अधिनियम की धारा 9 (सी) के तहत निर्धारित है, आईबीएम राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए खनिज-वार संरक्षण रणनीतियों, अन्वेषण अंतराल आदि पर आदान प्रस्तुत करके एनएमईटी में एक सक्रिय भूमिका का निर्वहन करेगा।

ix. आईबीएम खदानों की तारक गणना के माध्यम से, अधिनियम की धारा 20ए (2) के तहत निर्धारित खनन क्षेत्र के सतत विकास के लिए रूपरेखा का प्रबंधन करता है।

x. आईबीएम अपने एमएमएस डिवीजन के माध्यम से सभी प्रमुख खनिजों का औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) प्रकाशित करना जारी रखेगा। यह जानकारी खनिज (नीलामी) नियम, 2015 के नियम 8 के अनुसार "अनुमानित संसाधनों का मूल्य" और "भेजे गए खनिज का मूल्य" और नीलामी में रखी जाने वाली जमा राशि के 'आरक्षित मूल्य' की गणना के लिए आवश्यक है। इसके अलावा, हर महीने आईबीएम द्वारा घोषित एएसपी के आधार पर, राज्य सरकारों द्वारा यथामूल्य रॉयल्टी का मूल्यांकन भी किया जाता है।

1.5.2 विकासात्मक कार्य

(i) खनिज प्रसंस्करण में अनुसंधान एवं विकास - खनिज निष्कर्षण, खनिज निरूपण, अयस्कों और खनिजों के रासायनिक विश्लेषण और पर्यावरणीय नमूनों के विश्लेषण के क्षेत्र में खनिज प्रसंस्करण में बहुत आवश्यक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए एक उत्प्रेरक अभिकरण की भूमिका निभाना;

(ii) सूचना समर्थन और सुविधा प्रदाता सेवाएँ - खनिज नीति के निर्माण में सरकार के लिए एक सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करना, खनिज अधिनियम तैयार करने और उसके प्रावधानों, नियमों और विनियमों को स्पष्ट करने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन और समर्थन देना तथा रणनीति तैयार करने के लिए श्रेय देना। नीतिगत आवश्यकताओं को स्पष्ट करना और राष्ट्रीय और राज्य दोनों स्तरों पर उनके कार्यान्वयन की निगरानी करना;

(iii) राष्ट्रीय खनिज सूची - यूएनएफसी के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार देश के विभिन्न खनिज संसाधनों की सूक्ष्म स्तर की स्थिति और कब्जे को दर्शाते हुए राष्ट्रीय खनिज सूची का आवधिक अद्यतनीकरण;

(iv) खानों और खनिजों के भंडार - औपचारिक और अनौपचारिक आधार पर सभी प्रमुख खनिजों के संबंध में सांख्यिकीय डेटा के संग्रह, प्रसंस्करण और भंडारण की जिम्मेदारी निभाना;

(v) सामयिक रुचि पर प्रकाशन – औपचारिक और अनौपचारिक रूप से एकत्रित जानकारी के आधार पर खानों और खनिज सूचनाओं का वर्गीकरण और विश्लेषण करना तथा उन्हें नीतिगत अंतःक्षेप के लिए महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में आपूर्ति करना, और

(vi) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण - मानव संसाधन विकास के लिए प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना और खनिज उद्योग में काम करने वाले कर्मियों में आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता और कौशल विकसित करना।

2.0 आईबीएम का संगठनात्मक ढांचा

आईबीएम का मुख्यालय नागपुर में, 4 आंचलिक कार्यालय बेंगलुरु, नागपुर, उदयपुर और कोलकाता में और 13 क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, गांधीनगर, गोवा, देहरादून, गुवाहाटी, हैदराबाद, जबलपुर, नागपुर, रांची और रायपुर में हैं। वर्ष 2017 के दौरान, आईबीएम ने उदयपुर और कोलकाता में धारणीय खनन प्रक्रियाओं के लिए दो नए कौशल विकास केंद्र खोले। आईबीएम के पास अजमेर, बेंगलुरु और नागपुर में अच्छी तरह से सुसज्जित अयस्क प्रसाधन प्रयोगशालाएं और पायलट संयंत्र हैं।

2.1 आईबीएम का पुनर्गठन

एमएमडीआर संशोधन अधिनियम, 2015 के माध्यम से नियामक व्यवस्था में बदलाव और 31 प्रमुख खनिजों को लघु खनिजों की सूची में स्थानांतरित करने के कारण संक्रमण के आलोक में, आईबीएम ने संगठन को फिर से परिभाषित करने और पुनर्गठन के लिए एक रोड मैप प्रस्तुत किया था।

खान मंत्रालय ने उत्तर पूर्वी क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए रायपुर, गांधीनगर और नई दिल्ली/एनसीआर में नए क्षेत्रीय कार्यालय खोलने, गुवाहाटी में मौजूदा उप-क्षेत्रीय कार्यालय को क्षेत्रीय कार्यालय में अभ्युत्थान करने की मंजूरी दे दी है। रायपुर और गांधीनगर में क्षेत्रीय कार्यालय पहले ही खोले जा चुके हैं। कोलकाता और उदयपुर में मौजूदा क्षेत्रीय कार्यालयों को क्रमशः आंचलिक कार्यालय) पूर्व (और आंचलिक कार्यालय) उत्तर (में अभ्युत्थान किया गया है ताकि यहां स्थित अन्य दो आंचलिक कार्यालयों नागपुर और बेंगलुरु के बीच काम का बोझ समान रूप से वितरित किया जा सके। गुवाहाटी उप क्षेत्रीय कार्यालय को भी क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में उन्नत किया गया है। कौशल विकास के उद्देश्य से उदयपुर और कोलकाता में 'धारणीय विकास ढांचा 'संस्थान और हैदराबाद में 'रिमोट सेंसिंग सेंटर ' केंद्र खोले गए हैं।

2.2 आईबीएम की संगठनात्मक संरचना

आईबीएम को छह तकनीकी प्रभागों के माध्यम से सौंपे गए कार्यों का निर्वहन करने के लिए संगठित किया गया है, जो इस प्रकार हैं:

(i) खनिज विकास एवं विनियमन प्रभाग (एमडीआरडी)

(ii) खनिज प्रसंस्करण प्रभाग (एमपीडी)

(iii) खनिज अर्थशास्त्र प्रभाग (एमई)

(iv) तकनीकी परामर्श प्रभाग (टीसी)

(v) खनन एवं खनिज सांख्यिकी प्रभाग (एमएमएस)

(vi) दो उप-प्रभागों के साथ योजना और समन्वय प्रभाग। (1) योजना एवं समन्वय तथा (2) प्रशासन।

चित्र संख्या 1: मौजूदा अवस्था को निम्नलिखित संगठन चार्ट में दिखाया गया है।

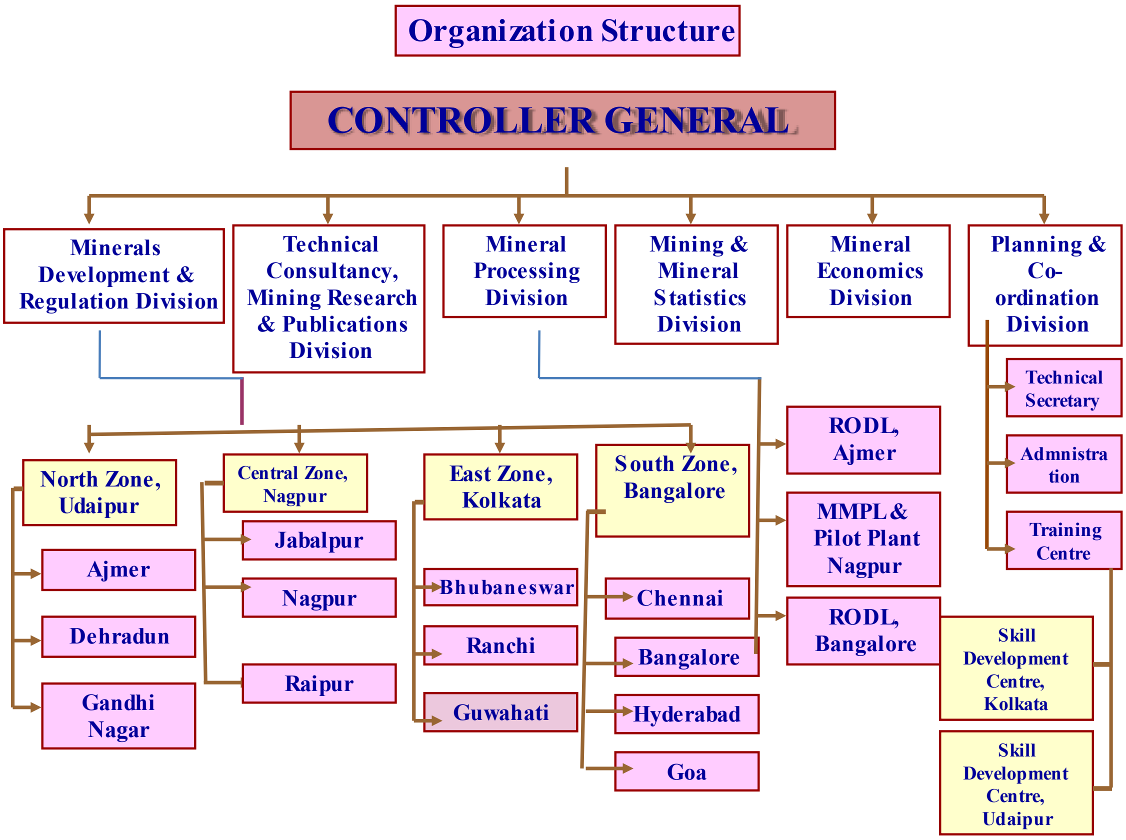

यूएनडीपी सहायता प्राप्त आधुनिक खनिज प्रसंस्करण पायलट प्लांट और आईबीएम की विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला एमआईडीसी हिंगना, नागपुर में स्थित है।

2.3.1 क्षेत्रीय अयस्क प्रसाधन प्रयोगशालाएँ

ब्यूरो के पास पड़ोसी क्षेत्रों की खनिज निष्कर्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अजमेर और बैंगलोर में दो क्षेत्रीय अयस्क प्रसाधन प्रयोगशालाएं और पायलट प्लांट हैं।

चित्र सं. 2: आंचलिक कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय अयस्क प्रसाधन प्रयोगशालाओं का स्थान मानचित्र में दर्शाया गया है।

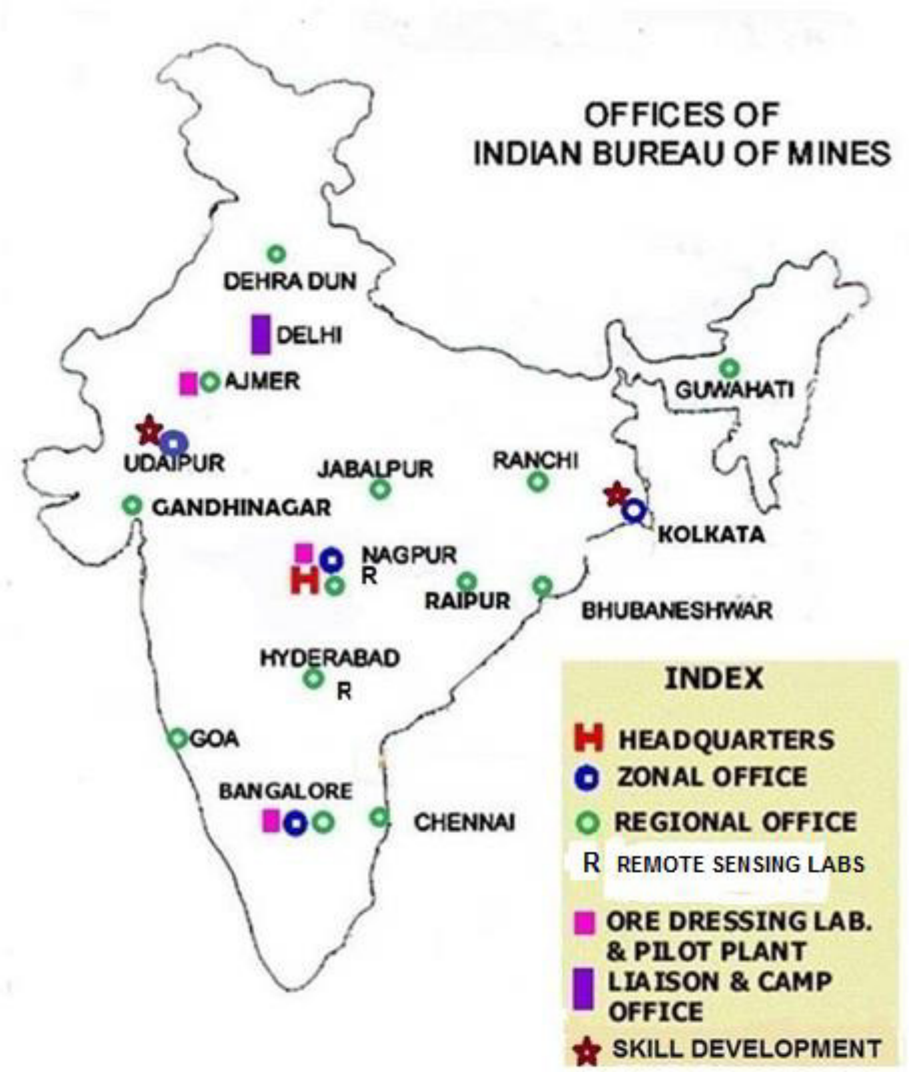

OFFICES OF
INDIAN BUREAU OF MINES
DEHRA DUN
DELHI
AJMER
UDAIPUR
GANDHINAGAR
JABALPUR
RANCHI
GUWAHATI
KOLKATA
NAGPUR
R
RAIPUR
BHUBANESHWAR
HYDERABAD
R
GOA
BANGALORE
CHENNAI
INDEX
HEADQUARTERS
ZONAL OFFICE
REGIONAL OFFICE
R REMOTE SENSING LABS
ORE DRESSING LAB.
& PILOT PLANT
LIAISON & CAMP
OFFICE
SKILL DEVELOPMENT

3.0 आईबीएम में कार्यान्वयन के अंतर्गत योजनाएं

आईबीएम की सभी गतिविधियाँ निम्नलिखित योजनाओं के माध्यम से संचालित की जा रही हैं।

योजना सं. 1. वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित खनन, खनिज संरक्षण एवं खान पर्यावरण हेतु खानों का निरीक्षण

योजना सं. 2. खनिज उन्नयन अध्ययन, निम्न श्रेणी और उप श्रेणी अयस्कों का उपयोग और पर्यावरणीय नमूनों का विश्लेषण।

योजना सं. 3. तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण

योजना सं. 4. विभिन्न प्रकाशनों के माध्यम से खानों और खनिजों के डेटा का संग्रह, प्रसंस्करण, प्रसार

योजना सं. 5. खनन भूभाग /टेनेमेंट प्रणाली (कार्यान्वयन के अधीन)

3.1.1 योजना सं.1: वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित खनन, खनिज संरक्षण एवं खान पर्यावरण हेतु खानों का निरीक्षण।

3.1.1.1 उद्देश्य:

खनिज संसाधनों के संरक्षण और वैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देना और वैधानिक प्रवर्तन के साथ-साथ खानों का समय-समय पर निरीक्षण/अध्ययन करके प्रचार गतिविधियों के माध्यम से खनन क्षेत्र में खान पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

3.1.1.2 संक्षिप्त गतिविधियाँ

महत्वपूर्ण गतिविधियों में खनिज संरक्षण और विकास नियम, (एमसीडीआर) 1988/2017 के प्रावधानों और खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, (एमएमडीआर) 1957 के प्रासंगिक प्रावधानों को लागू करने के लिए खानों का निरीक्षण शामिल है, खनिज (परमाणु और हाइड्रोकार्बन ऊर्जा खनिजों को छोडकर) रियायत नियम [एम(ओएएचसीईएम)सीआर] 2016, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986, और उसके तहत बनाए गए नियम, खनन योजनाओं का प्रसंस्करण और अनुमोदन, खनन योजनाओं की

समीक्षा, अनुमोदित खनन योजनाओं में संशोधन और खदान बंद करना योजना, सतत विकास ढांचे के तहत खानों की स्टार रेटिंग, वैज्ञानिक अध्ययन (गांठ अनुपात, सीमा, आरएमजीएस आदि) राज्य सरकार के साथ टास्क फोर्स/संयुक्त निरीक्षण, खनिज ब्लॉकों की नीलामी की सुविधा के लिए राज्य सरकारों के साथ सहयोग, खानों के पर्यावरण का आयोजन पर्यावरणीय क्षरण को कम करने के साथ-साथ पुनर्ग्रहण और वनीकरण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए और खनिज संरक्षण सप्ताह, खनिज विकास के सभी पहलुओं में खान प्रबंधन के लिए स्पॉट मार्गदर्शन के साथ-साथ उल्लंघन के मुद्दे/उचित प्रौद्योगिकी को अपनाने के सुझाव, एमसीडीआर, 1988/2017 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए, जहां कहीं आवश्यक हो, खान मालिकों के खिलाफ अभियोजन शुरू करना, खनिज रियायतों के सहेजे गए मामलों और अन्य नीतिगत मुद्दों आदि पर सरकार को सुविधा प्रदा खनिज रियायतों के सहेजे गए मामलों पर सरकार को सुविधा प्रदान करना।

3.1.2 योजना सं. 2: खनिज निष्कर्षण अध्ययन - निम्न ग्रेड और उप-ग्रेड अयस्कों का उपयोग और पर्यावरणीय नमूनों का विश्लेषण

3.1.2.1 उद्देश्य

प्रकृति में पाए जाने वाले अधिकांश खनिज भंडार उपभोक्ता उद्योगों के लिए आवश्यक ग्रेड से कम हैं और इसलिए अयस्क प्रसाधन प्रक्रिया द्वारा उन्नयन की आवश्यकता है। आईबीएम विभाग के संरक्षण अध्ययन के एक भाग के रूप में उनके आर्थिक उपयोग के तरीके और साधन सुझाता है जो आईबीएम का एक वैधानिक दायित्व है। यह मुख्य रूप से देश के खनिज संसाधनों का दोहन करने के लिए खनिज उद्योग को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मदद करना है।

3.1.2.2 संक्षिप्त गतिविधियाँ

महत्वपूर्ण गतिविधियों में प्रयोगशाला और पायलट प्लांट स्केल में निम्न ग्रेड के अयस्कों और खनिजों के निष्कर्षण प्रक्रिया का विकास फ्लो-शीट /जानकारी शामिल है और वाणिज्यिक समाहारक के डिजाइन के लिए प्रक्रिया डेटा/मापदंड तैयार करना, समूह-अध्ययन, खनिज विश्लेषण/परीक्षा के लिए प्रक्रिया मापदंडों का विकास, अवशेषों और अयस्क मलवे से मूल्यों की वसूली, खनिज निष्कर्षण में अनुसंधान एवं विकास की जरूरतों

को पूरा करना, प्लैटिनम ग्रुप ऑफ एलिमेंट्स (पीजीई), दुर्लभ भू-तत्व (आरईई) और प्रौद्योगिकी धातुओं का विशेष अध्ययन, हितधारकों के साथ ज्ञान साझा करना, विदेशी और भारतीय संस्थानों के वैज्ञानिकों को खनिज प्रसंस्करण, खनिज विज्ञान, रासायनिक/पर्यावरण विश्लेषण में प्रशिक्षण प्रदान करना आदि।

3.1.3 योजना सं. 3: तकनीकी उन्नयन एवं आधुनिकीकरण

3.1.3.1 उद्देश्य

(i) खनन निगरानी प्रणाली) एमएसएस (का कार्यान्वयन, खानों की निगरानी के लिए डिजिटल हवाई) ड्रोन और सैटेलाइट (छवियों के अनुप्रयोग का कार्यान्वयन।

(ii) खनन, भूवैज्ञानिक और पर्यावरणीय पहलुओं पर खनन उद्योग को प्रभार और प्रचारात्मक आधार पर परामर्श सेवाएं।

(iii) खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक और व्यवस्थित विकास और खनन अपशिष्टों के प्रबंधन के लिए नई खनन विधियों का विकास।

(iv) आईबीएम में मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे का विकास।

3.1.3.2 संक्षिप्त गतिविधियाँ

ए) एमएसएस का कार्यान्वयन, जो स्वचालित रिमोट सेंसिंग डिटेक्शन तकनीक के माध्यम से अवैध खनन गतिविधि की घटनाओं पर अंकुश लगाकर, सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से उत्तरदायी खनिज प्रशासन की व्यवस्था स्थापित करने के लिए एक उपग्रह-आधारित निगरानी प्रणाली है।

बी) आईबीएम में रिमोट सेंसिंग प्रयोगशाला की स्थापना के लिए तकनीकी सहायता सहित आईबीएम अधिकारियों की उपग्रह इमेजरी और क्षमता निर्माण का उपयोग करके खनन गतिविधियों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद के साथ" सुदूरदृष्टि " का कार्यान्वयन। यह परियोजना खनन पट्टा सीमा के भीतर खनन क्षेत्रों के आवधिक परिवर्तनों की निगरानी करने की सुविधा प्रदान करेगी।
सी) फ्री होल्ड और लीज होल्ड क्षेत्रों और अन्य संभावित खनिज भंडार, बुनियादी ढांचे आदि के विवरण के साथ पूरे देश को आच्छादित करने वाले वन उपरिशायी के साथ खनिज मानचित्र तैयार करना। पर्यावरण एवं वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) एमओईएफसीसी (द्वारा खनन परियोजनाओं की प्रारंभिक पर्यावरण और वन मंजूरी की सुविधा के लिए वन उपशायी

के साथ1:50 , 000के पैमाने पर ये बहु खनिज पट्टाधारक मानचित्र आवश्यक हैं। खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरण आधार रेखा डेटा का सृजन, क्षेत्रीय पर्यावरण प्रभाव आकलन (आरईआईए) की तैयारी, खनन परियोजनाओं के लिए पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआई ए) और पर्यावरण प्रबंधन योजना) ईएमपी (के साथ-साथ जोखिम विश्लेषण और आपदा प्रबंधन योजना की तैयारी, भू-तकनीकी जांच, *रोकने* के तरीकों का डिजाइन और खनन व्यवहार्यता रिपोर्ट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करना।

डी) आईबीएम के वैज्ञानिक, तकनीकी और अन्य संवर्गों और खनन उद्योग, राज्य/केंद्र सरकार के व्यक्तियों को प्रशिक्षण प्रदान करना। मानव संसाधन विकास के सहायक के रूप में कौशल और ज्ञान को अद्यतन करने के लिए संगठन।

3.1.4 योजना सं. 4: विभिन्न प्रकाशनों के माध्यम से खानों और खनिजों पर डेटा का संग्रह, प्रसंस्करण, प्रसार

3.1.4.1 उद्देश्य:

आईबीएम वैधानिक रिटर्न और अन्य माध्यमों से खानों और खनिजों पर डेटा एकत्र करता है, ताकि इंडियन मिनरल इयर बुक, खनिज उत्पादन के मनथली इंडस्ट्री ऐट अ ग्लांस, स्टैटिस्टीकल प्रोफाइल ऑफ़ मिनरल्स जैसे विभिन्न सांख्यिकीय और तकनीकी प्रकाशनों के माध्यम से डेटा को संसाधित, विश्लेषण और प्रसारित किया जा सके। आईबीएम प्रकाशन वेबलिंक के माध्यम से आईबीएम वेबसाइट पर उपलब्ध हैं "http://ibm.nic.in/index.php?c=pages&m=index&id=68&mid=23927".

3.1.4.2 संक्षिप्त गतिविधियाँ:

पूरे देश में गैर-कोयला और गैर-परमाणु खनिजों को कवर करने वाली यूएनएफसी प्रणाली को अपनाकर राष्ट्रीय खनिज सूची (एनएमआई) का अद्यतनीकरण। यह विश्व स्तर पर समझने योग्य प्रणाली है, जिसमें मौजूदा शब्दों को शामिल करके उन्हें तुलनीय और संगत बनाया जाता है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय संचार में वृद्धि होती है। भंडार/संसाधन के आंकड़े अपने अद्वितीय कोड और शब्दावली के साथ खनिज संभावना की जांच और मूल्यांकन में अपनाई गई प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करते हैं। यह राष्ट्रीय खनिज नीति के अनुरूप जारी रखी जाने वाली एक आवश्यक गतिविधि है, जिसमें निजी निवेश को आकर्षित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

वैधानिक रिटर्न के माध्यम से डेटा का संग्रह, विभिन्न एजेंसियों के साथ पत्राचार के माध्यम से ईंधन, लघु खनिज, धातु उत्पादन, खनिज व्यापार और खनिजों के बाजार मूल्यों पर सहायक आंकड़ों का संग्रह, विभिन्न देशों के खनन कानूनों पर जानकारी का संग्रह, खनिजों और धातुओं की मांग और आपूर्ति का बाजार सर्वेक्षण, भा इंडियन मिनरल इयर बुक, खनिज उत्पादन के मनथली इंडस्ट्री ऐट अ ग्लांस, स्टैटिस्टीकल प्रोफाइल ऑफ़ मिनरल्स आदि के रूप में आवधिक प्रकाशनों के माध्यम से डेटा का प्रसार, रॉयल्टी गणना के लिए खनिजों और धातुओं के राज्यवार/खनिजवार औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) को प्रकाशित करना। (आईबीएम वेबलिंक के माध्यम से प्रसारित)

http://ibm.nic.in/index.php?c=pages&m=index&id=912&mid=23791

3.1.5 योजना सं.5: माइनिंग टेनमेंट सिस्टम (एमटीएस)

3.1.5.1 योजना का उद्देश्य:

एमटीएस में मुख्य रूप से संपूर्ण खनिज रियायत जीवन-चक्र को स्वचालित करना शामिल होगा, जो क्षेत्र की पहचान से शुरू होकर खदान के बंद होने तक होगा; और इलेक्ट्रॉनिक फ़ाइलों के वास्तविक समय हस्तांतरण और डेटा के आदान-प्रदान के लिए विभिन्न हितधारकों को जोड़ना। यह ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक वेटब्रिज और चेक-पोस्ट की मदद से खनिज रियायत व्यवस्था के प्रभावी प्रबंधन और खनन कार्यों, अयस्क के परिवहन में पारदर्शिता को सक्षम करेगा।

ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे कुछ विकसित देशों में, आरपी, पीएल और एमएल जैसी विभिन्न खनिज रियायतें देने के प्रसंस्करण और प्रक्रियात्मक भाग के लिए एक विशेष सॉफ्टवेयर डिजाइन और विकसित किया गया है जो लंबे समय से काम कर रहा है। यह प्रणाली स्वामित्व और अन्य विवरण जैसे कि दिया गया क्षेत्र, खनिज कार्य, रियायत का कार्यकाल, कर, नियमों और विनियमों का अनुपालन, अनुदान के लिए उपलब्ध क्षेत्र, अयस्क जमा की गुणवत्ता और मात्रा, आरपी की जांच के बाद छोड़ा गया क्षेत्र जैसे विवरण प्रदर्शित करता है, और पीएल, उपलब्ध पूर्वेक्षण रिपोर्ट, बुनियादी ढांचे का विवरण, स्वामित्व की स्थिति के साथ भूमि विवरण आदि। यह ऑनलाइन कम्प्यूटरीकृत प्रणाली उपयोगकर्ता के बहुत अनुकूल पाई गई है, क्योंकि यह दृश्य ग्राफिक रूप में जानकारी प्रदान करती है, जिसे भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और पाठ्य रूप के रूप में जाना जाता है। भूमि अभिलेखों के कम्प्यूटरीकरण, विभिन्न रियायतों के लिए आवेदनों के प्रसंस्करण और प्रणाली

में पारदर्शिता ने इन देशों में निर्णय लेने के लिए आवश्यक समय को काफी कम कर दिया है। ऑनलाइन उपलब्ध जानकारी ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज़ कर दिया है और खनन उद्योग में भारी निवेश को आकर्षित किया है।

3.2 आईबीएम योजनाओं का मूल्यांकन:

15वें वित्त आयोग की अवधि की शुरुआत में, आईबीएम योजनाओं का मूल्यांकन तीसरे पक्ष अर्थात् एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) द्वारा किया गया है। खान मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 1.2.2021 के पत्र सं. 37/11/2017-खान III के माध्यम से आईबीएम की चल रही योजनाओं के मूल्यांकन के लिए भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (एएससीआई) की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। एसएफसी प्रारूप में योजनावार इनपुट के साथ एएससीआई द्वारा प्रस्तुत मूल्यांकन रिपोर्ट मंत्रालय को प्रस्तुत कर दी गई है।

खान मंत्रालय ने दिनांक 31.8.2021 के पत्र संख्या 37/11/2017-एम.III के माध्यम से 15वें वित्त आयोग की अवधि में आईबीएम योजनाओं को जारी रखने के लिए मंजूरी दे दी है, जिसमें खनन प्रौद्योगिकी पर प्रासंगिक प्रावधानों पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। एनएमपी 2019 के पैरा संख्या 6.3 से 6.5 और 9.2 से 9.4 तक और एनएमपी 2019 के प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए उचित योजनाएं तैयार करें। तदनुसार कार्यवाही प्रगति पर है।

3.3 आईबीएम सलाहकार बोर्ड

एक सलाहकार बोर्ड का गठन आईबीएम और आईबीएम के कार्यों में रुचि रखने वाले या उससे जुड़े विभिन्न संगठनों के बीच संबंधों को मजबूत करने और सरकार को आईबीएम के कामकाज की प्रभावशीलता और तरीकों का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने में सक्षम बनाने के लिए है। ऐसे साधन जिनके द्वारा इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता को लगातार बढ़ाया जा सके।

एमएमडीआर संशोधन अधिनियम, 2015 और एमएमडीआर संशोधन अधिनियम, 2021 और उसके तहत बनाए गए नियमों द्वारा लाए गए विधायी ढांचे में बड़े बदलावों को ध्यान में रखते हुए, सरकार ने आदेश संख्या 35/3/2015-एम.III दिनांक 2.7.2021 के तहत पुनर्गठन किया है आईबीएम सलाहकार बोर्ड आईबीएम को उसके प्रभावी कामकाज के लिए नए परिदृश्य में साधन संपन्न करने के लिए सरकार को उचित सलाह प्रदान करेगा।

कार्यसूची मदों की तैयारी की कार्यवाही प्रगति पर है।

2022-23 के दौरान 4.0 आईबीएम प्रदर्शन

4.1 प्रमुख उपलब्धियाँ 2022-23

(i) खनिज संसाधनों के वैज्ञानिक विकास और संरक्षण को बढ़ावा देने और खनन क्षेत्रों में खान पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, आईबीएम ने एमसीडीआर, 2017 के प्रावधानों को लागू करने और एमपी/आरएमपी/मोड.एम.पी./एफएमसीपी की जांच के लिए खानों का 1293 निरीक्षण किया, खनन योजना की समीक्षा और 10 अंतिम खान बंद करने की योजनाओं सहित 492 खनन योजनाओं का निपटान किया।

(ii) निम्न ग्रेड और उप-ग्रेड अयस्कों और खनिजों के उन्नयन और उपयोग के लिए, आईबीएम ने 40 अयस्क प्रसाधन जांच, 23447 रासायनिक विश्लेषण और 2886 खनिज अध्ययन किया।

(iii) माइनिंग टेनमेंट सिस्टम :वर्ष 23-2022 में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र एनआईसी (के माध्यम से सिस्टम विकसित किया जा रहा है। माइनिंग टेनमेंट सिस्टम)एमटीएस (के रिटर्न और पंजीकरण मॉड्यूल अप्रैल 2022के महीने के लिए जमा किए गए रिटर्न को समायोजित करते हुए 1 मई से सफलतापूर्वक सक्रिय हो गए हैं। 12.7.2022 को छठे माइनिंग कॉन्क्लेव में पंजीकरण, रिटर्न और खनन योजना मॉड्यूल लॉन्च किए गए। अन्य मॉड्यूल के संबंध में डीपीआर प्रगति पर है और वे चरणबद्ध तरीके से चालू हो जाएंगे।

(iv) खानों की स्टार रेटिंग :2021-22 के दौरान, 1034 खानों ने एमसीडीआर, 2017 के नियम 35 के तहत मूल्यांकन वर्ष 2020-21 के लिए ऑनलाइन स्टार रेटिंग टेम्पलेट प्रस्तुत किए हैं। सत्यापन प्रक्रिया के बाद, रिपोर्टिंग वर्ष 2020-21 के लिए पांच सितारा रेटिंग हासिल करने वाली चालीस खदानों को 12.7.2022 को नई दिल्ली में आयोजित छठे खनन कॉन्क्लेव में माननीय खान मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया है। प्रदर्शन वर्ष 22-2021 के लिए, 1181 पट्टेदारों ने एसडीएफ टेम्पलेट दाखिल किए हैं और 76 खदानों को पांच सितारा रेटिंग मिली है। 1.3.2023को आईबीएम के75 वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान माननीय केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी के हाथों स्टार रेटेड खदानों को सम्मानित किया गया।

)v) खनन निगरानी प्रणाली) एमएसएस 23-2022 :(के चौथे चरण में, प्रमुख खनिजों के लिए 61प्रारंभिक ट्रिगर निर्माण किए जाते हैं और राज्य सरकारों को आगे के अग्रेषण के लिए पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं। प्रमुख खनिजों के संबंध में क्षेत्रीय सत्यापन के बाद 24 ट्रिगर्स प्राप्त हुए हैं, जिनमें से प्रमुख खनिजों के सात मामलों में अनधिकृत खनन की पुष्टि राज्य सरकारों द्वारा की गई है

(vi) परियोजना" सुदूरदृष्टि :"परियोजना" सुदूरदृष्टि "के तहत आईबीएम मुख्यालय, नागपुर और आईबीएम हैदराबाद में" जीआईएस और रिमोट सेंसिंग सेंटर की स्थापना के लिए कार्रवाई प्रगति पर थी और हार्डवेयर की स्थापना पूरी हो गई थी।

)vii) यूएवी सर्वेक्षण :आईबीएम ने एमसीडीआर, 2017के नियम34 ए के प्रावधानों के अनुसार ड्रोन सर्वेक्षण करने के लिए एसओपी को अंतिम रूप दिया। एमसीडीआर 2017 के नियम34 ए के तहत पट्टेदारों द्वारा प्रस्तुत ड्रोन/उपग्रह डेटा की प्राप्ति का एक रजिस्टर आईबीएम में रखा जा रहा है। मार्च, 2023तक 754 खनन पट्टों का डेटा प्राप्त हुआ था। एमसीडीआर 2017 के नियम 34 ए के तहत आईबीएम को डेटा जमा करते समय राज्य सरकारों को डिजिटल हवाई छवियां जमा करने के लिए राजपत्र अधिसूचना दिनांक 14.02.2023प्रकाशित की गई है। ड्रोन एप्लिकेशन कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में, अब तक क्षेत्रीय कार्यालयों और आईबीएम मुख्यालय के कुल 124 अधिकारियों को जीआईएस की मूल बातें और तेरह बैचों में आयोजित ड्रोन सर्वेक्षण डेटा के प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण दिया गया है।

)viii) "**डिजिटल एरियल डेटा सबमिशन "पर कार्यशाला :आईबीएम ने 13.01.2023 को नागपुर में अपने मुख्यालय में" डिजिटल एरियल डेटा सबमिशन "पर एक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला को खनन उद्योग से जबरदस्त अनुक्रिया मिली और देश भर से लगभग 203 प्रतिभागियों ने भाग लिया। आईबीएम अधिकारियों ने अपनी विस्तृत प्रस्तुतियों में आईबीएम को प्रस्तुत किए जा रहे डेटा में देखी गई विभिन्न कमियों के बारे में बताया।**

(ix) खनिज संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के महत्व को संवेदनशील बनाने के लिए, देश भर में सभी क्षेत्रों द्वारा खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह मनाया गया।

)x) खानों और खनिजों पर डेटा और सांख्यिकी के प्रसार के लिए, आईबीएम ने 18 सांख्यिकीय और तकनीकी प्रकाशन जारी किया और जनवरी, 2023 तक खनिजों की और फरवरी, 2023 तक धातुओं की राज्यवार/खनिजवार औसत बिक्री मूल्य प्रकाशित की, जिन्हें आईबीएम वेबसाइट पर होस्ट किया गया है।

(Xi) संसदीय प्रश्नों (पीक्यू) और मंत्रालय संदर्भों के उत्तर देने के लिए इनपुट: 183संसदीय प्रश्नों और 482 मंत्रालय संदर्भों के उत्तर देने के लिए इनपुट मंत्रालय को प्रस्तुत किए गए थे।

(Xii) राष्ट्रीय खनिज सूची का अद्यतनीकरण :वर्ष के दौरान, सभी पहलुओं में 01.04.2020 तक एनएमआई का संकलन और 01.04.2020 को" एनएमआई ऐट अ ग्लांस "की तैयारी पूरी हो गई है और इसे आईबीएम वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। प्रकाशन के लिए

01.04.2020"को एनएमआई एक अवलोकन", 35अध्यायों 46) में से (का मसौदा तैयार किया गया है।

)xiii) खनिज संरक्षण और विकास नियम) एमसीडीआर 2017/1988 (के संशोधित नियम 45 का कार्यान्वयन: एमसीडीआर, 2017/1988के नियम 45 ने सभी खनन पट्टा धारकों के लिए, देश में खनन किए गए खनिजों के व्यापार या भंडारण या अंतिम उपयोग या निर्यात में लगे किसी भी व्यक्ति या कंपनी के लिए खनिज का लेखा-जोखा रखने के लिए आईबीएम के साथ ऑनलाइन पंजीकरण करना अनिवार्य कर दिया है। मार्च, 2023तक प्रमुख खनिजों के साथ-साथ 31 लघु खनिजों के लिए पंजीकरण की स्थिति यह थी: कुल 8084 खनिक, 5354 अंतिम उपयोगकर्ता इकाइयां, 10305व्यापारी, 2889स्टॉकिस्ट और 1580 निर्यातकों ने आईबीएम के साथ पंजीकरण कराया है।

(xiv) आईबीएम ने प्रमुख खनिज वाले राज्यों के संबंध में वन ओवरले के साथ बहु-खनिज पट्टाधारक मानचित्रों के लिए भू-डेटाबेस बनाया, जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जा रहा है।

(xv) मानव संसाधनों की क्षमता निर्माण के हिस्से के रूप में, आईबीएम ने 09 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिनमें 129 आईबीएम, 21 राज्य सरकार के अधिकारियों और 301उद्योग कर्मियों ने भाग लिया और 06,02,000/- रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

(xvi) आईबीएम मुख्यालय में ई-ऑफिस का शुभारंभ: खान मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में, ई-ऑफिस, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र द्वारा कार्यालय कार्य को पूरा करने के लिए विकसित ऑनलाइन एप्लिकेशन आईबीएम मुख्यालय, मध्य क्षेत्र कार्यालय और क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर में 30.09.2022 को श्री संजय लोहिया, अतिरिक्त सचिव और महानियंत्रक, आईबीएम द्वारा लॉन्च किया गया है। इस एप्लिकेशन को सरकारी कार्यालयों में कागज रहित वातावरण स्थापित करने, दक्षता, पारदर्शिता, प्रभावशीलता, कर्मचारी सुविधा और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।

(xvii) स्पैरो आईपीआर फाइलिंग: भारत सरकार के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए स्पैरो पोर्टल के माध्यम से अचल संपत्ति रिटर्न (आईपीआर) की ऑनलाइन घोषणा 06.01.2023 क्रियान्वित हुई।. कार्यान्वयन की निगरानी की गई ताकि 31 दिसंबर 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आईबीएम के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा केवल स्पैरो पोर्टल के माध्यम से आईपीआर भरने का काम पूरा किया जा सके।

(xviii) आईबीएम पुनर्गठन और विस्तार: कैबिनेट की मंजूरी के बाद, विस्तृत संवर्ग-वार, आईबीएम की संशोधित स्वीकृत जन-शक्ति, दिनांक 15 मई, 2018 के राजपत्र के अधिसूचना सं. 31/72/2009-M.III.Vol.I (भाग-I), के माध्यम से अधिसूचित की गई है, जिसका प्रकाशन दिनांक 17.5.2018 को की गई। नवीन जनशक्ति शक्ति के क्रियान्वयन हेतु, कुछ संवर्गों (सीओएम तक, भूविज्ञान, खनिज अर्थशास्त्र, प्रशासन, पुस्तकालय, राजभाषा, निजी सचिव और आशुलिपिक) के भर्ती नियम अधिसूचित किए गए हैं और अन्य विषयों के लिए उन्हें विभिन्न चरणों में अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिन पदों में विलय या उन्नयन शामिल है, उन्हें संशोधित भर्ती नियमों के अभाव में भरने के लिए नहीं लिया गया है। समूह बी और सी के पदों के संबंध में, समूह बी और सी के पदों के संबंध में, जहां आईबीएम के अधिकारी नियुक्ति करने में सक्षम हैं, डीपीसी नियमित रूप से आयोजित की जा रही है और सीधी भर्ती के लिए एसएससी को अधियाचनाएं भेजी जा रही हैं।

23-2022के दौरान, राजपत्रित पदों के संबंध में संघ लोकसेवा आयोग मंत्रालय /में डीपीसी आयोजित करने के लिए मौजूदा नियुक्ति नियम और संशोधित नियुक्ति नियम के अनुसार 69पदों पर विभागीय पदोन्नति समिति के प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे गए हैं। समूह बी और सी के 47 पदों के संबंध में, जहां आईबीएम के अधिकारी नियुक्ति करने में सक्षम हैं, डीपीसी 23-2022के दौरान आयोजित की गई है।के 47 पदों के संबंध में, जहां आईबीएम के अधिकारी नियुक्ति करने में सक्षम हैं, विभागीय पदोन्नति समिति 23-2022 के दौरान आयोजित की गई है।

(xix) आईबीएम की जारी योजनाओं का मूल्यांकन: 15वें वित्त आयोग की अवधि की शुरुआत में, आईबीएम योजनाओं का मूल्यांकन तीसरे पक्ष यथा भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (एएससीआई) द्वारा किया गया है। खान मंत्रालय ने पत्र संख्या 37/11/2017-एम.III दिनांक 31.8.2021 के माध्यम से 15वें वित्त आयोग की अवधि में आईबीएम योजनाओं को जारी रखने के लिए मंजूरी दे दी है, जिसमें खनन प्रौद्योगिकी के प्रासंगिक प्रावधानों जो एनएमपी 2019 के अनुच्छेद सं. 6.3 से 6.5 और 9.2 से 9.4 अंतर्गत प्रसुत की गई, पर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

तदनुसार कार्यवाही प्रगति पर है।

(xx) 2022-23 के दौरान, खान मंत्रालय से प्राप्त रूपरेखा के अनुसार, सभी आईबीएम कार्यालयों ने 16-30 नवंबर 2022 के दौरान आईबीएम मुख्यालय के कार्यालय परिसरों और सभी आंचलिक/क्षेत्रीय/आरओडीएल कार्यालयों में निम्नलिखित कार्य बिंदुओं के आलोक में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया:

स्वच्छता पखवाड़ा-2022 की योजना

1. फाइलों/रिकॉर्डों की धूल झाड़ना, सफाई करना और उन्हें पुनः व्यवस्थित करना तथा पुराने और फटे फाइल कवर को नए से बदलना।
2. अवांछित कार्यालय अभिलेखों/कागजातों/फ़ाइलों को छटनी करना।
3. विभिन्न अनुभागों में धूल झाड़ना, पोछा लगाना और फर्नीचरो, कैबिनेट्स, रैक, अलमारियों आदि की सफाई करना।
4. जहां भी आवश्यक हो दीवारों और दरवाजों की पेंटिंग।
5. गलियारों, सीढ़ियों सहित कार्यालय परिसर की गहन स्वच्छता और सफाई।
6. शौचालयों की नियमित सफाई.
7. स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यालय परिसर के अंदर और बाहर सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर बैनर, पोस्टर लगाए गए हैं।

आईबीएम ने स्वच्छता पखवाड़ा में तीसरा स्थान हासिल किया:

भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता अभियान के दौरान खान मंत्रालय ने अपने सभी अधीनस्थ/क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा किए गए सफल प्रयासों की मान्यता में, अभियान के योग्य विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया। अभियान के समग्र संचालन में आईबीएम ने तीसरा स्थान हासिल किया। के श्री मनीष मेनदीरत्ता, क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने आईबीएम की ओर से संयुक्त सचिव श्रीमती फरीदा एम. नाइक से पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ जी.वी.जी.के. भगवान, तकनीकी सचिव, ने आईबीएम के नोडल अधिकारी के रूप में स्वच्छता अभियान का संचालन किया।

(xxi) विशेष अभियान 2.0: अभियान अवधि में 39123 अभिलेखों की समीक्षा की गयी। जिनमें से 19453 फाइलों को छांटने के लिए चिन्हित की गई और फलत: उनकी छंटाई की गई है। स्क्रैप और अप्रचलित वस्तुओं का निपटान किया गया है और 2,58,514/- रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। रिकॉर्ड प्रबंधन और स्क्रैप निपटान के बाद 7000 वर्ग फीट जगह खाली/सृजित की गई है। विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 24 विशेष अभियान बहिरंग कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

IBM Bags 3rd Position–Swachchta Pakhwada

आईबीएम ने स्वच्छता पखवाड़ा में तीसरा स्थान हासिल किया है

5.0 आईबीएम 2022-23 का गतिविधिवार प्रदर्शन

आईबीएम की गतिविधियों तथा इसके कार्यों के चार्टर में निहित जनादेशों को शामिल करते हुए चार सतत योजनाओं को आईबीएम के छह डिवीजनों द्वारा माध्यम से संचालित किया जाता है। वर्ष 2022-23 के दौरान आईबीएम की विभिन्न गतिविधियों से संबंधित प्रदर्शन इस प्रकार रहा है।

5.1 खानों का निरीक्षण –

वर्ष 2022-23 के दौरान, खनिज संरक्षण और विकास नियमावली (एमसीडीआर) 2017 के प्रावधानों को लागू करने और खनन योजनाओं की जांच/खनन योजना/खदान बंद करने की योजनाओं की समीक्षा के लिए कुल 1293 निरीक्षण किए गए। खानों के निरीक्षण के परिणामस्वरूप, 2021-22 में 685 खानों के संबंध में 1847 उल्लंघनों की तुलना में 1314 उल्लंघनों को इंगित किया गया। वर्ष के दौरान कुल 1029 उल्लंघनों को ठीक किया गया जबकि कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद 96 उल्लंघनों को और सुधारा गया। अनुमोदित खनन योजना/खनन योजना की समीक्षा के अनुसार खनन कार्य नहीं करने के कारण 57 खदानों में एमसीडीआर 2017 के नियम 11(2) के तहत खनन कार्यों को निलंबित कर दिया गया और राज्य सरकार को पट्टों के निलंबन के लिए 26 मामलों की सिफारिश की गई।

2022-23 के दौरान किए गए राज्यवार निरीक्षणों का विवरण तालिका संख्या 5.1ए में दर्शाया गया है और बताए गए उल्लंघनों आदि के रूप में एमसीडीआर प्रशासन की अनुवर्ती कार्रवाई तालिका संख्या 5.1बी में दर्शाई गई है।

तालिका संख्या **5.1**ए: **2022-23** के दौरान आईबीएम द्वारा खानों का निरीक्षण

क्र. सं.	**राज्य**	**एम.सी.डी.आर.**	**खनन योजना**	**कुल**
1	आंध्र प्रदेश	60	50	110
2	असोम	0	0	0
3	बिहार	0	0	0
4	छत्तीसगढ़	89	25	114
5	गोवा	17	11	28
6	गुजरात	93	43	136

7	हरियाणा	0	0	0
8	हिमाचल प्रदेश	23	7	30
9	जम्मू कश्मीर	0	0	0
10	झारखंड	37	20	57
11	कर्नाटक	86	36	122
12	केरल	1	0	1
13	मध्य प्रदेश	98	119	217
14	महाराष्ट्र	47	30	77
15	मणिपुर	0	0	0
16	मेघालय	16	4	20
17	ओड़ीशा	100	32	132
18	पंजाब	0	0	0
19	राजस्थान	58	37	95
20	सिक्किम	0	0	0
21	तमिलनाडु	63	32	95
22	तेलंगाना	31	9	40
23	उत्तराखंड	8	1	9
24	उत्तर प्रदेश	10	0	10
25	पश्चिम बंगाल	0	0	0
कुल		837	456	1293

नोट:एमसीडीआर में स्टॉपिंग निरीक्षण, डीजीएम के साथ संयुक्त निरीक्षण,मंत्रालय संदर्भ निरीक्षण,एमएसएस निरीक्षण,स्टॉक सत्यापन निरीक्षण आदि शामिल हैं।

तालिका संख्या 5.1बी: 2021-22 और 2022-23 के दौरान आईबीएम द्वारा एमसीडीआर, 2017 के प्रमुख उल्लंघन का चिह्नांकन

नियम सं.	2021-22 में चिह्नित उल्लघनों की संख्या	2022-23 में चिह्नित उल्लघनों की संख्या	नियम विवरण
11(1)	482	391	नियम 11 (1) - खनन योजनाओं के अनुसार खनन कार्य
11(3)	02	01	नियम 11 (3) - खनन योजना/खनन योजना की समीक्षा प्रस्तुत करना

20	01	00	नियम 20 - खदान खुलने की सूचना
23	01	00	नियम 23 - खदान बंद करने की व्यस्थित योजना प्रस्तुत करना
26 (2)	210	69	नियम 26 (2) - खनन पट्टा धारक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी
27(2))	12	72	नियम 27(2) - वित्तीय आश्वासन प्रस्तुत करना
28(1)	21	08	नियम 28 (1) - खनन कार्यों को अस्थायी रूप से बंद करने की सूचना
31(4)	34	34	नियम 31(4) - योजनाओं एवं अनुभागों का रखरखाव
33	64	52	नियम 33 - प्रस्तुत की जाने वाली योजनाओं और अनुभागों की प्रतियां
35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44	166	54	**पर्यावरण सुरक्षा:** नियम 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44 - संपोष्य खनन, ऊपरी मिट्टी का निष्कासन और उपयोग, ओवरबर्डन का भंडारण, अपशिष्ट चट्टान, जमीन के कंपन के खिलाफ सावधानी, सतह के धंसने का नियंत्रण, वायु प्रदूषण के खिलाफ सावधानी, विषाक्त तरल का निर्वहन, शोर के खिलाफ सावधानी, अनुमेय सीमाएं और मानक, क्रमशः वनस्पतियों की बहाली, खनन, निष्कासन और ऊपरी मिट्टी का उपयोग, ओवरबर्डन, अपशिष्ट चट्टान का भंडारण, जमीन के कंपन के खिलाफ सावधानी, सतह के धंसने पर नियंत्रण, वायु प्रदूषण के खिलाफ सावधानी, जहरीले तरल का निर्वहन, शोर के खिलाफ सावधानी, अनुमेय सीमाएं और मानक, क्रमशः वनस्पतियों की बहाली.
45(5)(b)	43	110	नियम 45 (5) (b) - मासिक रिटर्न जमा करना
45(5)(c)	59	27	नियम 45 (5)(c) - वार्षिक रिटर्न जमा करना
55(1)(c)(i)	52	12	नियम 55(1)(c)(i) - पूर्णकालिक खनन अभियंता/भूविज्ञानी की नियुक्ति
55(1)(c)(ii)	25	20	नियम 55(1)(c)(ii) - अंशकालिक खनन अभियंता/भूविज्ञानी की नियुक्ति
अन्य	675	464	
कुल	**1847**	**1314**	

5.2 खनन योजना, खनन एवं खदान बंद करने की योजना की समीक्षा

खनिज (परमाणु और हाइड्रो कार्बन ऊर्जा खनिजों के अलावा) रियायत नियम, 2016 और खनिज संरक्षण और विकास नियम, 2017 यह निर्धारित करते हैं कि खनन कार्यों को एक अनुमोदित खनन योजना के अनुसार संचालित किया जाना आवश्यक है और खनिजों के निष्कर्षण के बाद, खदानों की आवश्यकता होती है। अनुमोदित खदान बंद करने की योजना के अनुसार पुनः प्राप्त किया जाना है। खनन योजनाएं आईबीएम द्वारा अनुमोदित हैं और 31 अधिसूचित (10.02.2015 को) गैर-धातु या औद्योगिक खनिजों सहित लघु खनिजों की खदानों के मामले में; शक्तियां संबंधित राज्य सरकारों को सौंप दी गई हैं। खदान बंद करने की योजना में खनन योजनाओं की क्रमिक समीक्षा की पांच वार्षिक अवधि के लिए तैयार की गई प्रगतिशील खदान बंद करने की योजना (पीएमसीपी) को शामिल करना आवश्यक है, जो अब खनन योजना का एक घटक है और अंतिम बंद होने से पहले एक अंतिम खदान बंद करने की योजना (एफएमसीपी) है।खदान बंद करने की योजना से वायु, जल और भूमि संरक्षण, ऊपरी मिट्टी और अधिभार के प्रबंधन, भूमि के पुनर्ग्रहण और पुनर्वास और जमीन के कंपन पर नियंत्रण, सतह धंसाव और वनस्पतियों की बहाली सहित पर्यावरण संरक्षण से संबंधित मुद्दों का समाधान होने की उम्मीद है। व्यवसाय करने में आसानी के लिए भारत सरकार द्वारा की गई पहल के अनुरूप एमटीएस के तहत खनन योजना/खनन योजना की समीक्षा/संशोधित खनन योजना तैयार करने और प्रस्तुत करने के लिए एक नई प्रणाली शुरू की गई है। खनन योजना अनुमोदन प्रणाली (एमपीएएस) के शुभारंभ के साथ, खनन योजना के अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप में ऑनलाइन हो गई है। पट्टेदार माउस के एक क्लिक पर अपनी खनन योजना प्रस्तुत कर सकता है और यह प्रक्रिया सरल और कम समय लेने वाली हो गई है।

वर्ष 2022-23 तक (31 मार्च 2023 तक), 29,53,30,37,491/- रुपये यानी रु. के मूल्य की वित्तीय बैंक गारंटी। 29533.037491 करोड़ [एमसीडीआर, 2017 के नियम 27(1) की संशोधित प्रति हेक्टेयर दर के अनुसार] एकत्र किए गए हैं और एमसीआर 1960 के नियम 29ए/एमसीडीआर, 2017 के 21(4) के तहत 33 मामलों (31 लघु खनिजों को छोड़कर पट्टा क्षेत्र का आंशिक या पूर्ण समर्पण के लिए प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

खनन योजना (खनन योजना, खनन योजना की समीक्षा और खनन योजनाओं के संशोधन सहित) के डैशबोर्ड के अनुसार, वर्ष 2022-23 के दौरान मार्च, 2023 तक, आईबीएम ने 492 खनन योजना और 142 खनन योजनाओं (खनन योजना, समीक्षा सहित) को मंजूरी दी। खनन योजना एवं खनन योजनाओं में संशोधन) प्रक्रियाधीन है

तालिका संख्या 5.2ए: 2022-23 के दौरान आईबीएम द्वारा अनुमोदित राज्य-वार खनन योजनाएं/खनन योजनाओं की समीक्षा/खनन की योजनाएं/अंतिम खदान बंद करने की योजनाएं

क्रम सं.	**2022-2023 के लिए खनन योजना संबंधित सूचना**	संख्या
1	वर्ष 2022-2023 के दौरान प्राप्त खनन योजनाओं के आवेदन = **651** पिछले वर्ष की प्रक्रियाधीन खनन योजनाएँ = **130**	**651** +**130** **कुल** =**781**
2	स्वीकृत खनन योजनाएं	**492**
3	लंबित एवं प्रक्रियाधीन खनन योजनाएँ	**142**
3 (i)	45 दिनों से अधिक समय से लंबित खनन योजनाएँ	**71**
3 (ii)	45 दिनों से कम समय से लंबित खनन योजनाएँ	**71**
4	अस्वीकृत खनन योजनाएं	**78**
5	वापस ली गईं खनन योजनाएँ	**69**

नोट: डेटा को खनन योजना के डैशबोर्ड के साथ मिलान कर लिया गया है, आंकड़ों को खनन योजना, खनन योजना की समीक्षा और खनन योजनाओं के संशोधन के अनुसार सही किया गया है।

5.3 खनिज रियायत प्रणाली

2015 में एमएमडीआर अधिनियम में संशोधन के अनुसार, खनिज रियायत के आवंटन की प्रणाली को पहले आओ पहले पाओ के आधार से पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण नीलामी प्रक्रिया में बदल दिया गया है। संशोधन ने खनन पट्टों के लिए 50 वर्षों की एक समान अवधि भी ला दी है।

खनिज (नीलामी) संशोधन नियम, 2022 18.02.2022 को अधिसूचित किए गए थे संशोधित नियमों के अनुसार, ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की अनुमति दी गई है उस क्षेत्र की पहचान और सीमांकन जहां समग्र लाइसेंस है नीलामी के माध्यम से दिये जाने का प्रस्ताव है।

सरकार ने ग्लौकोनाइट, पोटाश, एमराल्ड, प्लैटिनम ग्रुप ऑफ मेटल्स (पीजीएम), अंडालूसाइट, सिलिमेनाइट और मोलिब्डेनम के संबंध में रॉयल्टी की दर निर्दिष्ट करने के लिए एमएमडीआर अधिनियम, 1957 की दूसरी अनुसूची में संशोधन किया है। इससे इन खनिजों/धातुओं के ब्लॉकों की नीलामी सुनिश्चित होगी जिससे उनका आयात कम होगा।

तदनुसार, धात्विक खनिजों, ग्लौकोनाइट और पोटाश के एएसपी की गणना के लिए दिनांक 15.03.2022 की अधिसूचना के माध्यम से खनिज (परमाणु और हाइड्रो कार्बन ऊर्जा खनिज के अलावा) रियायत नियम, 2016 में संशोधन किया गया है।

294(ई) दिनांक 11.04.2022, अनुसूची-1 में प्रपत्रों में लौह अयस्क के विभिन्न ग्रेडों को प्रतिस्थापित करने के लिए खनिज संरक्षण और विकास (संशोधन) नियम, 2022 को अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. द्वारा संशोधित किया गया।

केंद्र सरकार ने टोही या पूर्वेक्षण कार्यों के लिए किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति के तरीके को निर्धारित करने के लिए, दिनांक 03.06.2022 की अधिसूचना संख्या जी.एस.आर.415 (ई) के माध्यम से अन्वेषण व्यय नियमों, 2022 की प्रतिपूर्ति को अधिसूचित किया। ये नियम केवल ऐसे रियायत धारकों या आवेदकों पर लागू होंगे जिन्होंने अधिनियम की धारा 10 ए (2) (बी) के तहत, जैसा भी मामला हो, खनन पट्टे या खनन पट्टे के बाद पूर्वेक्षण लाइसेंस प्राप्त करने का अधिकार हासिल कर लिया है और जिसका उक्त अधिकार समाप्ति की तिथि पर समाप्त हो गया है।

5.4 ऑनलाइन पोर्टल में खनन योजना प्रस्तुत करना

ऑनलाइन खनन योजना मॉड्यूल 12.7.2022 से लाइव हो गया है और 12.7.2022 के बाद किए गए सभी खनन योजना प्रस्तुतियाँ एमटीएस के ऑनलाइन पोर्टल में स्वीकार की जाती हैं। www.miningplan.ibm.gov.in

5.5 संवेदीकरण कार्यशालाएँ/बैठकें

चार्टर के नियमानुसार, आईबीएम खनन क्षेत्र के संबंध में एक राष्ट्रीय तकनीकी नियामक के रूप में कार्य करेगा, , केंद्रीय स्तर के साथ-साथ राज्यों के स्तर पर, नियामक और विकासात्मक कार्यों दोनों के लिए और राज्य सरकारों (विनियमन के पहले स्तर) के मार्गदर्शन के साथ-साथ सिस्टम में क्षमता निर्माण के लिए नियम, प्रक्रियाएं और प्रणालियां निर्धारित करेगा। तदनुसार आईबीएम ने निम्नलिखित कार्यशालाएं और बैठकें आयोजित कीं ।

5.5.1 आईबीएम भुवनेश्वर में वर्चुअल बैठक –

एमटीएस में खनन योजना जमा करने पर हितधारकों को जागरूक करने के लिए दिनांक 19.07.2022 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई, जिसमें एमटीएस पोर्टल में खनन योजना ऑनलाइन जमा करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों के बारे में प्रस्तुत किया

गया। कार्यक्रम में खनन उद्योगों, पट्टेदारों, पट्टेदारों और क्यूपी के प्रतिनिधियों से कुल 104 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

5.5.2 **आईबीएम रायपुर में संवेदीकरण कार्यशाला:**

श्री अरुण कुमार, क्षेत्रीय खान नियंत्रक, आईबीएम रायपुर की अध्यक्षता में 22/07/20022 को, 75 खनन पट्टा धारकों और तकनीकी के लिए संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित किया गया था। जिसमें दो तकनीकी सत्र शामिल थे, यथा (i) उद्योग के व्यक्तिगत लोगों के लिए आईबीएम वेब पोर्टल पर खनन योजना को ऑनलाइन भरना और (ii) जीआईएस और ड्रोन सर्वेक्षण डेटा और उनका प्रसंस्करण,

5.5.3 आईबीएम जबलपुर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सत्र:

एमटीएस पोर्टल में एमपीएएस के माध्यम से खनन योजना तैयार करते समय उद्योग जगत के लोगों के सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए आईबीएम के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 29.07.2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) सत्र आयोजित किया गया था। एमपीएएस में खनन योजना मॉड्यूल के विभिन्न अनुभागों को भरने को परीक्षण मॉड्यूल में लाइव-डेमो के रूप में दिखाया गया था खनन योजना की तैयारी के दौरान और जमा करने के लिए प्रश्नोत्तरी के रूप में बातचीत द्वारा ऑनलाइन सिस्टम में ऑटो-सत्यापन और गणना के बारे में विस्तृत विवरण दिया गया था। विभिन्न राज्यों से लगभग 97 उद्योग कर्मियों ने भाग लिया और उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंस से लाभान्वित हुए।

5.5.4 आईबीएम गांधीनगर में एसडीएफ कार्यशाला:

आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, आईबीएम ने 31 जुलाई, 2022 को वेरावल क्लस्टर ऑफ माइंस में सतत विकास फ्रेमवर्क (एसडीएफ) कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें जिम्मेदार खनन, खनन जीवन चक्र और पर युवा भूवैज्ञानिकों और खनन इंजीनियरों द्वारा तकनीकी प्रस्तुतियां शामिल थीं। ईआईए/ईएमपी और खनिज संरक्षण आदि के लिए केस अध्ययन। इसके अलावा, क्षेत्रीय खान नियंत्रक, गांधीनगर ने आईबीएम की सुशासन पहल के एक भाग के रूप में "खनन योजना को ऑनलाइन जमा करने" पर तकनीकी व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले खान प्रतिनिधियों और उनके बच्चों को गुजरात क्षेत्र में एकेएएम

कार्यक्रमों के दौरान सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले खान प्रतिनिधियों और उनके बच्चों को गुजरात क्षेत्र में एकेएएम कार्यक्रमों के दौरान सम्मानित किया गया।

31.7.2023 को गांधीनगर में एसडीएफ कार्यशाला

5.5.5 फॉर्म-के के अद्यतनीकरण पर ऑनलाइन कार्यक्रम:

आईबीएम के गांधीनगर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 26 अगस्त 2022 को ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल और खनन योजना के नए पोर्टल के माध्यम से फॉर्म-के को अद्यतन करने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हैंड-होल्डिंग कार्यक्रम की व्यवस्था की गई थी। हैंड-होल्डिंग और संवेदीकरण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रक्रिया प्रवाह और डेटा एकीकरण में फॉर्म-के अपडेशन के महत्व को समझाना और अपडेशन अनुरोध के दौरान आवेदकों द्वारा सामान्य चूक को साझा करना और ऑनलाइन खनन योजना प्रस्तुत करने सहित समाधान की पेशकश करना था।

वर्तमान में लॉन्च किए गए पोर्टलों और आगामी पोर्टलों में डेटा एकीकरण और सिस्टम के प्रक्रिया प्रवाह के महत्व पर श्री पी.के. भट्टाचार्य, खान नियंत्रक (एमटीएस) ने शामिल हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय खान नियंत्रक श्री पुष्पेंद्र गौड़ ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री पी.के. भट्टाचार्य, खान नियंत्रक (एमटीएस)

प्रतिभागियों के बीच संवाद

5.5.6 डिजिटल एरियल डेटा सबमिशन पर कार्यशाला:

आईबीएम के नागपुर स्थित मुख्यालय में 13.01.2023 को "डिजिटल एरियल डेटा सबमिशन" पर एक कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर से लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम आईबीएम के जीएम एंड एमएम सेल के तत्वावधान में श्री एस.के. अधिकारी, मुख्य खनन भूविज्ञानी, की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। दो प्रमुख रिसोर्स पर्सन, श्री टी.के. सोनारकर, क्षेत्रिय खनन भूविज्ञानी, और श्री एस.आर. मजूमदार, वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने अपने सत्रों में शानदार प्रस्तुतियाँ दीं और आईबीएम को प्रस्तुत किए जा रहे डेटा में देखी गई विभिन्न कमियों के बारे में धैर्यपूर्वक बताया। इंटरैक्टिव सत्रों में प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे जिनका संकाय सदस्यों ने ऊचित से समाधान किया। समापन सत्र की अध्यक्षता श्री पी.एन. शर्मा सीसीओएम-एमडीआर ने की और श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम-एमईएस, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। ड्रोन डेटा एनालिटिक्स और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के ज्ञान का विस्तार करने के उद्देश्य से, इस कार्यशाला को सत्रों के दौरान हुई इसकी सामग्री, प्रस्तुतियों और विचार-विमर्श के लिए व्यापक सराहना मिली।

आईबीएम मुख्यालय में 13.01.2023 को "डिजिटल एरियल डेटा सबमिशन" पर कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम

5.6 खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण (एमईएमसी) सप्ताह समारोह-

आईबीएम सतत विकास के साथ खान पर्यावरण की सुरक्षा और बहाली की दिशा में देश के विभिन्न खनन क्षेत्रों में खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण (एमईएमसी) सप्ताह का आयोजन करके खान मालिकों के बीच जागरूकता बढ़ाने और प्रतिस्पर्धा पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय खान ब्यूरो ने खनन क्षेत्रों में खनिज संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता पैदा करने और प्रचार-प्रसार के लिए वर्ष 2021-22 के दौरान अपने विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र के तहत खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण (एमईएमसी) सप्ताह मनाया।

एमईएमसी सप्ताह का आयोजन:

1. **गांधीनगर क्षेत्र:** मुख्य अतिथि श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम एवं सम्माननीय अतिथि श्री रजनीश पुरोहित, सीओएम (एनजेड) की गरिमामई उपस्थिति में समापन दिवस समारोह 10-04-2022 को पोरबंदर में मनाया गया।
2. **रायपुर क्षेत्र:** एमईएमसी सप्ताह 2021-22 का समापन समारोह 08 अप्रैल 2022 को आयोजित किया गया था ।
3. **नागपुर क्षेत्र:** समापन समारोह 26.03.2022 को होटल एयरपोर्ट सेंटर पॉइंट नागपुर, में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि, श्री पी.एन. शर्मा, सीसीओएम (प्रभारी), सम्मानित अतिथि श्री पी. कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम (प्रभारी) एवं श्री. अभय अग्रवाल, खान नियंत्रक (सीजेड) और संरक्षक श्री. आर.आर. डोंगरे, क्षेत्रीय खान नियंत्रक थे।
4. **भुवनेश्वर क्षेत्र:** 27 मई 2022 को भुवनेश्वर में आईबीएम के तत्वावधान में आयोजित 23वें खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह का समापन समारोह और पुरस्कार समारोह आयोजित हुआ ।
5. **हैदराबाद क्षेत्र:** भारतीय खान ब्यूरो खान पर्यावरण और खनिज के तत्वावधान में जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड, नंद्याल यूनिट के समन्वय से हैदराबाद क्षेत्र में 27वां खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह (एमई और एमसी) 2021-22 मनाया गया। 27वें एमईएमसी सप्ताह का समापन दिवस कार्यक्रम 23.04.2022 को आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में श्री पी.एन. शर्मा, सीसीओएम (प्रभारी)-एमडीआर, जबकि श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम (प्रभारी)-एमईएस; श्री वी. जयकृष्ण बाबू, सीओएम (एसजेड); श्री वीरा बाबू जी., सीएमओ, जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड; और श्री हुकुम चंद गुप्ता, अध्यक्ष, एमईएमसी सप्ताह 2021-22 और यूनिट प्रमुख, जेएसडब्ल्यू सीमेंट लिमिटेड, नंद्याल यूनिट, सम्मानित अतिथि रहे। श्री शैलेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय खान नियंत्रक, आईबीएम, हैदराबाद और संरक्षक, एमईएमसी सप्ताह 2021-22 के साथ श्री रितेश चट्टराज, वरिष्ठ प्रबंधक (भूविज्ञान) जेएसडब्ल्यू सीमेंट और सचिव, एमईएमसी सप्ताह और श्री अनिल कुमार, डीजीएम–माइंस, जेएसडब्ल्यू सीमेंट और संयोजक, एमईएमसी वीक भी अपनी भागीदारी से इस अवसर पर उपस्थित रहे।
6. **देहरादून क्षेत्र:** 30वां एमईएमसी सप्ताह का अंतिम दिन समारोह 06-05-2022 को देहरादून में मनाया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री संजय लोहिया, अतिरिक्त

सचिव, खान मंत्रालय, भारत सरकार थे। श्री रजनीश पुरोहित, खान नियंत्रक (उ.क्षे.) ने सम्मानित अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई।

7. **चेन्नई क्षेत्र:** वर्ष 2021-22 के लिए चेन्नई क्षेत्र का 29वां एमई एंड एमसी सप्ताह 29 मई, 2022 को मनाया गया। समापन समारोह तमिलनाडु राज्य के अरियालुर जिले में मेसर्स इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड, द्वारा टीएसएन कम्युनिटी हॉल, सीमेंट नगर, डालावोई, आयोजित किया गया था।
8. **अजमेर क्षेत्र:** एमईएमसीडब्ल्यू 2021-22 का अंतिम दिन समारोह 25.08.2022 को उदयपुर में मनाया गया और मेसर्स बिड़ला कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आयोजित किया गया।

23-2022 एमईएमसी सप्ताह 5.6.2

खनिज संरक्षण और पर्यावरण की सुरक्षा के महत्व को संवेदनशील बनाने के लिए, 23-2022 के दौरान, सभी क्षेत्रों ने पूरे देश में खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह मनाया।

1. **जबलपुर क्षेत्र** : भारतीय खान ब्यूरो, जबलपुर क्षेत्र के तत्वावधान में 32वें एमईएमसी सप्ताह 2022-23 का अंतिम दिन समारोह 18.03.2023 को होटल पसरीचा, जबलपुर में मनाया गया। श्री अभय अग्रवाल, सीओएम (सीजेड) मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे।

32वें ख़ान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह—समापन समारोह

दिनांक 18 मार्च 2023 की मांगलिक बेला में होटल पसरीचा के मनोहारी प्रांगण में आईबीएम के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय के 32वें ख़ान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह के पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह मनाया गया। समारोह में श्री अभय अग्रवाल, खान नियंत्रक (मध्यांचल), मुख्यालय नागपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और श्री एमएम अब्दुल्ला - निदेशक (परियोजना एवं योजना), मैसर्स मॉयल लिमिटेड ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सप्ताह में 119 खदानों ने भाग लिया, जिन्हें चार श्रेणियों (I) एक लाख टन से कम वार्षिक उत्पादन (II) एक से दस लाख टन उत्पादन (III) दस लाख टन से अधिक वार्षिक उत्पादन और (IV) भूमिगत खदानें। पाँच सितारा से पुरस्कृत खदानों को 'अमृत कलश' पुरस्कार से नवाजा गया। इस रंगारंग कार्यक्रम में लगभग 350 खनन पट्टाधारकों, खनिज क्षेत्र के अधिकारी - कर्मचारीवृन्द, कॉलेज छात्र और QPS ने सक्रिय सहभागिता के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

दिनांक 18 मार्च 2023 जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय के 32वें ख़ान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह के पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

2. **हैदराबाद क्षेत्र:** 28 वीं खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह 2022-23 का समापन समारोह 5 मार्च, 2023 को हैदराबाद में मनाया गया। कार्यक्रम की मेजबानी मेसर्स एनसीएल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री पी.एन. शर्मा, मुख्य खान नियंत्रक (आइ/सी) (एम डी आर) ने समारोह की शोभा बढ़ाई।

3. **बेंगलुरु क्षेत्र:** खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह 2022-23 का समापन समारोह 12/03/2023 को मेसर्स श्री सिमेन्ट लिमिटेड के कोडला लाइम्स्टोन की मेजबानी में कर्नाटक राज्य के कलबुरगी जिले में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री वी .जयकृष्ण बाबू, खान नियंत्रक (द.अ), ने समारोह की शोभा बढ़ाई।
4. **चेन्नई क्षेत्र:** खान पर्यावरण एवं खनिज संरक्षण सप्ताह 2022-23 का समापन समारोह 5 मार्च, 2023 को मैसर्स रामको सीमेंट्स लिमिटेड की मेजबानी में मदुरै में मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्री वी .जयकृष्ण बाबू, खान नियंत्रक) द.अ.(, भारतीय खान ब्यूरो, बेंगलुरु ने समारोह की शोभा बढ़ाई।
5. **गोवा क्षेत्र:** दिनांक 19/03/2023 को भारतीय खान ब्यूरो के गोवा क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वावधान में 12वें खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह मेसर्स जे के सीमेंट वर्क्स, पदम नगर, मुद्दापुर में MEMC परिषद, बागलकोट द्वारा मनाया गया। MEMCWeek के समापन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में माननीय मुख्य खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो श्रीमान पंकज कुलश्रेष्ठ साहब एव विशिष्ट अतिथिकेरूपखाननियंत्रक (साउथ जोन), बेंगलुरु श्री जय किशन बाबु साहब उपस्थित थे। इनके आलावा मंच पर उप खान नियंत्रक और ओआईसी, गोवा क्षेत्रीय कार्यालय श्री नरेश कटारिया, जे के सीमेंट के मैन्युफैक्चरिंग हेड श्री. एस.के. राठौर, जेके सीमेंट वर्क्स मुद्दापुर के यूनिट हेड श्री उमाशंकर चैधरी, डम्डब् के अगले होस्ट

डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड के यूनिट हेड श्री प्रभात सिंह और इस सप्ताह के सचिव श्री विक्रम सिंह उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई,इसके बाद विभिन्न सेवा प्रदाता कंपनियों द्वारा प्रदर्शित विभिन्न स्टालों का निरीक्षण मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। श्री. विक्रम सिंह ने सभा का स्वागत किया और दर्शकों को सचिवीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद आईबीएम और अन्य के गणमान्य व्यक्तियों के भाषण हुए। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन के दौरान उल्लेख किया कि छोटे खान मालिकों और लघु इकाइयों के उत्थान के लिए आवश्यक तकनीकी सहायता सुचारू रूप से प्रदान की जा रही है। नियमों और विनियमों का अनुपालन महत्वपूर्ण बिंदु है और साथ ही खनिजों का संरक्षण भी आवश्यक है।

इस समारोह के दौरान, सांस्कृतिक कार्यक्रम टीम ने ष्श्री कृष्ण रासलीलाष् का अभिनय किया, जिसे सभी ने बहुत सराहा और पूरा वातावरण भक्ति से भर गया, मानो भगवान श्री कृष्ण ने सभी को आशीर्वाद दिया हो।

इस सप्ताह में 41 खदानों ने भाग लियाद्य पाँच सितारा से पुरस्कृत खदानों को 'Excellence Award'तक' प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में बागलकोट क्षेत्र, कर्नाटक, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों और गोवा की खानों से लगभग 700 व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस आयोजन में खानों को विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कार प्रदान किए गए जिन्होंने पर्यावरण और खनिज संरक्षण के लिए अपने उत्तम प्रयासों का प्रदर्शित किया है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

19/03/2023 कोभारतीय खान ब्यूरो के गोवा क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वावधान में 12वें खान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह का समापन समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह	

5.7 एमडीआर प्रभाग द्वारा नई पहल

5.7.1: डिजिटल एरियल (ड्रोन और सैटेलाइट) छवियों का उपयोग करके खनन गतिविधियों की निगरानी:

भारत सरकार, खान मंत्रालय ने वर्ष 2021 में खनिज संरक्षण और विकास नियम, 2017 में संशोधन किया है, जिसमें खनिज रियायत धारकों/पसंदीदा बोलीदाताओं द्वारा भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) को डिजिटल हवाई छवियां (ड्रोन/सैटेलाइट) जमा करने की आवश्यकता है। प्रत्येक पट्टेदार को आईबीएम को डिजिटल हवाई छवि प्रस्तुत करनी होगी। प्रत्येक पट्टेदार को हर साल जुलाई के पहले दिन या उससे पहले आईबीएम को डिजिटल हवाई छवि प्रस्तुत करनी होगी। इसके अलावा, सभी खदान योजनाओं को डिजिटल हवाई छवियों के साथ प्रस्तुत करना आवश्यक है। पट्टेदार द्वारा आईबीएम को डिजिटल हवाई छवियां जमा करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया अप्रैल 2022 में आईबीएम द्वारा निर्धारित की गई है और आईबीएम वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। मार्च 2023 तक खनिज रियायत धारकों ने 754 पट्टों के लिए अपनी डिजिटल हवाई छवियां प्रस्तुत की हैं। एसओपी के अनुसार डेटा प्रस्तुत सुनिश्चित करने के लिए इन डिजिटल छवियों को मान्य किया जा रहा है। जीआईएस प्लेटफॉर्म पर ड्रोन और सैटेलाइट छवि डेटा को संसाधित करने के लिए आईबीएम अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए, "जीआईएस की मूल बातें और ड्रोन सर्वेक्षण डेटा के प्रसंस्करण" पर आवश्यक व्यावहारिक प्रशिक्षण मार्च 2022 से शुरू किया गया है। हवाई छवियों का विश्लेषण करने में विशेषज्ञता विकसित करने और खानों के निरीक्षण और खनन योजनाओं के अनुमोदन में इन छवियों का उचित उपयोग करने के लिए इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक श्रृंखला के माध्यम से खनिज विकास और विनियमन प्रभाग के सभी तकनीकी अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक रोड मैप तैयार किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान, क्षेत्रीय कार्यालयों और आईबीएम मुख्यालय के कुल 124 अधिकारियों को जीआईएस और रिमोट सेंसिंग सेंटर, आईबीएम, नागपुर में तेरह बैचों और एक सौ बारह कार्य दिवसों में आयोजित जीआईएस की मूल बातें और ड्रोन सर्वेक्षण डेटा के प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण दिया गया था।

भारतीय खान ब्यूरो में भौगोलिक सूचना प्रणाली और रिमोट सेंसिंग केंद्र स्थापित किया गया है जो दिसंबर 2018 से कार्यरत है। जीआईएस प्लेटफॉर्म पर निम्नलिखित गतिविधियां की गई हैं।

5.7.2 खनिज मानचित्र तैयार करना:

जीआईएस प्लेटफॉर्म पर मल्टी मिनरल लीज होल्ड मैप्स को अपडेट करने की गतिविधि मार्च 2022 में पूरी हो गई है। 21 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के संबंध में जैसे गोवा, आंध्र प्रदेश, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, तमिलनाडु, ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, उत्तरांचल और पश्चिम बंगाल राज्यों और जम्मू और कश्मीर (यूटी) में जियोडेटाबेस का निर्माण काम पूरा हो गया। भूवैज्ञानिक परत को सभी राज्यों के लिए जीएसआई भु-कोश से आयात किया गया है और संबंधित जीआईएस डेटाबेस के साथ एकीकृत किया गया है। 3890 प्रमुख खनिज खनन पट्टों की सीमाओं का प्लॉटिंग पूरा हो गया है और भू-स्थानिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। पट्टों के संबंध में खदान डेटा संलग्न करने का कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

5.7.3 जीआईएस प्लेटफॉर्म पर खनन पट्टों के भूमि उपयोग वर्गीकरण मानचित्र का सृजन :

जीआईएस प्लेटफॉर्म पर खनन पट्टों के भूमि-उपयोग वर्गीकरण मानचित्र तैयार करने की गतिविधि सितंबर 2020 से शुरू की गई है। आईबीएम के क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से पट्टाधारक से भूमि उपयोग क्षेत्र की जानकारी .shp/.kml प्रारूप में मांगी गई है। गतिविधि में जीआईएस प्लेटफॉर्म पर भूमि-उपयोग वर्गीकरण मानचित्र की योजना बनाना, केएमएल या एसएचपी फ़ाइल की जांच करना और उसे ठीक करना, केएमएल फ़ाइल को एसएचपी फ़ाइल में बदलना, विशेषता तालिका में प्रत्येक भूमि-उपयोग सुविधा के क्षेत्र की गणना करना और भूमि-उपयोग विशेषता तालिका में खान डेटा संलग्न करना शामिल है। मार्च 2023 तक, 1229 खनन पट्टों (899 नग कार्यशील; 330 नग अकार्यशील) के लिए भूमि-उपयोग डेटा प्राप्त हो चुका है, और सभी 1229 खनन पट्टों के लिए जीआईएस प्लेटफॉर्म पर डेटा का प्रसंस्करण पूरा हो चुका है।

खनन गतिविधि के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि के पट्टा-वार विवरण से भूमि-उपयोग का भू-स्थानिक डेटाबेस बनाया गया था। इस डेटाबेस का उपयोग अनुकूलित मानचित्र और रिपोर्ट जीआईएस प्लेटफॉर्म पर क्वेरी विश्लेषण द्वारा भूमि उपयोग वर्गीकरण के लिए राज्य-वार, जिला-वार, खनिज-वार, सुविधा-वार आदि तैयार करने के लिए किया जा सकता है।

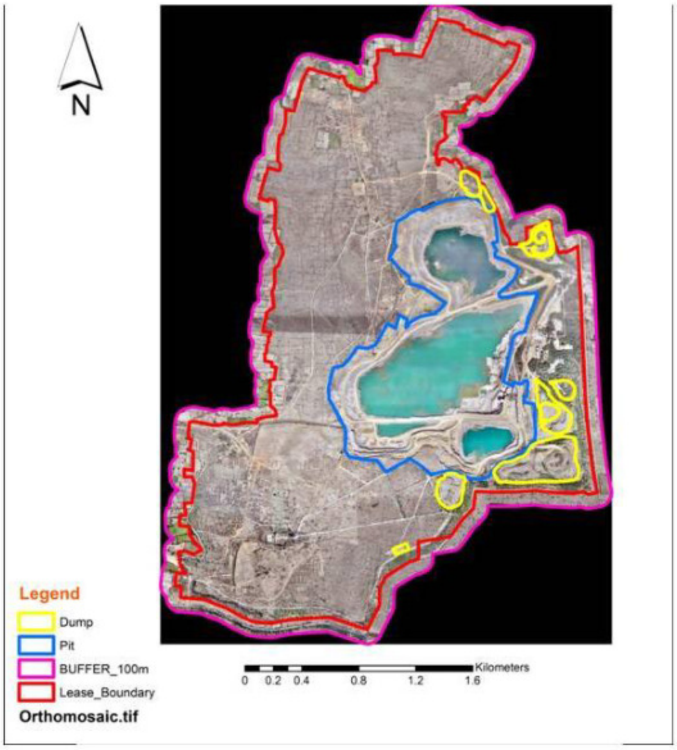

Drone Image of a mine superimposed by GIS layers

Mine Pit Analysis

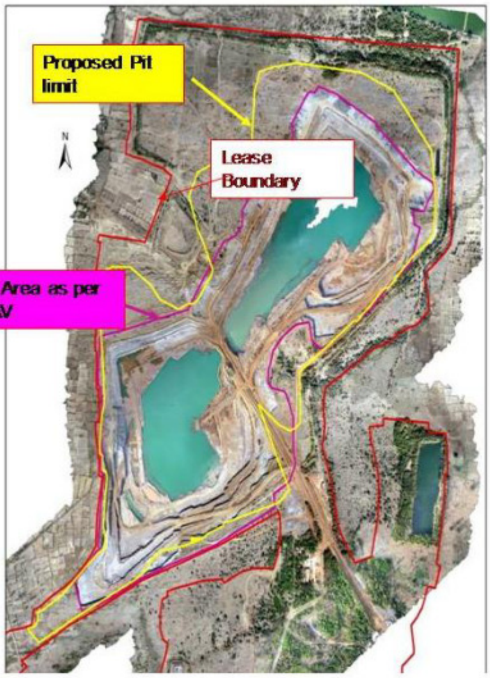

Pit dimensions & volume of excavation		
Area in m2	Area in Ha	Volume cub.m
1412192	141.22	2,34,13,192

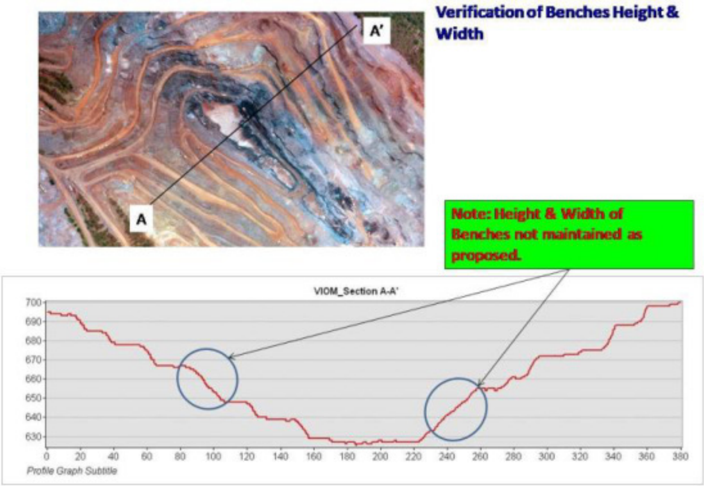

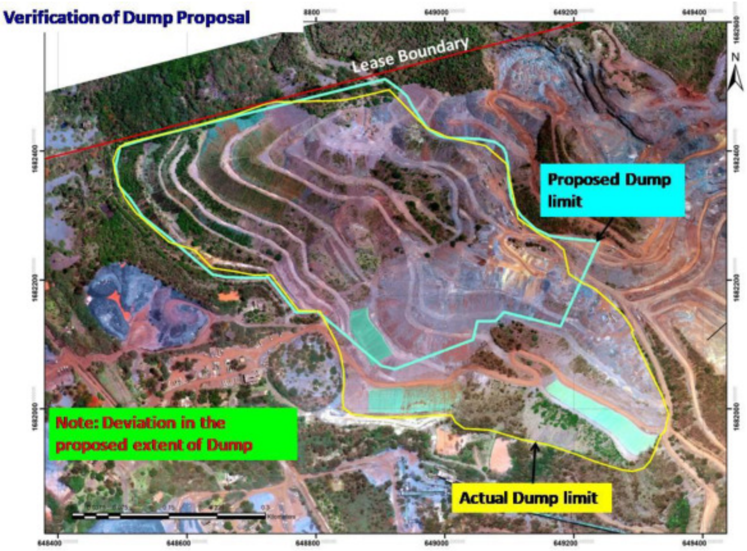

Mine Reclamation & Rehabilitation Analysis

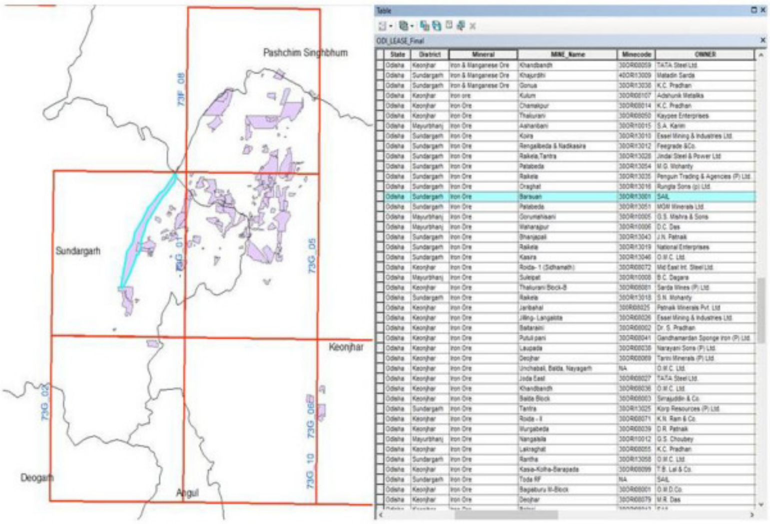

Geospatial database of Mining Leases of Odisha State

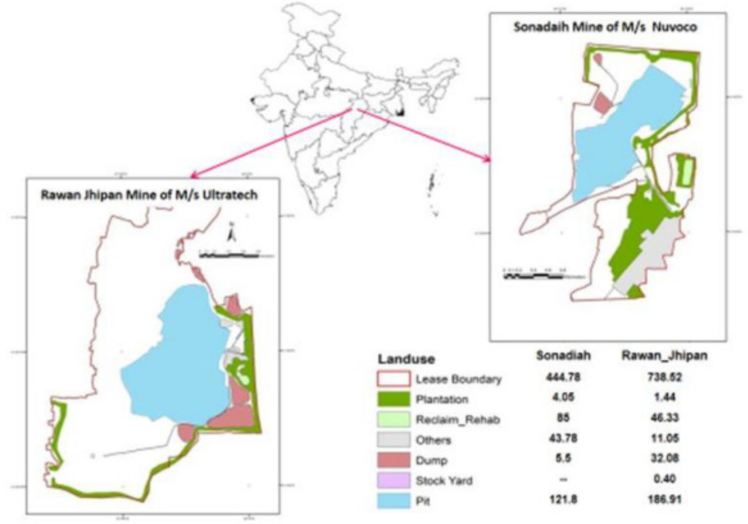

Geospatial map showing land use of different mines

5.7.4 बेकार की चीजों में से उत्तम चीज बनाना: राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 अंतिम लक्ष्य के रूप में शून्य-अपशिष्ट खनन को बढ़ावा देने और उप-इष्टतम और अवैज्ञानिक खनन को रोकने की प्रतिबद्धता के रूप में पर्याप्त और प्रभावी कानूनी और संस्थागत ढांचे पर जोर देती है। राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 के अनुसार, निम्न श्रेणी के खनिज/अपशिष्ट को गौण खनिज के रूप में उपयोग के लिए खनिज) परमाणु और हाइड्रोकार्बन ऊर्जा खनिजों के अलावा (रियायत नियम, 2016 के नियम 12(1) (के (के तहत उपयुक्त प्रावधान किया गया है। अत्यधिक बोझ या बेकार चट्टान; सीमा मूल्य से नीचे का खनिज, जो खनन या खनिज के लाभकारीकरण के दौरान उत्पन्न होता है; उस खनिज के साथ निकाला गया कोई गौण

खनिज जिसके लिए पट्टा दिया गया है; अब संबंधित राज्य सरकार की अनुमति से निपटान की अनुमति है। और भारतीय खान ब्यूरो के परामर्श से। इससे शून्य अपशिष्ट खनन के लक्ष्य की ओर बढ़ने और बेकार पड़े स्टॉक से अर्थव्यवस्था तैयार करने में मदद मिली है।

5.8 क्षमता निर्माण:

भारतीय खान ब्यूरो अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आईबीएम कर्मचारियों, खनन उद्योग में तैनात कर्मियों और राज्य सरकार के कर्मचारियों की क्षमता निर्माण में सहायक रहा है। दिए गए विभिन्न प्रशिक्षणों में एमएसएस और अंतरिक्ष अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण, ड्रोन सर्वेक्षण पर प्रशिक्षण, जीआईएस पर प्रशिक्षण, भंडार/संसाधन वर्गीकरण पर प्रशिक्षण आदि शामिल हैं।

i) 08 और 09 सितंबर-2022 को हैदराबाद में आयोजित होने वाले राज्य खनन मंत्रियों के खनन सम्मेलन के संबंध में जीएसआई हैदराबाद में श्रीमती फरीदा एम नाइक, संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में 05-08-2022 को एक तैयारी बैठक आयोजित की गई।

ii) भूवैज्ञानिक रिपोर्ट और नीलामी के लिए ब्लॉकों की तैयारी पर चर्चा के लिए आंध्र प्रदेश के डीएमजी सरकार द्वारा गूगल मीट के माध्यम से 17-08-2022 को एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक आयोजित की गई थी।

5.9 खनिज लाभकारी:

खनिज परीक्षण और रासायनिक विश्लेषण सहित खनिज लाभकारी अध्ययन, खनिज संसाधनों के संरक्षण और विकास दोनों से गहराई से संबंधित है। वर्ष 2021-22 के दौरान 40 ड्रेसिंग जांच, 17424 रासायनिक विश्लेषण, 2344 खनिज परीक्षण और 03 इन-प्लांट अध्ययन पूरे किए गए। लौह अयस्क पर अयस्क ड्रेसिंग जांच का मुख्य डेटा आईबीएम वेबसाइट पर https://ibm.gov.in/index.php?c=pages&m=index&id=232 लिंक पर उपलब्ध है।

5.9.1 अयस्क ड्रेसिंग जांच की कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

5.9.1.1 लौह अयस्क: मेसर्स सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड)आईबीएम/एनजीपी/आरआई नंबर 2249) के लिए खजुराहो स्टोन्स, छतरपुर जिला, मध्य प्रदेश से लीन ग्रेड लौह अयस्क नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

मध्य प्रदेश के छत्रपुर जिले के खजुराहो पत्थरों से एक लीन ग्रेड लौह अयस्क का नमूना मेसर्स सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी लिमिटेड के माध्यम से आधुनिक खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला और पायलट प्लांट, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर में बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन के लिए प्राप्त किया गया था। जांच का उद्देश्य इष्टतम ग्रेड और रिकवरी के साथ लौह सांद्रण का उत्पादन करने के लिए नमूने की व्यवहार्यता का आकलन करना था।

प्राप्त नमूने में 48.18% Fe(T), 12.85% SiO2, 9.80% Al_2O3, 0.71% TiO2, 0.72% CaO, 0.34% MgO, 0.60% K2O, 0.15% P2O5, 4.11% LOI और S(T) और Na2O के 1.4.अंश पाए गए।

नमूने में हेमेटाइट की बड़ी मात्रा के साथ मिट्टी) काओलिनाइट (की उप-मात्रा और अभ्रक) मस्कोवाइट, बायोटाइट(, क्वार्ट्ज/चर्ट, गोइथाइट/लिमोनाइट, मैग्नेटाइट, रूटाइल और गिब्साइट की मामूली से बहुत कम मात्रा शामिल थी। नमूने में पाइरोक्सिन और पाइराइट के अंश देखे गए।

कुचलने, पीसने, आकार देने, गुरुत्वाकर्षण पृथक्करण और चुंबकीय पृथक्करण सहित विस्तृत लाभकारी परीक्षण कार्य किए गए। सबसे अच्छे परीक्षण में प्राप्त नमूने को माइनस 10 मेश तक कुचलना, कुचले हुए नमूने को- 100 मेश तक पीसना, उसके बाद रेत के अंश पर टेबलिंग का उपयोग करके गुरुत्वाकर्षण पृथक्करण और स्लाइम्स पर मल्टी ग्रेविटी सेपरेटर)एमजीएस (द्वारा बारीक कण पुनर्प्राप्ति शामिल है। प्राप्त एमजीएस मध्य अंश को गीले कम तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया था।

i) एक मिश्रित सांद्रण-.I (टेबल कॉन्स + .एमजीएस मिडलिंग्स का मैग्नेटिक्स (61.59% Fe(T), 3.22% SiO2, 3.09% Al2O3 और 1.31% LOI के साथ Fe(T) 29.2% की रिकवरी और) वजन %उपज 22.6) प्राप्त किया जा सकता है।
ii) एक मिश्रित सांद्रण-II (टेबल सांद्रण + एमजीएस सांद्रण + एमजीएस मिडलिंग्स का मैग (में 60.72% Fe(T), 3.68% SiO2, 3.73% Al2O3 और 1.51% LOI के साथ Fe(T) 41.9% की रिकवरी और) वजन %उपज 32.9) शामिल है।

नमूना लाभकारी के लिए उत्तरदायी है.

<u>लोह अयस्क: </u>सोमलापुर) तालुक संदुर(, बेल्लारी डीटी से निम्न श्रेणी के लौह अयस्क के नमूने पर लाभकारी, मोटा होना और निस्पंदन अध्ययन। मैसर्स एमएसपीएल लिमिटेड, होसपेट, कर्नाटक के लिए।

मेसर्स से लौह अयस्क का एक नमूना प्राप्त हुआ था। क्षेत्रीय खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला, भारतीय खान ब्यूरो, बैंगलोर में बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन के लिए एमएसपीएल लिमिटेड। लाभकारी परीक्षण कार्य का उद्देश्य > 63.0% Fe (T), ~ 5% (Al_2O_3+ SiO_2.) वाले पेलेट ग्रेड सांद्रण का उत्पादन करने के लिए एक प्रक्रिया प्रवाह शीट विकसित करना है।

प्राप्त नमूने में 33.17% Fe (T), 50.06% SiO_2, 0.45% Al_2O_3, 0.29% CaO, 0.18% MgO, 0.09%Na_2O, 0.07% K_2O, 0.16% Mn, 0.01% TiO_2, 0.07 S(T), 0.09%P और 3.30% एलओआई.पाया गया।

नमूने में बड़ी मात्रा में मार्टीटाइज्ड मैग्नेटाइट/मैग्नेटाइट, हेमेटाइट और क्वार्ट्ज के साथ गोइथाइट/लिमोनाइट की मामूली मात्रा, कार्बोनेट, पाइराइट, मिट्टी और इल्मेनाइट के अंश बहुत कम हैं।

नमूने को विभिन्न प्रक्रिया तकनीकों जैसे सूखी स्क्रीनिंग, गीली स्क्रीनिंग, गुरुत्वाकर्षण एकाग्रता के बाद गीले कम और उच्च तीव्रता चुंबकीय पृथक्करण, डिसलिमिंग और प्लवनशीलता के अधीन किया गया था। गुरुत्वाकर्षण सांद्रण के संयोजन और मध्य चुंबकीय अंश और संयुक्त स्लाइम्स नॉन-फ्लोट्स को फिर से पीसकर 63.56% Fe(T), 8.61% SiO_2, 0.28% Al_2O_3 के साथ 72.7% की Fe(T) रिकवरी और वजन प्रतिशत उपज 39.1 द्वारा प्राप्त अंतिम समग्र सांद्रण प्राप्त हुआ।

<u>लोह अयस्क:</u>

लौह अयस्करू मेसर्स किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बेविनहल्ली (विलेज एंड पो.), कोप्पल (तालुक और जिला), कर्नाटक के लिए किर्लोस्कर चेनकेश्वर माइंस, होसदुर्गा, कर्नाटक से लौह अयस्क के नमूने पर लाभकारी अध्ययन।

मेसर्स की किर्लोस्कर चेनाकेश्वर खदान, होसदुर्गा, कर्नाटक से लौह अयस्क गांठ और बारीक नमूना प्राप्त हुआ था। लाभकारी अध्ययन के लिए किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बेविनहल्ली) विलेज एंड पो(., कोप्पल) तालुक और जिला(, कर्नाटक। जांच का उद्देश्य अधिकतम संभव पुनर्प्राप्ति के साथ धातुकर्म उद्योग के लिए उपयुक्त सांद्रण का उत्पादन करना था।

प्राप्त नमूने में 58.06%Fe(T), 0.99% FeO, 8.21% SiO2, 1.01% Al2O3, 4.62% LOI, 0.43% CaO, 2.27% Mn, 0.44% Na2O, 0.34% S(T), 0.20% MgO, 0.14% K2O, 0.00 पाया गया। 1% TiO2, और P की मात्रा का पता लगाता है।

मोटे जिग भारी सांद्रता-) 25+6 मिमी (से 64.67% Fe(T), 2.75% SiO2, 0.76% Al2O3 और 3.09% LOI के साथ Fe(T) रिकवरी 61.5% (Wt.% उपज :56.9) प्राप्त हुई।

जिग उत्पाद और चुंबकीय पृथक्करण चुंबकीय उत्पाद के संयोजन से प्राप्त मिश्रित सांद्रण में 63.75% Fe(T), 3.28% SiO2, 1.00% Al2O3 और 3.72% LOI के साथ 93.4% (Wt.% उपज :87.6) Fe(T) की रिकवरी होती है।
जिगिंग और गीले चुंबकीय पृथक्करण द्वारा भौतिक सांद्रता के लिए अपनाई गई प्रक्रिया अधिकतम पुनर्प्राप्ति के साथ धातुकर्म ग्रेड लौह अयस्क सांद्रता के वांछित विनिर्देशों को प्राप्त कर सकती है।

लौह अयस्क:

मेसर्स के लिए किर्लोस्कर भारत माइंस, संदुर, कर्नाटक से लौह अयस्क के नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन। किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, बेविनाहल्ली, कोप्पल, कर्नाटक (आईबीएम/बीएनजी/आर.आई. नं....946)

प्राप्त नमूने में 59.68% Fe (T), 8.55% SiO2, 2.40% Al_2O3, 0.88% Na2O, 0.32% MgO, 0.25% CaO, 0.01% K2O, और 2.01% LOI पाया गया।
लौह निर्माण के लिए उच्च ग्रेड प्राप्त करने की संभावना का पता लगाने के लिए एल्यूमिना और सिलिका वाले खनिजों को कम करने के लिए ड्राई स्क्रीनिंग, वेट स्क्रीनिंग, गुरुत्वाकर्षण

पृथक्करण, चुंबकीय पृथक्करण और लाभकारी संचालन के संयोजन जैसे विभिन्न लाभकारी कार्यों को नियोजित करके लाभकारी परीक्षण किए गए थे।

प्रक्रिया मार्ग I: प्राप्त नमूने की सूखी स्क्रीनिंग - 8 मिमी, उसके बाद- 8 मिमी + 1 मिमी अंश पर सूखी चुंबकीय पृथक्करण, उसके बाद- 1 मिमी अंश के मिश्रण पर गीली स्क्रीनिंग-) 8+1 मिमी का एन-मैग सूखी स्क्रीनिंग के सभी- 1 मिमी और- 1 मिमी अंश तक कम कर दिया गया था (100 जाल आकार से अधिक, उसके बाद- 100 जाल आकार अंश पर टेबलिंग, उसके बाद- 100 जाल अंश के स्लाइम पर WHIMS। मिश्रित सांद्रता में 63.96% Fe (T), 5.52% SiO2, 1.60% Al2O3 और 2.08% LOI के साथ Fe (T) की रिकवरी 92.2% और वजन प्रतिशत उपज 87.1 है।

प्रक्रिया मार्ग II: सभी -100 जाल आकार के लिए प्राप्त नमूना जमीन पर टेबलिंग का उपयोग करते हुए गुरुत्वाकर्षण पृथक्करण, इसके बाद टेबल पर गीला उच्च तीव्रता चुंबकीय पृथक्करण (WHIMS) एक समग्र ध्यान केंद्रित करता है {टेबल भारी और मैग (टी.मिड + टी.टेल्स) + मैग (स्लिम्स)} 64.70% Fe(T), 4.54% SiO2, 1.11% Al2O3, और Fe(T) के साथ 1.25% LOI परखता है। 90.4% की रिकवरी और वजन प्रतिशत उपज 84.4।

लौह अयस्क :

निजी उद्योग के लिए हुडा (रेडी), वेंगुर्ला, जिला, सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र से लौह अयस्क के नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन। (आईबीएम/बीएनजी/आरआई नंबर 956)।

प्राप्त नमूने के अनुसार मिश्रित 55.11% Fe(T), 9.70% SiO2, 2.78% Al2O3, 0.34% FeO, 0.62% Mn, 0.09% P,0.10% CaO, 0.04% MgO, 0.13% Na2O, 0.09% K2O, 7.88% LOI, 0.13% S(टी) और 0.13% TiO2।

मिश्रित चुंबकीय अंश ने 62.11% Fe(T) को 4.74% SiO2 के साथ 88.0% (Wt.% उपज:81.5) की रिकवरी के साथ परख लिया। सूखी सह गीली लाभकारी प्रक्रिया जल संरक्षण के लिए उपयुक्त और लागत प्रभावी है।

लौह अयस्क थोक (ड्रिल कोर):

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भुवनेश्वर, ओडिशा (आईबीएम/एनजीपी/आरआई संख्या 2253) के लिए ओडिशा के क्योंझर जिले के जलहुरी ब्लॉक से लौह अयस्क थोक नमूने (ड्रिल कोर) पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

क्योंझर जिले के जलहुरी ब्लॉक से लौह अयस्क का एक बड़ा नमूना (ड्रिल कोर) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण,

भुवनेश्वर, ओडिशा से खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला और पायलट प्लांट, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर में बेंच स्केल
लाभकारी अध्ययन के लिए प्राप्त किया गया था।

जांच का उद्देश्य बेंच स्केल पर उन्नयन के लिए नमूने की व्यवहार्यता का अध्ययन करना था ताकि निम्न ग्रेड अयस्क से
विपणन योग्य लौह अयस्क सांद्रण का उत्पादन किया जा सके।

प्राप्त नमूने में 57.24% Fe(T), 4.25% Al_2O_3, 6.91% SiO_2, 0.96% CaO, 0.37% MgO, 0.34%
Na_2O, 0.16% K_2O, TiO_2, P_2O_5, Mn, और S(T) के अंश और 3.76% LOI की परख की गई।

पॉलिश की गई गांठों में मुख्य रूप से हेमेटाइट होता है, इसके बाद गोइथाइट + लिमोनाइट की मात्रा कम होती है, इसके बाद सिलिकेट की मामूली मात्रा होती है।
नमूने को उन्नत करने के लिए सूखे और गीले दोनों प्रक्रिया मार्गों को लागू किया गया था। सबसे अच्छा मार्ग शामिल है,

• स्टेज क्रशिंग द्वारा प्राप्त नमूने को- 6.3 मिमी तक कम करना।
• 6 मेश स्क्रीन पर- 6.3 मिमी नमूने की गीली स्क्रीनिंग, उसके बाद 30 मेश स्क्रीन पर डीस्लिमिंग की गई और मिश्रित स्लाइम को अलग से एकत्र किया गया।
• -6.3 मिमी + 6 जाल और- 6 जाल + 30 जाल अंशों को अलग-अलग जिगिंग के अधीन किया गया था।
• माइनस 30 मेश अंश से प्राप्त रेत अंश को टेबलिंग के अधीन किया गया था।
• अतिरिक्त रिकवरी के लिए- 6.3 मिमी+6मेश से जिग टेल और- 6मेश+30मेश से जिग बेड को जोड़ा गया और एक रॉड मिल में माइनस 70मेश आकार में स्टेज ग्राउंड किया गया। जमीनी उत्पाद को डीस्लिमिंग के बाद टेबलिंग के अधीन किया गया और प्राप्त स्लाइम को अलग से एमजीएस के अधीन किया गया।
• उपरोक्त प्रक्रिया मार्ग से 49.5% (Wt% उपज:45.3) के Fe(T) वितरण के साथ 62.90% Fe, 2.07% Al_2O_3, 2.52% SiO_2 और 1.99% LOI का एक मिश्रित सांद्रण- 1 प्राप्त किया जा सकता है। जिग उत्पादों की आंशिक पीसने वाला एक अन्य संयोजन 61.2% (Wt% उपज :

56.1) के Fe(T) वितरण के साथ 62.68% Fe, 2.28% Al_2O_3, 2.80% SiO_2 और 2.23% LOI का सांद्रण- 2 परख देता है।

नमूना लाभकारी के लिए उत्तरदायी है.

बीएचक्यू लौह अयस्क:

मेसर्स लॉयड्स मेटल एंड एनर्जी लिमिटेड) आईबीएम/आरआई नंबर 2256) के लिए सुरजागढ़ आयरन अयस्क माइंस, वूरिया हिल्स, गढ़चिरौली जिला, महाराष्ट्र से निम्न ग्रेड बीएचक्यू-लौह अयस्क नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

आधुनिक खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर में बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन के लिए सूरजगढ़ लौह अयस्क खदान, वूरिया हिल्स, गढ़चिरौली जिला, महाराष्ट्र से एक निम्न ग्रेड बीएचक्यू-लौह अयस्क का नमूना मेसर्स लॉयड्स मेटल एंड एनर्जी लिमिटेड से प्राप्त किया गया था।

जांच का उद्देश्य (i) बेंच स्केल पर लाभ के लिए नमूने की व्यवहार्यता का अध्ययन करना था, और (ii) अधिकतम संभव पुनर्प्राप्ति के साथ विपणन योग्य ग्रेड लौह अयस्क सांद्रण का उत्पादन करने के लिए एक प्रक्रिया मार्ग विकसित करना था।

प्राप्त नमूने में 38.51% Fe(T), 41.32% SiO_2, 1.43% Al_2O_3, 0.18% S(T), 0.03% P_2O_5 और 0.81% LOI पाया गया। नमूने में हेमेटाइट और क्वार्ट्ज़ की प्रमुख मात्रा शामिल है।

लाभकारी परीक्षण कार्य में प्राप्त नमूने को कुचलना और पीसना, अंतिम Fe सांद्रण प्राप्त करने के लिए कुचले हुए और साथ ही जमीन के उत्पादों को गुरुत्वाकर्षण और चुंबकीय पृथक्करण के अधीन करना शामिल है। उपरोक्त मार्ग से 60.01% Fe(T), 11.55% SiO_2, 1.34% Al_2O_3, 0.72% LOI के साथ 67.3% Fe(T) वितरण) wt.% उपज 43.2) का मिश्रित सांद्रण प्राप्त हुआ।

नमूना लाभकारी होने योग्य है और प्रक्रिया मार्ग से लौह मूल्यों की संतोषजनक वसूली के साथ उपयुक्त ग्रेड प्राप्त हुआ है।

बैंडेड मैग्नेटाइट क्वार्टजाइट) बीएमक्यू-ए (लौह अयस्क:

मेसर्स गोदावरी पावर एंड इस्पात, रायपुर, छत्तीसगढ़ (आईबीएम/एनजीपी/आरआई नंबर...2251) से प्राप्त बैंडेड मैग्नेटाइट क्वार्टजाइट (बीएमक्यू-ए) लौह अयस्क नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

मेसर्स गोदावरी पावर एंड इस्पात, रायपुर, छत्तीसगढ़ से) बीएमक्यू-ए (लेबल वाला एक बैंडेड मैग्नेटाइट क्वार्टजाइट लौह अयस्क का नमूना बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन के लिए आधुनिक खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला और पायलट प्लांट, आईबीएम, नागपुर में प्राप्त किया गया था। अध्ययन का उद्देश्य सूखे या सूखे-सह-गीले प्रक्रियाओं को नियोजित करके मोटे कण आकार पृथक्करण पर औद्योगिक उपयोग के लिए उपयुक्त लौह अयस्क मूल्य को उन्नत करना था।

प्राप्त नमूने में ज्यादातर महीन और 10 मिमी और 12 मिमी आकार के बीच की कुछ गांठें शामिल थीं, जिनमें 40.5% Fe(T), 8.4% FeO, 37.4% SiO2, 1.5% Al2O3, 0.53% CaO, 0.19% MgO, 0.27% TiO2,0.2% P, 0.03% K2O, 0.03% Na2 शामिल थे। ओ, 0.087 एमएन, 0.5% एलओआई।

खनिज अध्ययन से पता चला कि प्राप्त नमूने में बड़ी मात्रा में मार्टाइट/मार्टिटाइज्ड मैग्नेटाइट, मैग्नेटाइट और क्वार्ट्ज के साथ हेमेटाइट की उप-मात्रा और गोइथाइट, मिट्टी और पाइरोटाइट की बहुत कम मात्रा शामिल थी।

शुष्क चुंबकीय पृथक्करण, गीला चुंबकीय पृथक्करण, शुष्क-सह-गीला चुंबकीय पृथक्करण, क्रशिंग, स्क्रीनिंग आदि जैसे

विस्तृत लाभकारी अध्ययन विभिन्न तकनीकों और अलग-अलग मापदंडों को नियोजित करके किए गए थे। तीन

अलग-अलग क्रशिंग आकारों पर तीन प्रक्रिया मार्गों की योजना बनाई गई थी। -5मिमी, -1मिमी और -10# पर।

(ए (प्रक्रिया मार्ग-I

समें प्राप्त नमूने को- 5 मिमी तक कुचलना, उसके बाद कम तीव्रता वाला शुष्क चुंबकीय पृथक्करण शामिल था। -5 मिमी के चुंबकीय उत्पादों) I और II) को- 70# तक पीसा गया और कम तीव्रता वाले शुष्क चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया। -70# के चुंबकीय

उत्पादों) I और II) को- 100# तक ग्राउंड किया गया और कम तीव्रता वाले गीले चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया।

गीले कम तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण से प्राप्त- 100# चुंबकीय उत्पाद) I और II) का समग्र सांद्रण 63.92% Fe (T), 5.91% SiO2, 1.15% Al2O3 के साथ wt% उपज 43.9 और wt पुनर्प्राप्ति 69.2% है।

(बी) **प्रक्रिया मार्ग–II**

(i) इसमें प्राप्त नमूने को -1 मिमी तक कुचलना, उसके बाद कम तीव्रता वाला शुष्क चुंबकीय पृथक्करण शामिल है। -1 मिमी के चुंबकीय उत्पादों (I और II) को -70# तक पीसा गया और कम तीव्रता वाले शुष्क चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया।

(ii) समग्र सांद्रण में 64.58% Fe (T), 6.49% SiO2, 0.85% Al2O3 के साथ wt% उपज 43.4 और wt रिकवरी 69.5% है।

(सी) प्रक्रिया मार्ग–III

प्राप्त नमूने को एक प्रयोगशाला रोल क्रशर में सभी- 10# तक कुचल दिया गया और फिर सभी को- 70# तक पीस दिया गया। -70 # ग्राउंड सैंपल को कम तीव्रता वाले शुष्क चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया था। शुष्क कम तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण से प्राप्त चुंबकीय उत्पाद को सभी- 100# पर पीसा गया और गीले कम तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया।

समग्र पत्रिका. उत्पाद परख 65.03% Fe (T), 5.21% SiO2, 1.01% Al2O3 wt% उपज 41.6 और wt रिकवरी 65.4% के साथ।

नमूना लाभकारी के लिए उत्तरदायी है. सभी तीन विकसित प्रक्रिया मार्गों ने संतोषजनक पुनर्प्राप्ति के साथ वांछित परिणाम प्राप्त किए। अध्ययन से पता चला कि सूखी-सह-गीली प्रक्रिया को नियोजित करने से औद्योगिक उपयोग के लिए अच्छी पुनर्प्राप्ति के साथ उपयुक्त Fe (T) ग्रेड प्राप्त किया जा सकता है।

<u>बैंडेड मैग्नेटाइट क्वार्टजाइट) बीएमक्यू-बी (लौह अयस्क</u>:

मेसर्स गोदावरी पावर एंड इस्पात, रायपुर, छत्तीसगढ़ से बैंडेड मैग्नेटाइट क्वार्टजाइट)बीएमक्यू-बी (लौह अयस्क नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

अध्ययन का उद्देश्य सूखी और सूखी-सह-गीली चुंबकीय पृथक्करण प्रक्रियाओं को नियोजित करके औद्योगिक उपयोग के लिए उपयुक्त लौह अयस्क मूल्य को उन्नत करने के लिए प्रक्रिया फ्लोशीट विकसित करना था।

प्राप्त नमूने में 34.1% Fe(T), 1.8% FeO, 46.8% SiO_2, 0.9% Al_2O_3, 0.53%CaO, 0.20% MgO, 0.38% TiO_2,0.1% P, 0.16% Na_2O, 0.06 % K_2O1.6% LOI पाया गया।

उपयुक्त ग्रेड, पुनर्प्राप्ति और उपज के साथ Fe(T) की व्यवहार्यता और उन्नयन क्षमता का आकलन करने के लिए विभिन्न आकारों में लाभकारी अध्ययन किया गया था। इसे प्राप्त करने के लिए मोटे आकार में कई परीक्षण किए गए जैसे कि प्राप्त नमूने को 8 मिमी, 5 मिमी, 2 मिमी, 1 मिमी में कुचलने के साथ-साथ 100# और 200# जैसे आकार में पीसना। विकसित सर्वोत्तम लाभकारी प्रक्रिया मार्ग इस प्रकार हैं:

(बी) प्रक्रिया मार्ग –I

(i) गीले कम तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण से प्राप्त -200# चुंबकीय उत्पाद (I) का सांद्रण 64.87% Fe (T), 5.8% SiO_2, 0.8% Al_2O_3 के साथ wt% उपज 10.4 और wt पुनर्प्राप्ति 18.8% है।

(ii) गीले कम तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण से प्राप्त -200# चुंबकीय उत्पाद (I&II) का समग्र सांद्रण 58.32% Fe (T), 14.29% SiO_2, 1.10% Al_2O_3 के साथ wt% उपज 20.8 और wt पुनर्प्राप्ति 33.8% है।

(बी (प्रक्रिया मार्ग –I I

(i) गीले कम तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण से प्राप्त -200# चुंबकीय उत्पाद (I&II) का समग्र सांद्रण 64.7%Fe (T), 5.1% SiO_2, 1.2% Al_2O_3 wt % उपज 11.3 और वजन 20.4% की रिकवरी के साथ प्राप्त किया गया।.

(ए) प्रक्रिया मार्ग-III

(i) टेबलिंग से प्राप्त मिश्रित सांद्रण 61.4% Fe (T), 9.2% SiO_2, 1.18% Al_2O_3 के साथ wt% उपज 25.9 और 45.0% की रिकवरी है।

नमूना लाभ के लिए स्वीकार्य है। नमूने की विशेषता कम मैग्नेटाइट/चुंबकीय घटक और सिलिकेट गैंग के साथ Fe ऑक्साइड खनिजों का जटिल जुड़ाव है। सभी तीन विकसित प्रक्रिया मार्गों से उचित पुनर्प्राप्ति के साथ उपयुक्त श्रेणी प्राप्त हुई।

5.9.1.2 बॉक्साइट अयस्क:

मेसर्स आनंद माइनिंग कॉरपोरेशन, पाठक वार्ड, कटनी, मध्य प्रदेश (आईबीएम/एनजीपी/आरआई नंबर 2259) के लिए पिपरिया माल, दिंधौरी, मध्य प्रदेश से बॉक्साइट अयस्क नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन है।

नमूने में 42.36% Al_2O_3, 15.23% Fe(T), 2.17% SiO_2, 1.91% प्रतिक्रियाशील- SiO_2, 6.24% TiO_2, 23.64% LOI, 0.48% CaO, 0.70% MgO, 0.52% P_2O_5 और 0.29% V_2O_5 पाया गया।

एल्यूमिना मूल्य को उन्नत करने के लिए विभिन्न मापदंडों द्वारा विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके लाभकारी अध्ययन किए गए। निम्नलिखित लाभकारी मार्गों से सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त हुए-
(ए) पिसाई रिक्त सूखी पृथक्करण प्रक्रिया:
प्राप्त नमूने को माइनस ½ इंच तक कुचल दिया जाता है, इसके बाद सूखी छनाई की जाती है, -1/2 इंच + 5 मिमी को सभी -5 मिमी तक कुचल दिया जाता है, इसके बाद -5 मिमी + 30 # आकार के नमूने को सूखा चुंबकीय पृथक्करण किया जाता है। -30+200# जाल आकार के नमूने के मिश्रण को पर्म रोल शुष्क चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया था।
(-5मिमी+30# और -30+200#) गैर-मैग अंश के संयोजन ने 80.4% की रिकवरी और 75.3% की वजन उपज के साथ 46.06% Al_2O_3 परख की।
(बी) शून्य से 70 जाल आकार पर गीला उच्च तीव्रता चुंबकीय पृथक्करण:

एल्युमिना ग्रेड को और बढ़ाने के लिए, कुचले हुए -10# आकार के नमूने को प्रयोगशाला रॉड मिल में सभी को
-70# पर पीसा गया एवं जमीनी उत्पाद को गीले उच्च तीव्रता वाले चुंबकीय पृथक्करण के अधीन किया गया।

गैर-चुंबकीय अंश ने 49.18% Al_2O_3, 10.31% Fe(T) और 1.93% SiO_2 को 54.2% Al_2O_3 की पुनर्प्राप्ति और 46.6% की वजन उपज के साथ परख लिया।
बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन से पता चला कि नमूना लाभकारी है और एल्यूमिना (Al_2O_3) उच्च पुनर्प्राप्ति के साथ अपग्रेड करने योग्य है।

5.9.1.3 तांबा और सोना:

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, ओडिशा (आईबीएम/एनजीपी/आरआई नंबर 2247) के लिए एडैशबेसमेटल कॉम्प्लेक्स, जी-2 एक्सप्लोर्ड ब्लॉक, जीएसआई, भुवनेश्वर से तांबे और सोने के नमूने पर उच्च स्तर का लाभकारी अध्ययन।

प्राप्त नमूने की परख 1.20% Cu, 44.56% SiO_2, 8.35% Al_2O_3, 8.01% Fe(T), 8.07% CaO, 6.82% MgO, 0.8% P_2O_5, 1.98% S, 3.98% LOI, 242ppm Ni, 105ppm Co, 0.32 पीपीएम एयू (अग्नि परख विधि द्वारा) और 6.4 पीपीएम एजी (अग्नि परख विधि द्वारा)।

प्राप्त नमूने पर खनिज अध्ययन में मुख्य रूप से क्वार्ट्ज, फेल्डस्पार (प्लाजियोक्लेज़, माइक्रोक्लाइन) और पाइरोक्सिन के साथ एम्फिबोल और कार्बोनेट (कैल्साइट, डोलोमाइट) की अधीनस्थ मात्रा शामिल है। अभ्रक (मस्कोवाइट, बायोटाइट), च्लोकोपाइराइट, पाइराइट, पाइरोटाइट, बोर्नाइट और च्लोकोसाइट/कोवेलाइट की मामूली से बहुत कम मात्रा और क्लोराइट, आर्सेनोपाइराइट, मैग्नेटाइट, जिरकोन और टूमलाइन की थोड़ी मात्रा शामिल है।

नियोजित लाभकारी मार्ग में प्राप्त -10# कुचले हुए नमूने को 200 जाल से गुजरते हुए 76.8% तक पीसना, उसके बाद प्लवन करना था। तीसरे क्लीनर फ्लोट ने 19.4% Cu, 8.2% SiO_2, 28.4% Fe(T), 27.3% S के साथ 83.4% Cu रिकवरी और 4.9% वजन प्रतिशत उपज प्राप्त की।

जैसा कि प्राप्त नमूने में लगभग 0.32 पीपीएम एयू भी है, उसे पुनर्प्राप्त करने के लिए, प्लवनशीलता परीक्षण किया गया और दूसरे क्लीनर फ्लोट ने 55.6% रिकवरी और 5.8% वजन प्रतिशत उपज के साथ 3.92 पीपीएम एयू का परीक्षण किया।

वैकल्पिक रूप से -100# आकार से गुजरने वाले प्राप्त नमूने पर प्रत्यक्ष साइनाइडेशन, 36 घंटे के लीचिंग समय के लिए बोतल रोल प्रक्रिया को अपनाने से लीचेट (समाधान) में 71.2% एयू की रिकवरी हुई और अवशेष परख 0.1 पीपीएम एयू हुआ।

तांबे का अयस्क:

बहरागोड़ा कॉपर प्रॉस्पेक्ट, सिंगभूम कॉपर बेल्ट, ईस्ट सिंगभूम (जिला), झारखंड में मेसर्स मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आईबीएम/एनजीपी/आरआई नंबर) में मुंडादेवता कॉपर ब्लॉक से तांबे के अयस्क के नमूने जी-2 चरण अन्वेषण पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन। 2265)..

प्राप्त नमूने में 1.25% Cu, 55.3% SiO_2,8.37% Al_2O_3, 10.89% Fe(T), 3.81% CaO, 4.79% MgO, 0.87% P_2O_5, 2.14% S(T), 2.28% LOI, 4.1% K_2O पाया गया। , 1.30% Na_2O 692पीपीएम Ni, 124पीपीएम Co, 191पीपीएम Zn 0.26पीपीएम Au.

चाल्कोपाइराइट तांबे का प्रमुख योगदान देने वाला खनिज है, साथ ही इसमें बहुत कम मात्रा में चाल्कोसाइट और कोवेलाइट खनिज होते हैं।

तांबे के मूल्यों को उन्नत करने के लिए विभिन्न मापदंडों को अलग-अलग तकनीकों का उपयोग करके विस्तृत लाभकारी अध्ययन किए गए हैं, विकसित सर्वोत्तम लाभकारी प्रक्रिया मार्ग इस प्रकार हैं:

(i) प्राप्त दूसरे क्लीनर फ्लोट में 22.64% Cu, 0.44% Ni और 0.083% Co, 92.9% Cu, 32.6% Ni और 28.9% Co की रिकवरी और 5.1% की वजन उपज के साथ परख की गयी ।

(ii) प्राप्त तीसरे क्लीनर फ्लोट ने 91.7% की रिकवरी और 4.3% की वजन उपज के साथ 26.51% Cu का परीक्षण किया।

बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन से पता चला कि तांबे का नमूना लाभकारी है और तांबे का मूल्य बहुत अधिक रिकवरी के साथ उच्च श्रेणी तक बढ़ाया जाता है।

लीन अयस्क तांबा:

मेसर्स के लिए टोंडा कॉपर ब्लॉक, झुंझुनू, खेतड़ी जिला, राजस्थान से लीन अयस्क तांबे के नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन। मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) (आईबीएम/आरआई नंबर 2256)।

मेसर्स मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड के टोंडा कॉपर ब्लॉक, खेतड़ी, झुंझुनू जिला, राजस्थान से एक लीन ग्रेड तांबे के अयस्क का नमूना (ड्रिल कोर) आधुनिक खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला और पायलट प्लांट, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर में ले जाने के लिए प्राप्त हुआ था। आउट बेंच स्केल बेनिफ़िसिएशन अध्ययन।

प्राप्त नमूने में 0.28% Cu, 57.08% SiO2, 9.17% Fe(T), 12.1% Al2O3, 1.76% S(T), 1.45% CaO, 3.13% MgO, 3.22% Na2O, 2.02% K2O, 0.91% TiO2 पाया गया। , 46.5पीपीएम Pb, 66पीपीएम Zn, 54.8 पीपीएम Mo, 78.36% एसिड अघुलनशील और 1.81% LOI

च्लोकोपाइराइट मुख्य तांबा युक्त खनिज था जो नमूने में बहुत कम मात्रा में मौजूद था। फ़ाइरोटाइट और पाइराइट की मात्रा बहुत कम पाई गई। नमूने में अभ्रक (मस्कोवाइट और बायोटाइट) और क्वार्ट्ज प्रमुख गैंग खनिज हैं।

विकसित प्रक्रिया मार्ग में प्राप्त नमूने को माइनस 200 जाल आकार में कुचलना और पीसना और जमीन के गूदे को मोटे प्लवन के अधीन करना शामिल था। 21.49% Cu और 9.40% Al और 90.8% Cu रिकवरी (Wt.% उपज: 1.2) पर दूसरे क्लीनर कॉपर कंसंट्रेट परखने पर सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त हुए।

नमूना लाभकारी है और एक लीन तांबे के अयस्क से एक उपयुक्त श्रेणी का तांबा सांद्रण प्राप्त किया जा सकता है।

तांबे के अयस्क से जुड़े सोने की प्राप्ति:

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, भुवनेश्वर (आईबीएम/बीएनजी आरआई संख्या 951) के मदनसाही ब्लॉक से तांबे के अयस्क के नमूने से जुड़े सोने की बरामदगी पर लाभकारी अध्ययन।

प्राप्त नमूने में 0.17 पीपीएम एयू, 2.65 पीपीएम एजी, 0.45% सीयू और 54.10% SiO_2 पाया गया।

सोने की सुगमता और पुनर्प्राप्ति का आकलन करने के लिए, बोतल रोल साइनाइडेशन लीचिंग प्रक्रिया को अपनाकर सीधे साइनाइड लीचिंग से 0.02 ग्राम / टी एयू के अवशेष परख के साथ समाधान में लगभग 88% सोने की रिकवरी प्राप्त हुई।

5.9.1.4 मैंगनीज अयस्क:

मेसर्स राजाधिराज तिरुपानी विनायक नटराज प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम, ए.पी. के लिए ब्राजील से निम्न ग्रेड मैंगनीज अयस्क नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

नमूने में मैंगनीज मूल्यों को उन्नत करने के उद्देश्य से ब्राजील से एक निम्न ग्रेड मैंगनीज अयस्क का नमूना प्राप्त किया गया था।

नमूने में 22.6% Mn(T), 26.74% MnO_2, 9.75% Al_2O_3, 4.69% Fe(T), 28.92% SiO_2, 0.79% CaO, 0.94% MgO, 0.37% P_2O_5, 1.41% Org.C, 0.63% TiO_2 पाया गया। 0.55% K_2O, 0.16% Na_2O और 10.9% LOI।

मैंगनीज मूल्यों को उन्नत करने के लिए विभिन्न मापदंडों द्वारा विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके विस्तृत लाभकारी अध्ययन किए गए। विकसित प्रक्रिया मार्ग का उपयोग करके सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त किए गए जो इस प्रकार हैं:

(ए) गीले चुंबकीय पृथक्करण के बाद प्राप्त नमूने के गीले छलनी उत्पादों पर गुरुत्वाकर्षण एकाग्रता प्रक्रिया

(i) (i) जिग हच और जिग बेड के मिश्रण ने 59% की रिकवरी और 43.6% की वजन उपज के साथ 30.43% एमएन परख की।
(ii) जिग हच, जिग बेड, टेबल कॉन्सेंट्रेट और मैग फ्रैक्शन के मिश्रण ने 69.5% की रिकवरी और 52.7% की वजन उपज के साथ 29.67% एमएन परख की।

(बी) गुरुत्वाकर्षण पृथक्करण प्रक्रिया में -100# पर टेबलिंग का उपयोग किया जाता है और इसके बाद टेबल उत्पादों पर गीला चुंबकीय पृथक्करण किया जाता है
(i) तालिका में 50% की रिकवरी और 36.1% की वजन उपज के साथ 30.58% एमएन का ध्यान केंद्रित किया गया।

(ii) तालिका सांद्रण का संयोजन और चुंबकीय अंश (टी मिड, टी टेल्स और स्लाइम्स) ने 73.2% की रिकवरी और 55.5% की वजन उपज के साथ 29.14% एमएन परख की।

मैंगनीज अयस्क:

मेसर्स मैंगनीज अयस्क इंडिया लिमिटेड (एमओआईएल) (आईबीएम/एनजीपी/आरआई नंबर 2262) के लिए उकवा माइंस, बालाघाट जिला, मध्य प्रदेश से मैंगनीज अयस्क नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

जांच का उद्देश्य मैंगनीज सामग्री के उन्नयन और पुनर्प्राप्ति के लिए एक प्रक्रिया प्रवाह पत्रक विकसित करना था।

"जैसा प्राप्त" नमूना परख किया गया 37.42% Mn, 5.39% Fe(T), 20.15 SiO2, 1.80% Al2O3,,, 3.51% CaO, 0.50% MgO, 0.18% P,, 0.1% S(T), 1.20% BaO , 0.28% Na2O, 0.50% K2O और 4.77 %LOI।

मार्ग- I: प्रक्रिया में प्राप्त नमूने को -10 मिमी आकार में कुचलना, ड्राई स्क्रीनिंग के बाद माइनस 10+1.7 मिमी के मोटे आकार के उत्पादों पर जिगिंग शामिल है। जिग टेल्स और माइनस 1.7 मिमी आकार के अंश को सभी पासिंग 0.6 मिमी तक ग्राउंड करने के लिए।ज़मीनी उत्पाद को टेबलिंग के अधीन किया गया, इसके बाद टेबल स्लाइम्स और टेबल

टेल्स ग्राउंड पर गीला उच्च तीव्रता चुंबकीय पृथक्करण को सभी पासिंग 48 मेश आकार में किया गया।

अंतिम समग्र मैंगनीज सांद्रण में 40.81% एमएन, 6.43% Fe(T), 12.76 SiO2, 1.56% Al2O3 के साथ 88.7% Mn रिकवरी (wt% उपज 79.5) मिला।

रूट.II: इस प्रक्रिया में प्राप्त नमूने को -6.25 मिमी (1/4 इंच) आकार तक कुचलने, गीली स्क्रीनिंग के बाद +0.6 मिमी के मोटे आकार के उत्पादों पर जिगिंग शामिल है। सभी गुजरने वाले 0.6 मिमी और शून्य से 0.6 आकार के अंश के लिए जिग मिडिलिंग ग्राउंड को टेबलिंग के अधीन किया गया और उसके बाद टेबल स्लाइम्स पर चुंबकीय पृथक्करण किया गया।

अंतिम समग्र मैंगनीज सांद्रण को 44.61% Mn, 6.80% Fe(T), 9.70 SiO2, 1.32% Al2O3 के साथ 92.3% Mn रिकवरी (wt% उपज 77.0) परख लिया जाता है।

5.9.1.5 रॉक फॉस्फेट:

मैसर्स के लिए मिस्र से रॉक फॉस्फेट नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन। विल्सन इंटरनेशनल ट्रेडिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, चेन्नई, तमिलनाडु।

एक रॉक फॉस्फेट अयस्क का नमूना जांच के उद्देश्य से प्राप्त किया गया था, ताकि अच्छी रिकवरी के साथ रॉक फॉस्फेट सामग्री के उन्नयन के लिए प्रक्रिया प्रवाह पत्रक विकसित की जा सके।

"जैसा प्राप्त" नमूना परख किया गया 19.31% P2O5, 14.86% SiO2, 1.48% Fe(T), 4.54% Al2O3, 33.45% CaO, 4.93% MgO, 0.63 % Mn, 1.24% S(T), 0.14% TiO2, 0.09% Na2O, 0.28% K2O, और 15.45% LOI।

रिवर्स प्लवनशीलता और WHIMS गैर-मैग परख का समग्र सांद्रण 32.23% P2O5, 5.66% SiO2, 54.85% CaO, 1.61% LOI 53.7% (Wt.% उपज 17.0) की रिकवरी के साथ किया गया ।

5.9.1.6 ग्रेफाइट:

बुरुगुबंदा ब्लॉक, पूर्वी गोदावरी जिले से निम्न ग्रेड ग्रेफाइट सैंपल (जी-2 चरण) पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन। आंध्र प्रदेश, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एसआर, हैदराबाद के लिए। (आईबीएम/बीएनजी/आरआई नंबर 954)

प्राप्त नमूनों के निकटतम विश्लेषण में 4.54% एफ.सी., 4.76% वी+एम (वाष्पशील पदार्थ + नमी), और 90.75% राख पाया गया। राख में 71.26% SiO2, 5.25% Al2O3, 3.40% Fe2O3, 0.25% Na2O, 0.18% K2O, 0.16% CaO, 0.29% MgO, 0.84% TiO2, 0.11% P2O5 और 0.18% S (T) मिला।

प्लवनशीलता परीक्षण प्राथमिक सर्किट और द्वितीयक सर्किट (मोटे सर्किट और बारीक सर्किट) के साथ किया गया

(i) मोटे सर्किट और 100 जाल आकारों के संयोजन से 95.34% एफसी परखने वाला एक ग्रेफाइट सांद्र (कॉन्स. I से III) प्राप्त हुआ। 31.6% एफ.सी. के साथ पुनर्प्राप्ति (वजन % उपज: 1.5)।

(ii) क्लीनर फ्लोट से माइनस 100 प्लस 200 मेश आकार का ग्रेफाइट सांद्र (कॉन्स. IV) प्राप्त हुआ, जो 89.90% एफ.सी. था। 11.9% एफ.सी. के साथ पुनर्प्राप्ति (वजन % उपज: 0.6)।

(iii) क्लीनर फ्लोट ने 85.11% एफ.सी. परखते हुए माइनस 200 जाल आकार का ग्रेफाइट सांद्रण (कॉन्स. वी) उत्पन्न किया। 9.4% एफ.सी. के साथ पुनर्प्राप्ति (वजन % उपज: 0.5)।

(iv)माइनस 100 प्लस 200 मेश आकार अंश ग्रेफाइट सांद्रण (Conc.VI) परख 87.72% एफ.सी. 19.4% एफ.सी. के साथ पुनर्प्राप्ति (वजन % उपज: 1.0)।

(v)माइनस 200 जाल आकार अंश ग्रेफाइट सांद्रण (Conc.VII) 86.05% एफ.सी. 14.8% एफ.सी. के साथ पुनर्प्राप्ति (वजन%उपज0.8)।

संयुक्त सांद्रण (Conc. I+II+III+IV+V+VI+VII) ने 87.1% F.C के साथ 90.02% F.C प्राप्त किया। रिकवरी। (वजन उपज: 4.4)।

उप-उत्पाद की रिकवरी

मिश्रित पूंछों की परख 1.13 पीपीएम बीई, 1.3 पीपीएम जीई, 111 पीपीएम ला, 145 पीपीएम सीई, 20.04 पीपीएम पीआर, 64.13 पीपीएम एनडी, 9.42 पीपीएम एसएम, 1.72 पीपीएम ईयू, 6.59 पीपीएम जीडी, 1.12 पीपीएम टीबी, 6.98 पीपीएम डाई, 1.6 पीपीएम हो, 5.5

पीपीएम एर, 0.99 पीपीएम टीएम, 6.86 पीपीएम वाईबी, 1.14 पीपीएम लू, 1.08 पीपीएम एचएफ, 0.53 पीपीएम टा, 25.42 पीपीएम डब्ल्यू और 3.35 पीपीएमयू।
समग्र पूंछ का अंश गुरुत्वाकर्षण के अधीन था जिसके बाद चुंबकीय पृथक्करण किया गया। गुरुत्वाकर्षण के गैर-चुंबकीय अंश को 1.04 पीपीएम बीई, 5.24 पीपीएम जीई, 3270 पीपीएम ला, 6022 पीपीएम सीई, 676 पीपीएम पीआर, 2157 पीपीएम एनडी, 273 पीपीएम एसएम, 5.61 परख लिया गया। पीपीएम ईयू, 151 पीपीएम जीडी, 20 पीपीएम टीबी, 103 पीपीएम डाई, 20.5 पीपीएम हो, 68 पीपीएम एर, 11 पीपीएम टीएम, 75 पीपीएम वाईबी, 12 पीपीएम लू, 92 पीपीएम एचएफ, 2 पीपीएम टा, 109 पीपीएम डब्ल्यू और 49 पीपीएम यू (वजन% उपज: 1.0)।

अध्ययन से संकेत मिलता है कि ग्रेफाइट टेल्स से आरईई (ला थ्रू लू) और अन्य संबंधित मूल्यवान धातुओं जैसे स्ट्रैटर्जिक खनिजों को पुनर्प्राप्त करने की संभावना है।

ग्रेफाइट अयस्क:
बेहरमुंडा ग्रेफाइट परियोजना, नबरंगपुर जिला, ओडिशा (आईबीएम/एनजीपी/आरआई. संख्या 2263) से लीन ग्रेड ग्रेफाइट नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

मूल नमूने का अनुमानित विश्लेषण 2.28% स्थिर कार्बन (F.C), 94.83% राख, 2.89% वाष्पशील पदार्थ+नमी है। मूल नमूने का अनुमानित विश्लेषण 76.18% SiO2 (कुल), 9.37% Al2O3, 3.94% Fe2O3, 1.68% CaO, 2.38% है। एमजीओ, 5.45% एलओआई, 23 पीपीएम सीओ, 50 पीपीएम एमओ, सल्फर (टी) और टीओओ2 की अंश मात्रा, वी2ओ5 और ली कटौती योग्य नहीं।
प्लवनशीलता परीक्षण का उपयोग करके समग्र सांद्रण (I+II) का 58.46% F.C परख किया गया। 50.8% एफ.सी. के साथ पुनर्प्राप्ति और Wt. % उपज 2.0 है.

ग्लूकोनिटिक बलुआ पत्थर:

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, रायपुर (आईबीएम/एनजीपी/आरआई नंबर 2264) के लिए छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के भालुकोना ब्लॉक से निम्न श्रेणी के ग्लौकोनिटिक बलुआ पत्थर, जी-3 स्तर के अन्वेषण नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन।

प्राप्त नमूने में क्रमशः 0.3% K_2O, 2.35% Fe_2O_3, 1.42% Al_2O_3, 93.14% SiO_2, 0.49% CaO, 0.50% MgO, 0.01% Na_2O और 0.88% LOI मिला।

ग्लूकोनाइट की सांद्रता के लिए अलग-अलग मापदंडों द्वारा पीसने, स्क्रीनिंग, चुंबकीय पृथक्करण प्रक्रिया आदि सहित विस्तृत लाभकारी अध्ययन नियोजित किए गए थे। निम्नलिखित विकसित प्रक्रिया मार्ग में सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त हुए।

-70# अंश से प्राप्त चुंबकीय उत्पाद (ग्लौकोनाइट सांद्रण) 4.4% K_2O, 15.76%Fe_2O_3, 45.62% SiO_2, ग्लौकोनाइट सामग्री 70-75% और wt% उपज 1.4 के साथ।

रॉक फॉस्फेट:

निजी उद्योग के लिए झामरकोटरा खदान, उदयपुर जिला, राजस्थान से रॉक फॉस्फेट नमूने पर बेंच स्केल लाभकारी अध्ययन। (आईबीएम/एजेएम/आरआई नंबर 682)।

प्राप्त नमूने में 14.9% P_2O_5, 47.50% SiO_2, 5.47 % Fe_2O_3, 3.90% Al_2O_3, 23.5% CaO, 0.50 % MgO, 0.26% TiO_2, 0.83 % K_2O, 0.1 % Na_2O पाया गया।

प्राप्त नमूना मार्ग पर कुचलने, पीसने और झाग प्रवाहित करने वाले लाभकारी अध्ययन से 60.0% P_2O_5 रिकवरी (wt.% उपज: 28.2) के साथ 32.5% P_2O_5 परख करने वाला Vth क्लीनर फॉस्फेट सांद्रण प्राप्त हुआ।

5.9.2 भूटान के डीजीएम, रॉयल गवर्नमेंट को अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करना।:

भूविज्ञान और खान विभाग, रॉयल सरकार को दो लोहे के नमूनों पर लाभकारी प्रभाव का आकलन करने के लिए खनिज अध्ययन पर 11.11.2022 को भूटान की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

5.9.3 संयंत्र संचालन के लिए तकनीकी मार्गदर्शन

आईबीएम अधिकारियों की एक टीम जिसमें श्री वी.ए. शामिल थे। सोंटाक्की, अयस्क ड्रेसिंग अधिकारी, डॉ. एल.एन. पाधी, उप अयस्क ड्रेसिंग अधिकारी और श्री एस.एस. चाचाने, यांत्रिक पर्यवेक्षक, ने 20 मई 2022 को मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, चंद्रपुर के नाओकरी चूना पत्थर खदान और यूनिट अवारपुर सीमेंट वर्क्स का दौरा किया और शुरुआती समस्याओं के समाधान के लिए विशेषज्ञ तकनीकी मार्गदर्शन की पेशकश की। संयंत्र संचालन का चरण. टीम के साथ डॉ. आर.के. मिश्रा और मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के श्री बलराम सिंह खदान के दौरे के दौरान मौजूद थे।

मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, चंद्रपुर की नौकरी चूना पत्थर खदानों का दौरा

मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, चंद्रपुर की नौकरीरी चूना पत्थर खदानों का दौरा

5.10 नीलामी के लिए निर्धारित खनिज भंडारों का लाभकारी अध्ययन

संशोधित अधिनियम के अनुसार, खनिज ब्लॉकों की नीलामी से पहले सभी अन्वेषण रिपोर्टों को यूएनएफसी (2009) के अनुरूप बनाया जाना आवश्यक है, जिसके लिए खनिज लाभकारी अध्ययन एक महत्वपूर्ण पहलू है। अन्वेषण केवल भूवैज्ञानिक पहलू को इंगित करता है। लाभकारी अध्ययन व्यवहार्यता और आर्थिक दृष्टि से वाणिज्यिक संचालन के लिए ब्लॉक की व्यवहार्यता को इंगित करता है। इस प्रकार, भारत में खनिज भंडार के विकास के लिए लाभकारी अध्ययन की सर्वोपरि और महत्वपूर्ण भूमिका है।

वर्ष 2016 से, आईबीएम, जीएसआई और एमईसीएल के सभी जी2 स्तर के अन्वेषण नमूनों पर प्रयोगशाला पैमाने पर लाभकारी अध्ययन कर रहा है।

5.11राष्ट्रीय खनिज सूची (एनएमआई)

एनएमआई यूएनएफसी प्रणाली पर आधारित है जिसका उपयोग घरेलू/विदेशी निवेशकों द्वारा खनन और अन्वेषण क्षेत्रों में विभिन्न निर्णय लेने के लिए किया जा रहा है। इस तरह की प्रणाली का न केवल खनिजों बल्कि संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न प्रकार के निर्णय लेने और नीति निर्माण में उपयोग का व्यापक प्रभाव है। एनएमआई मूल्यवान डेटाबेस प्रदान करता है जो देश के खनिज संसाधनों की योजना, विकास और विवेकपूर्ण प्रबंधन को सक्षम बनाता है। आईबीएम खनिज और खनन क्षेत्र में समकालीन मांगों के अनुरूप और राष्ट्रीय खनिज सूचना भंडार के रूप में अपने जनादेश और कामकाजी भूमिका के अनुसार अन्वेषण के विभिन्न चरणों, यानी टोही, पूर्वेक्षण और खनन में लगी सभी एजेंसियों से सहयोग और समर्थन प्राप्त करता है। डेटा एकत्र करना/संकलित करना जिसे विश्लेषण और जांच की उचित प्रक्रिया के बाद एनएमआई डेटाबेस में बुना जाता है।

वर्ष के दौरान, 01.04.2020 तक 46 प्रमुख खनिजों के लिए एनएमआई का पंचवार्षिक अद्यतनीकरण पूरा किया गया। अद्यतनीकरण कार्य में 46 प्रमुख खनिजों के संबंध में 01.04.2020 तक एनएमआई को अंतिम रूप देने के लिए प्रसंस्करण, आउटपुट और तुलनात्मक विवरण तैयार करना शामिल था। "01.04.2020 को राष्ट्रीय खनिज सूची - एक नज़र में" शीर्षक से एक प्रकाशन पूरा किया गया और आईबीएम वेबसाइट पर अपलोड किया गया। एक अन्य प्रकाशन "राष्ट्रीय खनिज सूची 01.04.2020 तक - एक अवलोकन" पर काम प्रगति पर है और 35 अध्यायों (46 में से) का मसौदा तैयार किया जा चुका है।

5.12 सांख्यिकीय प्रकाशन

आईबीएम विभिन्न प्रकाशनों के माध्यम से खानों, खनिजों, धातुओं और खनिज-आधारित उद्योगों पर सांख्यिकीय जानकारी प्रसारित करता है। एमसीडीआर, 1988 के तहत वैधानिक आधार पर खदान मालिकों से प्राप्त खनिज उत्पादन, स्टॉक, प्रेषण, रोजगार, खनन में इनपुट, खनन मशीनरी और संबंधित मामलों की जानकारी और धातु उत्पादन, खनिज व्यापार और खनिजों के बाजार मूल्य, राजस्व पर सहायक आंकड़े खनन क्षेत्र, अन्य एजेंसियों से किराया, रॉयल्टी और खनिजों पर उपकर आदि को आईबीएम द्वारा नियमित रूप से संकलित किया जाता है।

5.12.1 खनिज उत्पादन के मासिक आँकड़े (एमएसएमपी)

इस मासिक प्रकाशन में खनिज उत्पादन सूचकांक, राज्यवार खनिज उत्पादन और मूल्य, ग्रेड के आधार पर खनिजों की औसत बिक्री मूल्य आदि की जानकारी शामिल है।

5.12.2 खनिजों का सांख्यिकीय प्रोफाइल (वार्षिक)

यह प्रकाशन भारत में उत्पादित प्रमुख खनिजों (ईंधन और परमाणु खनिजों को छोड़कर) के अधिकांश महत्वपूर्ण पहलुओं पर एक विहंगम दृष्टि देता है। इसमें चालू वर्ष के लिए खनिजों के उत्पादन, मूल्य और स्टॉक, श्रम रोजगार और रिपोर्टिंग खानों की संख्या की जानकारी शामिल है। इसके अलावा, नवीनतम उपलब्ध वर्ष के लिए भंडार, खनन पट्टों, खनिज संसाधनों के जीवन सूचकांक, खनिजों के निर्यात और आयात पर डेटा शामिल किया गया है।

5.12.3 भारतीय खनिज उद्योग एक नजर में (वार्षिक)

यह प्रकाशन खनिजों, धातुओं और खनिज आधारित उत्पादों के उत्पादन, खनिजों की खपत, श्रम रोजगार और बाहरी व्यापार पर समय श्रृंखला डेटा प्रदान करता है। इसके अलावा, नवीनतम वर्ष के लिए खनन मशीनरी, विस्फोटकों की खपत, खनन पट्टों और धातु खदानों में वनीकरण की जानकारी भी प्रस्तुत की जाती है।

वर्ष 2022-23 के दौरान जारी किए गए सांख्यिकीय प्रकाशनों में खनिजों के सांख्यिकीय प्रोफाइल 2020-21, मार्च, 2022 तक खनिज उत्पादन (एमएसएमपी) के मासिक आंकड़े, जनवरी 2023 तक खनिजों के औसत बिक्री मूल्य विवरण और औसत बिक्री मूल्य विवरण शामिल हैं। फरवरी 2023 तक धातुओं की।

5.13 परामर्श सेवा

आईबीएम भूवैज्ञानिक मूल्यांकन, क्षेत्रों का सर्वेक्षण, व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट तैयार करना, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन और पर्यावरण प्रबंधन योजना, उपयुक्त खनन उपकरण का चयन, अन्य सलाहकारों, वित्तीय संस्थानों आदि द्वारा तैयार व्यवहार्यता रिपोर्ट का मूल्यांकन आदि के लिए निर्धारित शुल्क पर तकनीकी परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। .

वर्ष 2022-23 के दौरान, मेसर्स में निम्न श्रेणी के लौह अयस्क फाइन डंप (जैसा उपलब्ध हो) के प्रभावी उपयोग के लिए क्षेत्रीय खनिज विकास अध्ययन की रिपोर्ट। सेल, भिलाई और राजहरा सेक्टर (छत्तीसगढ़) जिसे 2021 में शुरू किया गया था, पूरा हो चुका है और रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। एनएमपी 2019 के प्रावधान के कार्यान्वयन के लिए उचित योजना तैयार करने के लिए आगे की कार्रवाई, तकनीकी प्रकाशन के रूप में सर्वोत्तम खनन प्रथाओं का संकलन प्रगति पर था और 03 नमूना मामले अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किए गए हैं।

5.14 तकनीकी प्रकाशन

आईबीएम खानों और खनिजों, खनिज-आधारित उद्योगों, व्यापार, लाभकारी, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों आदि से संबंधित तकनीकी प्रकाशन निकालता है।

5.14.1भारतीय खनिज वार्षिकी (आईएमवाईबी)

आईएमवाईबी आईबीएम का एक प्रमुख प्रकाशन है जिसे तीन (3) खंडों में प्रकाशित किया गया है। इसमें भाग I में सामान्य अध्याय हैं, भाग II में धातुओं और मिश्र धातुओं पर 18 समीक्षाएँ हैं और भाग III में 30 खनिज समीक्षाएँ हैं। यह प्रकाशन खनिजों और खनिज-आधारित वस्तुओं, उनके विकास, उत्पादन, संसाधनों/भंडार, उपभोग, व्यापार और नीति पर जानकारी शामिल करता है। इसमें विश्व परिदृश्य भी शामिल है. आईएमवाईबी वार्षिक आधार पर भारत में खनन और खनिज उद्योग की स्थिति रिपोर्ट प्रदान करता है। इस प्रकाशन के व्यापक पाठक वर्ग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों हैं - सामान्य/धातु और मिश्रधातु/खनिज के संबंध में आईएमवाईबी 2020 (अग्रिम रिलीज) की कुल 59 समीक्षाएं तैयार की गईं, तकनीकी रूप से संपादित की गईं, अंतिम रूप दिया गया और सांख्यिकीय डेटा के साथ सभी अध्यायों के समेकन के बाद प्रिंट-रिलीज के लिए प्रकाशन अनुभाग को भेजा गया। आईबीएम वेबसाइट पर आईएमवाईबी 2020 (एडवांस रिलीज़) की कुल 59 समीक्षाएँ अपलोड की गईं।

आईएमवाईबी, 2021 की तैयारी तीन अलग-अलग खंडों के लिए की गई थी। सामान्य समीक्षा के लिए खंड-I, धातु एवं मिश्रधातु के लिए खंड-II और खनिज समीक्षा के लिए खंड-III आईबीएम वेबसाइट पर आईएमवाईबी 2021 (एडवांस रिलीज़) की कुल 52 समीक्षाएँ अपलोड की गईं। शेष समीक्षा की तैयारी चल रही है।

5.14.2खनिज सूचना बुलेटिन (बीएमआई)

खनिज सूचना बुलेटिन (बीएमआई) एक अर्धवार्षिक बुलेटिन है, जो आईबीएम द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो देश में अपनी तरह का एकमात्र प्रकाशन है, जो खदान मालिकों और खनन उद्योग को खनिज कानून, खनिजों और धातुओं पर व्यापार नीति से संबंधित अदालत के फैसले के बारे में जानकारी प्रदान करता है; देश में खनिज आधारित उद्योगों के लिए दिए गए आर/पी के साथ-साथ खनन पट्टे और पूर्वेक्षण लाइसेंस के रुझान; विभिन्न खनिज आधारित उत्पादों का माहवार उत्पादन और घरेलू और विदेशी दोनों क्षेत्रों में खनिज और खनन उद्योगों की उच्च स्थिति।

संक्षेप में, यह प्रकाशन अपनी संबंधित खदानों के माध्यम से देश के विभिन्न धात्विक/औद्योगिक खनिजों के खनन पर संक्षिप्त और संश्लेषित ज्ञान और जानकारी प्रदान करता है।

वर्ष के दौरान खनिज सूचना बुलेटिन अक्टूबर 21 से मार्च 22 और अप्रैल 2022 से सितंबर 2022 अंक जारी किए गए।

5.14.3 खनन पट्टों और पूर्वेक्षण लाइसेंस का बुलेटिन।

खनन पट्टों और पूर्वेक्षण लाइसेंसों के बुलेटिन में खनन पट्टों, पूर्वेक्षण लाइसेंसों के साथ-साथ टोही परमिटों की जानकारी शामिल है। बुलेटिन 23 राज्यों में फैले खनन पट्टों के वितरण पैटर्न को राज्य-वार, जिले-वार, खनिज-वार और क्षेत्र-वार (सार्वजनिक और निजी) जानकारी में विभाजित करता है, जिसमें उच्च, मध्यम और निम्न का सीमांकन किया गया है। खनिज क्षमता वाले जिले। आसानी से आत्मसात करने के लिए संक्षिप्त रूप से संक्षिप्त किए गए खनन पट्टों की विस्तृत जानकारी पाठकों/उद्यमियों या नीति निर्माताओं की सुविधा के अनुरूप होगी। खनन पट्टे और प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस 2021 पर बुलेटिन वर्ष के दौरान जारी किया गया था।

5.15 जीएम एंड एमएम सेल, आईबीएम, नागपुर द्वारा की गई गतिविधियाँ

5.15.1 टोपोशीट की डिजिटल लाइब्रेरी के लिए टोपोशीट की स्कैनिंग:

लगभग 14000 हैं। आईबीएम मुख्यालय में .tiff प्रारूप में उपलब्ध टोपोशीट की स्कैनिंग और सभी सॉफ्ट फाइलों को सर्वर में रखने की गतिविधि जनवरी 2019 से सेल द्वारा की गई थी। मार्च 20223 तक 15895 की स्कैनिंग की गई। टोपोशीट का काम पूरा हो चुका है और टोपोशीट अब सेल द्वारा उपयोग के लिए डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध है।

5.15.2 जीआईएस प्लेटफॉर्म पर खनन पट्टों के भूमि उपयोग वर्गीकरण मानचित्र का सृजन:

जीआईएस प्लेटफॉर्म पर खनन पट्टों का भूमि-उपयोग वर्गीकरण मानचित्र तैयार करने की गतिविधि सितंबर 2020 से शुरू की गई है। आईबीएम के क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से पट्टेदार से .shp/.kml प्रारूप में भूमि-उपयोग क्षेत्र की जानकारी मांगी गई है। गतिविधियों में जीआईएस प्लेटफॉर्म पर भूमि-उपयोग वर्गीकरण मानचित्र की योजना बनाना, केएमएल या एसएचपी फ़ाइल की जाँच करना और उसे ठीक करना, केएमएल फ़ाइल को एसएचपी फ़ाइल में बदलना, विशेषता तालिका में प्रत्येक भूमि-उपयोग सुविधा के क्षेत्र की गणना और भूमि-उपयोग के लिए खदान डेटा को संलग्न करना शामिल था।.

मार्च 2023 तक, 1229 खनन पट्टों के लिए भूमि-उपयोग डेटा प्राप्त हुआ है, जिसमें से सभी 1229 खनन पट्टों के लिए जीआईएस प्लेटफॉर्म पर डेटा का प्रसंस्करण किया गया है।

खनन गतिविधि के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि के पट्टा-वार विवरण से भूमि-उपयोग का भू-स्थानिक डेटाबेस बनाया गया था। इस डेटाबेस का उपयोग अनुकूलित मानचित्र और रिपोर्ट तैयार करने के लिए किया जा सकता है। जीआईएस प्लेटफॉर्म पर क्वेरी विश्लेषण द्वारा भूमि उपयोग वर्गीकरण के लिए राज्य-वार, जिला-वार, खनिज-वार, सुविधा-वार आदि।

विभिन्न खदानों के भूमि उपयोग को दर्शाने वाला भू-स्थानिक मानचित्र

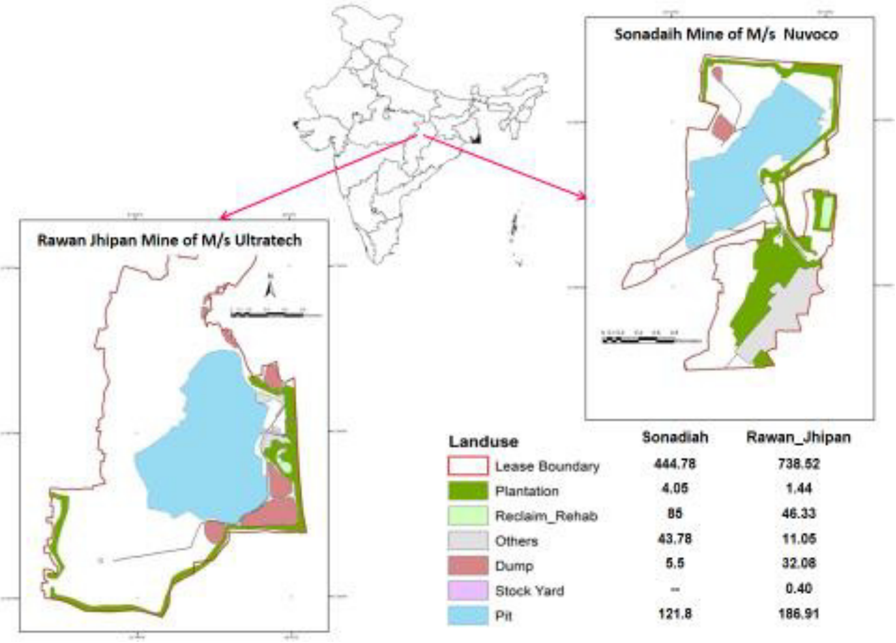

विभिन्न खदानों के भूमि उपयोग को दर्शाने वाला भू-स्थानिक मानचित्र

5.16 प्रशिक्षण

आईबीएम के प्रशिक्षण केंद्र का नेतृत्व प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षण)/क्षेत्रीय खान नियंत्रक द्वारा किया जाता है। यह खान नियंत्रक (योजना एवं समन्वय) की समग्र निगरानी में है। यह अपने कर्मचारियों, राज्य सरकार के अधिकारियों, उत्तर-पूर्वी राज्यों के लोगों और विदेशों सहित खनन उद्योग में लगे व्यक्तियों के लिए इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसका उद्देश्य उन्हें उनके कार्यक्षेत्र में पर्याप्त अभिविन्यास और अद्यतन प्रदान करना है।

5.16.1 आईबीएम से जुड़े अन्य हितधारकों के लिए जिन कौशलों के लिए प्रशिक्षण आवश्यक है वे निम्नलिखित हैं:

एमएमडीआर संशोधन अधिनियम, 2015 के प्रावधानों और उसके तहत बनाए गए अधीनस्थ कानून का कार्यान्वयन; खनन योजना/खनन योजना की तैयारी, जिसमें खदान बंद करने की योजना, खदान सुधार और पुनर्वास शामिल है; खानों के लिए सतत विकास ढांचा और स्टार रेटिंग प्रणाली; खनन निगरानी प्रणाली; संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क वर्गीकरण (यूएनएफसी) के अनुसार खनिज संसाधन; खनिज प्रसंस्करण और लाभकारी के क्षेत्र में तकनीकी सुधार और नवीन प्रगति है ।

वर्ष 2022-23 के दौरान, 09 ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें कुल 129 आईबीएम कार्मिक, 301 उद्योग अधिकारी और 21 राज्य सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया और 6,02,000/- रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ।

5.16.2 अन्य संगठनों के साथ प्रशिक्षण तालमेल: आईबीएम सहक्रियात्मक दृष्टिकोण की दिशा में अपनी सक्रिय भागीदारी के लिए जीएसआई/एमईसीएल द्वारा आयोजित बैठकों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। इसके अलावा, आईबीएम अधिकारी अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। आईबीएम नियमित रूप से हर महीने आईबीएम अधिकारियों के लिए जीआईएस केंद्र, आईबीएम, नागपुर में भौगोलिक सूचना प्रणाली की मूल बातें और जीआईएस प्लेटफॉर्म पर ड्रोन सर्वेक्षण डेटा के प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। अप्रैल 2022 से मार्च, 2023 तक, 124 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है।

5.16.3 आईजीओटी प्लेटफॉर्म पर आईबीएम प्रशिक्षण मॉड्यूल: आईबीएम ने 2020-21 के दौरान विभिन्न मॉड्यूल के तहत व्याख्यान की पहचान करके और उसकी वीडियोग्राफी के संबंध में अपने प्रशिक्षण मॉड्यूल को आईजीओटी प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने के प्रयास शुरू किए थे। मंत्रालय के पत्र क्रमांक A-33/2//2021-ESTT के अनुसार। आईजीओटी पोर्टल पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को अपलोड करने के संबंध में दिनांक 05.07.2022, व्याख्यान वीडियो के लिए आईबीएम के लिए तीन विषयों/मॉड्यूल की पहचान की गई है यानी (ए) खनन सुधार, (बी) एलओआई को खनन पट्टे की प्रक्रिया और (सी) खनन योजना अनुमोदन। इसलिए, आईबीएम ने आईबीएम में उपलब्ध प्रशिक्षण केंद्र और विशेषज्ञता के माध्यम से व्याख्यान वीडियो तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है, और विषयों से संबंधित प्रशिक्षण वीडियो तैयार किए हैं, हालांकि, बड़े फ़ाइल आकार के कारण व्याख्यान वीडियो पोर्टल पर अपलोड नहीं किया जा सका। इसके अलावा, अधिक व्याख्यान वीडियो की तैयारी प्रगति पर है।

5.16.4 2022-23 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम:

5.16.4.1 "खनिजों की औसत बिक्री मूल्य की गणना की डेटा आवश्यकता और पद्धति और आईबीएम प्रकाशनों की तैयारी" पर ई-प्रशिक्षण।

प्रशिक्षण केंद्र, आईबीएम, नागपुर ने 20 तारीख से "विभिन्न खनिजों के औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) की गणना की डेटा आवश्यकता और पद्धति और भारतीय खनिज वार्षिकी, खनिज सूचना बुलेटिन और खनन पट्टा निर्देशिका की तैयारी" पर एक ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया 22 अप्रैल, 2022 तक (एनआईसी के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से)। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईबीएम के सभी कार्यालयों से कुल 40 आईबीएम अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण तीन दिनों में 6 सत्रों में आयोजित किया गया। प्रस्तुतियों और कवर किए गए विषयों का विवरण इस प्रकार था:

1. एमई प्रभाग द्वारा तैयार प्रकाशनों का एक अवलोकन - डॉ. एस.के. द्वारा प्रस्तुत किया गया। शमी, एमई(आई)

2. भारतीय खनिज वार्षिकी तैयार करने की पद्धति - श्री जयपाल जी. पडोले, डीएमई (आई) द्वारा प्रस्तुत,

3. अखिल भारतीय खनन पट्टा (एमएल) निर्देशिका की तैयारी - श्री ए.डी. सेलोकर, एमई (आई) द्वारा प्रस्तुत की गई।

4. एमसीडीआर खनिज और धातुओं के लिए औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) - डॉ. पी.के. द्वारा प्रस्तुत किया गया। जैन, पूर्व सीएमई एवं सलाहकार

5. एएसपी की गणना की डेटा आवश्यकता और पद्धति - श्री अनिल एच. रामटेके, निदेशक, एमएमएस डिवीजन द्वारा प्रस्तुत

6. एएसपी की गणना की डेटा आवश्यकता और पद्धति - श्री एम.एम. द्वारा प्रस्तुत। चस्कर, एएमई(एस)

सभी प्रतिभागियों को ईमेल के माध्यम से पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान की गई। श्री बी.बी.के. क्षेत्रीय खान नियंत्रक एवं प्रशिक्षण केंद्र प्रभारी साहू ने समग्र मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. एस.के. शमी, खनिज अर्थशास्त्री, एमई डिवीजन, कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम निदेशक थे, जबकि श्री मदन कालविट, सहायक खनन अभियंता, प्रशिक्षण केंद्र, ने पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में काम किया। एनआईसी के श्री योगेश मथारे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की।

"खनिजों की औसत बिक्री मूल्य की गणना की डेटा आवश्यकता और पद्धति और आईबीएम प्रकाशनों की तैयारी" पर ई-प्रशिक्षण

"खनिजों की औसत बिक्री मूल्य की गणना की डेटा आवश्यकता और पद्धति और आईबीएम प्रकाशनों की तैयारी" पर ई-प्रशिक्षण

5.16.4.2 आईबीएम ने 19 से 20 मई, 2022 तक दक्षिण क्षेत्र के राज्य सरकार (भूविज्ञान और खनन निदेशालय) के अधिकारियों की क्षमता निर्माण के लिए एमएमडीआर अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों में नवीनतम संशोधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 21 अधिकारियों ने भाग लिया। मई, 2022 तक संचयी रूप से 02 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 40 आईबीएम और 21 राज्य सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया।

5.16.4.3 आईबीएम ने 15 से 16 मई, 2022 तक "आईबीएम अधिकारियों के लिए निवारक सतर्कता" पर इंडक्शन ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 33 अधिकारियों ने भाग लिया।

"आईबीएम अधिकारियों के लिए निवारक सतर्कता पर प्रेरण प्रशिक्षण" पर ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम

आईबीएम के महानियंत्रक द्वारा अनुमोदित 2022-23 के लिए आईबीएम के वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर के अनुसार, प्रशिक्षण केंद्र, आईबीएम, नागपुर ने "आईबीएम अधिकारियों के लिए निवारक सतर्कता पर प्रेरण प्रशिक्षण" विषय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक ऑनलाइन ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। श्री बी.बी.के. के निर्देशन में 15 से 16 जून, 2022 तक साहू, क्षेत्रीय खान नियंत्रक एवं प्रभारी प्रशिक्षण केन्द्र एवं श्री वी.डी. गोडघाटे, मुख्य सतर्कता अधिकारी, आईबीएम भी मौजूद रहें । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईबीएम के सभी कार्यालयों से कुल 33 अधिकारियों ने भाग लिया। निवारक सतर्कता पहलुओं से संबंधित विभिन्न विषयों पर दो दिनों में चार सत्रों में प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल विषयों निम्नवत हैं:

1. श्री वी.डी. द्वारा "प्रशासनिक सतर्कता और निवारक सतर्कता"। गोडघाटे, मुख्य सतर्कता अधिकारी, आईबीएम।
2. श्री आशुतोष मिश्रा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, आईबीएम द्वारा "सीसीएस (सीसीए) नियम, 1965 और सीसीएस (आचरण) नियम, 1964"।
3. "सरकारी आधार पर वस्तुओं और सेवाओं की ई-खरीद के लिए प्रक्रियाएँ।" ई-मार्केटप्लेस (जीईएम)'' श्री एस.के. द्वारा चौरे, भंडार अधिकारी, आईबीएम
4. श्री बी शिवकुमार, मुख्य प्रबंधक (खनन), सतर्कता विभाग, वेस्टर्न कोलफील्ड्स, नागपुर (अतिथि संकाय) द्वारा "निवारक सतर्कता"

दो दिवसीय कार्यक्रम के अंत में, एक समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें श्री पी.एन शर्मा, सीसीओएम (प्रभारी) एमडीआर, श्री पी. कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम (प्रभारी) एमईएस, श्री वी.डी. गोडघाटे, मुख्य सतर्कता अधिकारी और श्री बी.बी.के. साहू, क्षेत्रीय खान नियंत्रक एवं (प्रभारी) प्रशिक्षण केंद्र ने भाग लिया। । श्री पी.एन. शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को सभी प्रक्रियाओं का पालन करने और कार्यों की रूपरेखा का पालन करने की सलाह दी। श्री कुलश्रेष्ठ ने सभी प्रतिभागियों को सद्भावना और दुर्भावनापूर्ण इरादों के महत्व से अवगत कराया और सभी को नियमों का ईमानदारी से पालन करने के लिए आगाह किया। श्री गोडघाटे ने सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और उनसे भविष्य के ऐसे कार्यक्रमों के लिए आवश्यक किसी भी बदलाव का सुझाव देने का अनुरोध किया। श्री मदन कालविट, एएमई, प्रशिक्षण केंद्र ने पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में काम किया एवं एनआईसी के श्री योगेश मथारे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए तकनीकी सहायता प्रदान की।

"आईबीएम अधिकारियों के लिए निवारक सतर्कता" पर ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम

5.16.4.4 आईबीएम ने 21 और 22 जून, 2022 को उदयपुर में उद्योग कर्मियों के लिए "एमसीडीआर, 2017 के तहत मासिक और वार्षिक रिटर्न की ऑनलाइन फाइलिंग और प्रसंस्करण और विभिन्न खनिजों के औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) के लिए डेटा आवश्यकता" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। जून, 2022 तक संचयी रूप से 04 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिनमें 73 आईबीएम, 138 उद्योग और 21 राज्य सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया।

5.16.4.5 उद्योग कर्मियों के लिए 17-18 अगस्त, 2022 को कौशल विकास केंद्र, कोलकाता में "सतत विकास ढांचे और स्टार रेटिंग रिपोर्टिंग प्रणाली की अवधारणा" पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें 91 उद्योग कर्मियों ने भाग लिया और रु. 182,000/- एकत्रित हुआ। संचयी रूप से, जुलाई, 2022 तक, आईबीएम ने 05 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 73 आईबीएम, 141 उद्योग और 21 राज्य सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया और 282,000/- रुपये का राजस्व एकत्रित हुआ।

5.16.4.6 उक्त महीने के दौरान, उद्योग कर्मियों के लिए हैदराबाद में 11 से 12 अक्टूबर, 2022 तक तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम अर्थात "स्टार रेटिंग टेम्पलेट्स की ऑनलाइन फाइलिंग" पर .ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें 75 उद्योग कर्मियों ने भाग लिया और रु. 1,50,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ।

5.16.4.7 कौशल विकास केंद्र (एसडीसी) आईबीएम उदयपुर द्वारा 11 से 12 अक्टूबर, 2022 तक "एमसीडीआर, 2017 के तहत प्राप्त रोकने की प्रथाओं और नोटिस की जांच/जांच" पर ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें 25 आईबीएम अधिकारियों ने भाग लिया था।

5.16.4.8 13 और 14 अक्टूबर, 2022 को आईबीएम नागपुर में आईबीएम अधिकारियों के लिए "स्टोर खरीद प्रक्रिया और सरकारी बाजार स्थान (जीईएम) के माध्यम से ई-खरीद" पर ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम जिसमें 31 आईबीएम अधिकारियों ने भाग लिया। संचयी रूप से, अक्टूबर, 2022 तक, आईबीएम ने 08 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 129 आईबीएम, 216 उद्योग और 21 राज्य सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया और 432,000/- रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ।

5.16.4.9 माह के दौरान, उद्योग कर्मियों के लिए कौशल विकास केंद्र उदयपुर में 16 से 17 नवंबर, 2022 तक "नए खनन योजना प्रारूप, पीएमसीपी/एफएमसीपी की तैयारी" पर ई-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 85 उद्योग कर्मियों ने भाग लिया और रु

1,70,000/- का राजस्व उत्पन्न हुआ। संचयी रूप से, नवंबर, 2022 तक, आईबीएम ने 09 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 129 आईबीएम, 301 उद्योग और 21 राज्य सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया और 6,02,000/- रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ।

5.17 प्रदूषण निवारण एवं पर्यावरण संरक्षण के उपाय

आईबीएम एमसीडीआर, 2017 के प्रावधानों को लागू करने के लिए निरीक्षण/अध्ययन करता है जिसमें खदान पर्यावरण की सुरक्षा पर प्रावधान शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि खदान संचालकों द्वारा उचित देखभाल की जा रही है। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया जाता है कि खदान संचालक ऊपरी मिट्टी के संरक्षण और उपयोग, अधिभार / अपशिष्ट चट्टानों के भंडारण, भूमि के पुनर्ग्रहण और पुनर्वास, जमीन के कंपन के खिलाफ सावधानी, जमीन के धंसने पर नियंत्रण, हवा, पानी के खिलाफ रोकथाम के उपायों का उचित ध्यान रख रहे हैं। अन्य संरक्षण और विकासात्मक उपायों के अलावा ध्वनि प्रदूषण, वनस्पतियों की बहाली आदि। पर्यावरण की सुरक्षा सहित खदान के व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक विकास के लिए खदान प्रबंधन/संचालकों को आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया जाता है। खनन योजनाओं को मंजूरी देते समय, खनन और खदान बंद करने की योजनाओं की समीक्षा करते हुए, आईबीएम यह सुनिश्चित करता है कि पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन अध्ययन किया गया है और इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना को शामिल किया गया है, इसके अलावा खनन किए गए क्षेत्रों के पुनरुद्धार और पुनर्वास के लिए भी।

5.18 राजस्व सृजन

आईबीएम परामर्श, प्रशिक्षण, वैधानिक प्रसंस्करण और प्रकाशनों और डेटा आदि की बिक्री के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करता है। 2022-23 के दौरान उत्पन्न राजस्व रु 552.872 लाख रुपये शामिल हैं। खनिज प्रसंस्करण कार्यों से 139.49 लाख; रु. खनन योजनाओं के प्रसंस्करण/खनन योजनाओं की समीक्षा से 407.35 लाख रु. प्रशिक्षण शुल्क से 6.02 लाख और शेष रु. 0.012 लाख प्रकाशनों, खनिज सूची डेटा आदि की बिक्री से प्राप्त हुए।

5.19 कम्प्यूटरीकरण

5.19.1 आईबीएम के क्षेत्रीय (रायपुर और गांधीनगर आरओ को छोड़कर)/जोनल कार्यालयों और मुख्यालयों को बीआरजीएम, फ्रांस की मदद से स्थापित क्लाइंट सर्वर आर्किटेक्चर पर आधारित एक परिष्कृत प्रणाली के माध्यम से जोड़ा गया है। रायपुर और गांधीनगर आरओ को वीसी सुविधा के साथ उक्त प्रणाली से जोड़ने का प्रस्ताव प्रक्रियाधीन है। आईबीएम के पास क्षेत्रीय, क्षेत्रीय कार्यालयों और मुख्यालय कार्यालयों के साथ डेटा संचार और आदान-

प्रदान करने के लिए WAN प्रणाली के अलावा अच्छी तरह से स्थापित LAN सुविधा भी है। सभी आरओ/जेडओ कार्यालयों में वीसी सुविधा चालू है।

5.19.2 आईबीएम का वेब पोर्टल यानी https://www.ibm.gov.in आईबीएम के इतिहास, कार्यों, संगठन, आईबीएम के प्रभागों और इसकी गतिविधियों, क्षेत्रीय और क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र, आईबीएम द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है। मौजूदा वेब पोर्टल का उन्नयन चल रहा है, जो हितधारकों को अद्यतन और तेज़ जानकारी प्रदान करता है।

5.19.3 डोमेन https://ibmregistration.gov.ini आईबीएम पंजीकरण संख्या प्रदान करने के लिए कार्यात्मक है और https://ibmreturns.gov.ini हितधारक को मासिक और वार्षिक रिटर्न ऑनलाइन जमा करने और आगे के संचार की सुविधा के लिए भी कार्यात्मक है और रेफर बैक मामले में हितधारकों के साथ आगे के संचार के लिए उपलब्ध है ।

5.19.4 दिनांक 9 फरवरी, 2011 की अधिसूचना संख्या 75(ई) के माध्यम से एमसीडीआर, 1988 के नियम 45 में संशोधन के परिणामस्वरूप ऑनलाइन रिटर्न जमा करने की प्रणाली शुरू होने के बाद, खान मालिकों ने मासिक और वार्षिक रिटर्न ऑनलाइन जमा करना शुरू कर दिया है। आईबीएम खदान मालिकों और उनके प्रतिनिधियों को ऑनलाइन रिटर्न जमा करने के लिए निगरानी और मार्गदर्शन/प्रोत्साहित कर रहा है।

5.19.5 रिटर्न जमा करना:

9 फरवरी, 2011 की अधिसूचना संख्या 75 (ई) के माध्यम से एमसीडीआर, 1988 के नियम 45 में संशोधन के परिणामस्वरूप ऑनलाइन रिटर्न जमा करने की प्रणाली शुरू होने के बाद, खान मालिकों ने मासिक और वार्षिक रिटर्न ऑनलाइन जमा करना शुरू कर दिया है। आईबीएम खदान मालिकों और उनके प्रतिनिधियों को ऑनलाइन रिटर्न जमा करने के लिए निगरानी और मार्गदर्शन/प्रोत्साहित कर रहा है। ऑनलाइन जमा किए गए माहवार मासिक रिटर्न तालिका-5.14 ए में दिए गए हैं।

तालिका 5.14 ए

माहवार रिटर्न ऑनलाइन जमा किया गया

क्रम सं.	**माह**	**मासिक की संख्या रिटर्न ऑनलाइन प्राप्त हुआ**
1	अप्रैल, 2022	1894
2	मई, 2022	1776
3	जून, 2022	1842

4	जुलाई, 2022	1873
5	अगस्त, 2022	1818
6	सितंबर, 2022	1876
7	अक्टूबर, 2022	1863
8	नवंबर, 2022	1874
9	दिसंबर, 2022	1852
10	जनवरी, 2023	1817
11	फरवरी, 2023	1843
12	मार्च 2023	1846

5.19.6 नियम 45 के अंतर्गत पंजीकरण

एमसीडीआर 1988 के नियम 45 के तहत पंजीकरण की स्थिति और 31.3.2023 तक खानों/पट्टों के ऑनलाइन पंजीकरण की स्थिति इस प्रकार है:

खनिकों, अंतिम उपयोगकर्ताओं, व्यापारियों, स्टॉकिस्टों और निर्यातकों का ऑनलाइन पंजीकरण (31 लघु खनिजों सहित)

मार्च, 2023 के अंत में क्रमांक विवरण स्थिति

1 खनिकों की संख्या	8084
2 अंतिम उपयोगकर्ताओं की संख्या	5354
3 व्यापारियों की संख्या	10305
4 स्टॉकिएस्ट की संख्या	2889
5 निर्यातकों की संख्या	1580
कुल	28212

5.20 माइनिंग टेनमेंट सिस्टम (एमटीएस)

6.81माइनिंग टेनमेंट सिस्टम (एमटीएस) भारतीय खान ब्यूरो की एक प्रमुख परियोजना है और यह एक अद्‌वितीय ऑनलाइन आधारित एप्लिकेशन है। एमटीएस के साथ, आईबीएम कोर मॉड्यूल की अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने की कल्पना करता है जो बदले में अपने कार्यों के चार्टर में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए वर्कफ़्लो-आधारित

प्रणाली को शामिल कर सकता है। इस परियोजना के हिस्से के रूप में, आईबीएम जहां भी लागू हो, संवर्द्धन करने की भी कल्पना करता है।
12 जुलाई 2022 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय खनन सम्मेलन के दौरान। निम्नलिखित तीन मॉड्यूल माननीय खान, कोयला और संसदीय मामलों के मंत्री द्वारा लॉन्च किए गए थे
मॉड्यूल1: एमसीडीआर 2017 के नियम 45 के तहत पंजीकरण
मॉड्यूल 2: एमसीडीआर 2017 के नियम 45 के तहत मासिक और वार्षिक रिटर्न दाखिल करना
मॉड्यूल3: ऑनलाइन मॉड्यूल में खनन योजना प्रस्तुत करने के लिए खनन योजना अनुमोदन प्रणाली (एमपीएएस)।

खनन योजना अनुमोदन प्रणाली (एमपीएएस) के शुभारंभ के साथ, खनन योजना के अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप में ऑनलाइन हो गई है। पट्टेदार माउस के एक क्लिक पर अपनी खनन योजना प्रस्तुत कर सकता है और यह प्रक्रिया सरल और कम समय लेने वाली हो गई है। यह डिजिटल इंडिया मिशन की दिशा में एक कदम आगे होगा।

शेष मॉड्यूल के विकास के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रगति पर है।

5.21 सतत विकास ढाँचा (एसडीएफ)

स्टार रेटिंग प्रणाली: एक सुशासन पहल को राष्ट्रीय खनिज के अनुरूप 2011 में खान मंत्रालय द्वारा अनुमोदित सतत विकास ढांचे (एसडीएफ) के सिद्धांतों द्वारा शामिल विभिन्न मापदंडों पर पट्टा ऑपरेटरों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक उपकरण के रूप में डिज़ाइन किया गया है। नीति 2008 के तहत इस प्रकार इसे स्थिरता के दृष्टिकोण से खनन पदचिह्नों के मानचित्रण के रूप में देखा जा सकता है।

प्रणाली को मुख्य रूप से स्व-मूल्यांकन के आधार पर विकसित किया गया है, जिसके बाद भारतीय खान ब्यूरो द्वारा सत्यापन के साथ-साथ तीसरे पक्ष के ऑडिटिंग के प्रावधानों को भी शामिल किया गया है, जैसा कि खान मंत्रालय द्वारा उपयुक्त माना जा सकता है। स्टार रेटिंग को नए नियम 35 द्वारा अनिवार्य किया गया है। एमसीडीआर 2017 को अधिसूचित किया गया। सभी खदान संचालकों को खनन कार्य शुरू होने की तारीख या नियमों की

अधिसूचना की तारीख (यानी मार्च 2017) जो भी बाद में हो, से दो साल की निर्धारित समय अवधि के भीतर चार या पांच सितारा रेटिंग हासिल करना अनिवार्य है। एमसीडीआर 2017 के नियम 35 के अनुसार। ऐसा न करने पर खनन कार्य निलंबित किया जा सकता है। रेटिंग प्रणाली के पुरस्कार और प्रक्रिया कार्यान्वयन की तीसरे पक्ष द्वारा ऑडिटिंग की एक प्रणाली भी प्रस्तावित है।

स्टार रेटिंग प्रणाली के प्रत्याशित परिणाम निम्नलिखित हैं:

• खनन के लिए आवंटित क्षेत्रों में पर्यावरणीय और सामाजिक संघर्षों में कमी।

• खनन पट्टा क्षेत्रों के जोखिम स्तरों पर सभी संबंधित हितधारकों के लिए अधिक स्पष्टता।

• खदानों के लिए पर्यावरण, वन) मंजूरी प्राप्त करने में देरी संभावित रूप से कम हो गई है।

• पर्यावरण और सामाजिक विचारों के संदर्भ में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की बेहतर सुरक्षा।

• चयनित खनन क्षेत्रों के लिए एक क्षेत्रीय खनिज विकास योजना और समन्वित और सामूहिक कार्रवाई के माध्यम से खनन के प्रमुख क्षेत्रीय और संचयी प्रभावों को संबोधित करना।

• छोटे ऑपरेटरों की क्लस्टरिंग को अधिक प्रतिस्पर्धी और आज्ञाकारी बनने का अवसर।

• खनन कंपनियों में एक मजबूत ई एंड एस प्रबंधन ढांचा।

• एक प्रकटीकरण प्रक्रिया जो हितधारकों को प्रासंगिक और समय पर जानकारी प्रदान करती है, और मुद्दों को सहभागिता मंचों पर उठाने की अनुमति देती है।

• सार्वजनिक डोमेन में खनन गतिविधि पर विवरण प्रकाशित करके गहन हितधारक जांच के माध्यम से अवैध खनन गतिविधियों पर नियंत्रण बढ़ाया गया।

• खनन क्षेत्र के मूल्यांकन, योजना, प्रबंधन और निगरानी के लिए खदान स्तर पर भू-स्थानिक और भू-वैज्ञानिक जानकारी का गहन उपयोग।

• मजबूत निगरानी और आश्वासन प्रणाली और प्रक्रियाएं और

• शासन और नैतिक प्रथाओं पर एसडीएफ रिपोर्टिंग।

• स्टार रेटिंग टेम्प्लेट के महत्वपूर्ण विश्लेषण का परिणाम यह होगा -

• नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान

• हरित ऊर्जा विकास, खान जल प्रबंधन, कौशल विकास आवश्यकताओं और प्रयासों, अंतरिक्ष और डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग और दायरे के केंद्र के रूप में अन्वेषण, खनन, खनन के क्षेत्र में निवेश के अवसर के लिए संसाधन आधार निर्माण

• खनन और संबद्ध गतिविधियों के क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं का प्रसार।

• वैश्विक खनन अभ्यास की तुलना में हमारे देश में खनन गतिविधियों का महत्वपूर्ण विश्लेषण।

• देश में कच्चे माल की सुरक्षा से संबंधित मुद्दे।

खान मंत्रालय द्वारा अनुमोदित सतत विकास ढांचे (एसडीएफ) के सिद्धांतों द्वारा शामिल विभिन्न मापदंडों पर लीज ऑपरेटरों के प्रदर्शन के मूल्यांकन के आधार पर, आईबीएम द्वारा स्व-मूल्यांकन टेम्पलेट्स का सत्यापन किया गया था और तदनुसार रेटिंग 0 से दी गई थी।

पंचवर्षीय 5 स्टार रेटेड खदानें नीचे दी गई हैं।

वर्ष	5 स्टार रेटिंग
2014-15	10
2015-16	32
2016-17	57
2017-18	57
2018-19	52
2019-20	40
2020-21	40
2021-22	76

खान और खनिजों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 5 स्टार रेटिंग प्राप्त करने के लिए खदान संचालकों को सम्मानित किया गया।

• वर्ष 2014-15 के लिए 5 स्टार रेटेड खदानों को 4-5 जुलाई, 2016 को रायपुर में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में सम्मानित किया गया।

• वर्ष 2015-16 के लिए 5 स्टार रेटेड खदानों को 15 फरवरी, 2017 को नई दिल्ली में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में सम्मानित किया गया।

• वर्ष 2016-17 के लिए 5 स्टार रेटेड खदानों को 20 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में सम्मानित किया गया।

• वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के लिए 5 स्टार रेटेड खदानों को 11 नवंबर, 2021 को होटल द अशोक, नई दिल्ली में आयोजित खनन कॉन्क्लेव में माननीय खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी द्वारा सम्मानित किया गया।

• वर्ष 2020-21 के लिए 5 स्टार रेटेड खदानों को 12 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित छठे माइनिंग कॉन्क्लेव में सम्मानित किया गया।

• वर्ष 2021-22 के लिए 5 स्टार रेटेड खदानों को 1.3.2023 को नागपुर में आईबीएम के 76वें स्थापना दिवस समारोह में सम्मानित किया गया।

5.22खनन निगरानी प्रणाली (एमएसएस)

खनन निगरानी प्रणाली (एमएसएस) एक उपग्रह-आधारित निगरानी प्रणाली है जिसका उद्देश्य स्वचालित रिमोट सेंसिंग डिटेक्शन तकनीक के माध्यम से अवैध खनन गतिविधि की घटनाओं पर अंकुश लगाकर उत्तरदायी खनिज प्रशासन की व्यवस्था स्थापित करना है।

• खान मंत्रालय और भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) ने भास्कराचार्य अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान (बीआईएसएजी), गांधीनगर और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की सहायता से एमएसएस विकसित किया है।

• प्रणाली इस मूल आधार पर काम करती है कि अधिकांश खनिज निरंतरता में पाए जाते हैं और उनकी घटना पट्टा क्षेत्र तक ही सीमित नहीं है बल्कि आसपास के क्षेत्र में विस्तारित होने की संभावना है। एमएसएस किसी भी असामान्य गतिविधि की खोज के लिए मौजूदा खनन पट्टे की सीमा के आसपास 500 मीटर के क्षेत्र की जांच करता है, जो अवैध खनन होने की संभावना है। कोई भी विसंगति पाए जाने पर उसे ट्रिगर के रूप में चिह्नित किया जाता है।
• एमएसएस एक पारदर्शी और पूर्वाग्रह-मुक्त प्रणाली है, जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया समय और प्रभावी अनुवर्ती की क्षमता है। 'आसमान से देखती आंखें' का निवारक प्रभाव अवैध खनन की घटनाओं को रोकने में बेहद उपयोगी होगा।
• अवैध खनन पर अंकुश लगाने के सरकारी प्रयासों में जनता की भागीदारी को सक्षम करने के लिए 24 जनवरी, 2017 को गांधीनगर में एमएसएस के लिए एक उपयोगकर्ता के अनुकूल मोबाइल ऐप बनाया और लॉन्च किया गया है, जिसका उपयोग निरीक्षण अधिकारियों द्वारा अपने निरीक्षण की अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए किया जा रहा था।
• प्रारंभिक चरण में, देश भर में कुल 3994.87 हेक्टेयर क्षेत्र को कवर करने वाले कुल 296 ट्रिगर्स, जिनमें राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा ट्रिगर्स के निरीक्षण के बाद 47 अनधिकृत खनन की पुष्टि की गई है।
• गौण खनिजों के लिए एमएसएस को अपनाने हेतु सभी राज्यों का प्रशिक्षण भी किया जा चुका है।

दूसरे चरण में, देश भर में 3280 प्लॉट किए गए पट्टों (1694 में से 1689 वर्किंग माइंस और 2129 में से 1596 नॉन-वर्किंग माइंस प्लॉट किए गए) से 52 प्रमुख खनिज ट्रिगर का पता

लगाया गया है, जिनमें से 45 का सत्यापन किया जा चुका है। राज्य सरकारों और 5 मामलों में अनधिकृत खनन गतिविधियों की पहचान की गई है।
• इसी प्रकार, गौण खनिजों के संबंध में, अब तक 130 ट्रिगर उत्पन्न हुए हैं, जिनमें से 104 का सत्यापन किया गया है और 9 मामलों में अनधिकृत खनन गतिविधियों की पहचान की गई है।

2021-22 में तीसरे चरण में, प्रमुख खनिजों के लिए 177 प्रारंभिक ट्रिगर उत्पन्न किए गए हैं और राज्य सरकारों को आगे के प्रसारण के लिए पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं, जिनमें से 97 ट्रिगर्स को अब तक राज्य सरकारों द्वारा सत्यापित किया गया है और 12 मामलों में अनधिकृत खनन गतिविधियों की पहचान की गई है।

2022-23 में चौथे चरण में, प्रमुख खनिजों के लिए 61 प्रारंभिक ट्रिगर उत्पन्न किए गए हैं और राज्य सरकारों को आगे के प्रसारण के लिए पोर्टल पर अपलोड किए गए हैं, जिनमें से 24 ट्रिगर्स को अब तक राज्य सरकारों द्वारा सत्यापित किया गया है और 07 मामलों में अनधिकृत खनन गतिविधियों की पहचान की गई है।

उत्पन्न चरणवार ट्रिगर्स का सारांश नीचे दिया गया है:

	ट्रिगर जनित	ट्रिगर सत्यापित	अनधिकृत खनन की पुष्टि की गई
चरण- I (प्रमुख) (2016-17)	296	286	47
चरण- II (प्रमुख) (2018-19)	52	45	5
चरण- II (लघु) (2018-19)	130	104	9
चरण-III (प्रमुख) (2021-22)	177	97	12
चरण-IV (प्रमुख) (2022-23)	61	24	07

5.23 स्वच्छता पखवाड़ा

स्वच्छता कार्य योजना 2022-23 के तहत मुख्यालय के साथ-साथ क्षेत्रीय कार्यालयों में 16 नवंबर, 2022 से 30 नवंबर, 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया । एक समेकित रिपोर्ट भी मंत्रालय को भेज दी गई है। आईबीएम द्वारा आयोजित समारोहों के अध्याय में अधिक विवरण शामिल हैं।

6.0 भारतीय खान ब्यूरो बजट 2022-23

वर्ष के दौरान वार्षिक योजना के अन्तर्गत मंत्रालय ने 113 करोड़ रूपये का बजट आवंटित किया था जिसमे 96.77 करोड़ रूपये स्थापना मद मे तथा 16.23 करोड़ रूपये भारतीय खान ब्यूरो गतिविधियों के लिए आवंटित किए गये थे। जिसमे बाद मे आर ई स्टेज पर राशि मे कमी करके स्थापना मद मे 103.20 करोड़ रूपये तथा भारतीय खान ब्यूरो गतिविधियों के मद मे 12.83 करोड रूपये ही प्राप्त हुए।

करोड़ रूपये में

शीर्ष	**बी.ई**	**आर.ई.**	**मार्च 2023 तक व्यय**
स्थापना	96.77	90.365	8671.65
भारतीय खान ब्यूरो गतिविधियां	16.23	12.835	909.63
योग	**113.00**	**103.20**	**9581.28**

6.1 वर्ष 23- 2022के दौरान भारतीय खान ब्यूरो का स्कीम वार वितीय निष्पादन

(लाख रूपये में)

क्र सं.	**स्कीम का नाम**	**2022-23**			
		प्रस्तावित बी.ई	**बी.ई**	**आर.ई**	**मार्च 2023 तक वास्तविक व्यय**
1	**2**	**11**	**12**	**13**	**14**
1	**स्थापना**	9777.00	9677.00	9036.50	8671.65
2	**स्कीम न 1 .खानो के वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित खनन, खनिज संरक्षण एवं खान पर्यावरण हेतु खानो का निरीक्षण**	400.00	161.00	156.00	146.66

3	**स्कीम न 2 .खनिज सज्जीकरण अध्ययन निम्न क्षेणी एवं उप श्रेणी अयस्कों का उपयोग तथा पर्यावरणीय नमूनों का विशलेषण ।**	269.00	62.00	52.00	44.02
4	**स्कीम न 3 .तकनीकी उन्नयन तथा आधुनिकीकरण**	274.00	63.00	59.50	44.38
5	**स्कीम न 4 .विभिन्न प्रकाशनों द्वारा खान और खनिज का प्रचार प्रसार**	192.00	42.00	41.00	35.72
6	**स्कीम न 5 .माईनिंग टिनामेन्ट प्रणाली का कम्पयुटरीकृत ऑन लाईन रजिस्टर**	500.00	500.00	392.00	198.67
7	**सूचना प्रोधोगिकी**	100.00	56.00	56.00	55.67
8	**स्वच्छता कार्य योजना**	10.00	10.00	10.00	9.94
9	**प्रशिक्षण**	20.00	10.00	5.00	4.96
10	**आदिवासी क्षेत्र उप योजना**	145.00	70.00	0.00	0.00
11	**अनुसुचित जाति हेतु विषेश भाग योजना**	281.00	135.00	0.00	0.00
12	**राजस्व (एनईआर)**	144.00	143.00	143.00	133.91
13	**कार्य परिव्यय (प्रमुख कार्य)**	1.00	1.00	0.00	0.00
14	**मोटर वाहन**	100.00	1.00	0.00	0.00
15	**मशीनरी और उपकरण**	750.00	350.00	350.00	235.70
16	**अन्य पूर्जी गत व्यय (एनईआर)**	194.00	19.00	19.00	0.00
	योग	**13157.00**	**11300.00**	**10320.00**	**9581.28**

6.2 अंकेक्षण पेरा

आंतरिक अंकेक्षण द्वारा उठाई गई आपत्तियों दिनांक 31.03.2023तक लम्बित थी जिनका सम्बधित कार्यालयों द्वारा अनुपालना /जवाब प्रस्तुत किया जा रहा है।

सी.ए.जी .अंकेक्षण पेरा

इस कार्यालय के रिकोर्ड के अनुसार 31मार्च 2023को सी.ए.जी ऑडिट पैरा शून्य है।

7.0भारतीय खान ब्यूरो मे मानव संसाधन

भारतीय खान ब्यूरो मे विभिन्न विषय शाखाओं जैसे खनन अभियन्ता भू विज्ञानियों, अयस्क प्रशाधन, रसायन, धातुकर्म अभियन्ताओं, खनिज अर्थशाष्त्री, सांख्यकिय कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा सहयोगी स्टाफ सहित कुल स्वीकृत पद सख्या 1477है ।

7.1 मंत्रालय ने नीचे दिए गए आदेशों के अनुसार आईबीएम में सर्वोच्च स्तर के पदों का अतिरिक्त प्रभार सौंपने के लिए मंजूरी दे दी है:

7.1.1 महानियंत्रक को अतिरिक्त प्रभार:

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26l3l2020-एम् .III दिनांक 16.03. 2021 द्वारा कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति का कार्योत्तर अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे श्री संजय लोहिया, आईएएस, संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय को दिनांक 15.11.2020 से नौ महीने की अवधि के लिए, या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो, भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के महानियंत्रक के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया ।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26l3l2020-एम् .III दिनांक 04.08. 2021 द्वारा कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे श्री संजय लोहिया, आईएएस , संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय को विस्तार देते हुए दिनांक 15.08.2021 से, या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के महानियंत्रक के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया ।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/3/2020-एम् .III दिनांक 28.06. 2022 द्वारा कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे श्री संजय लोहिया, आईएएस, संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय को विस्तार देते हुए दिनांक 15.05.2022 से छह महीने की अवधि के लिए , या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के महानियंत्रक के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया ।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/3/2020-एम.III दिनांक 16.01. 2023 द्वारा कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे श्री संजय लोहिया, आईएएस , संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय को विस्तार देते हुए दिनांक 15.11.2022 से नौ महीने की अवधि के लिए , या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , भारतीय खान ब्यूरो (आईबीएम) के महानियंत्रक के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया ।

7.1.2 मुख्य खान नियंत्रक (एमडीआर) पद का अतिरिक्त प्रभार

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/7/2019-एम.III दिनांक 16.06. 2021 द्वारा कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे श्री पी० एन० शर्मा , खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो को विस्तार देते हुए दिनांक 01.11.2020 से एक वर्ष की अवधि के लिए ,या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , मुख्य खान नियंत्रक (एमडीआर), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया ।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/7/2019 -एम.III दिनांक 28.06. 2022 द्वारा एसीसी की नियुक्ति समिति का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे श्री पी० एन० शर्मा , खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो को विस्तार देते हुए उनके मूल वेतनमान यानि लेवल -14 में दिनांक 01.05.2022 से एक वर्ष की अवधि के लिए ,या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , मुख्य खान नियंत्रक (एमडीआर), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया ।

7.1.3 मुख्य खान नियंत्रक (एमई & एस) पद का अतिरिक्त प्रभार

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/2/2018 -एम.III दिनांक 07.04. 2022 द्वारा एसीसी की नियुक्ति समिति का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे श्री पंकज कुलश्रेष्ठ , खान नियंत्रक, भा० खा ० ब्यूरो को विस्तार देते हुए दिनांक 23.03.2022 से एक वर्ष की अवधि के लिए ,या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , मुख्य खान नियंत्रक (एमई & एस), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया ।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/2/2018 -एम.III दिनांक 12.04. 2023 द्वारा जिसमे श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो को विस्तार देते हुए दिनांक

23.03.202 से अगले आदेश तक, मुख्य खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार संसूचित किया गया।

7.1.4 निदेशक (एमपीडी) पद का अतिरिक्त प्रभार

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/4/2020 -एम् .III दिनांक 19.04. 2021 द्वारा कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे डॉ श्रीमति एस० एम० लाल, सीओडीओ, भारतीय खान ब्यूरो को दिनांक 01.12.2020 से नौ महीने की अवधि के लिए, या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , निदेशक (ओडी), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/4/2020 -एम.III दिनांक 17.08. 2021 द्वारा डॉ श्रीमति एस० एम० लाल , सीओडीओ, भारतीय खान ब्यूरो को विस्तार देते हुए दिनांक 01.09.2021 से अगले आदेश तक निदेशक (ओडी), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/4/2020 -एम.III दिनांक 08.02. 2022 द्वारा एसीसी का कार्योत्तर अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे डॉ. श्रीमति एस. एम. लाल, सीओडीओ, भारतीय खान ब्यूरो को विस्तार देते हुए दिनांक 01.09.2021 से 30.09.2021 तक निदेशक (ओडी), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/4/2020 -एम् .III दिनांक 08.02. 2022 द्वारा एसीसी का अनुमोदन संसूचित किया गया जिसमे डॉ दिलीप रंजन कानूनगो , अधीक्षण अधिकारी (ओडी) , भारतीय खान ब्यूरो को तत्काल प्रभाव से एक वर्ष की अवधि के लिए ,या जब तक पद पर नियमित पदधारी की नियुक्ति न हो , निदेशक (ओडी), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

खान मंत्रालय के पत्र क्रमांक 26/4/2020 -एम् .III दिनांक 13.01. 2023 द्वारा डॉ. दिलीप रंजन कानूनगो, अधीक्षण अधिकारी (ओडी), भारतीय खान ब्यूरो को विस्तार देते हुए दिनांक 04.02.2023 से अगले आदेश तक निदेशक (ओडी), भारतीय खान ब्यूरो के पद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया।

7.2 भारतीय खान ब्यूरो के कार्य एवं भूमिका की समीक्षा तथा पुनर्संरचना हेतु समिति

खान मंत्रालय अपने संकल्प संख्या 16(27)/2009एम.VI दिनांक 23-07-2009 द्वारा राष्टीय खनिज नीति तथा खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम में दिये गये तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों में दिये गये निति निर्देशों के दष्टिगत भारतीय खान ब्यूरो के कार्य एवं भूमिका की समीक्षा एवं पुनर्ससरंचना करने हेतु समिति गठित की थी ।

2. समिति ने भारतीय खान ब्यूरो की समग्र पुनर्संरचना का सुझाव देते हुए अपनी रिपोर्ट दिनांक 04-05-2012 को भारत सरकार को प्रस्तुत की थी। इसमें भारतीय खान ब्यूरो में मौजूदा पदों 1477 के अतिरिक्त 933 पदों के सृजन की अनुशंसा की । खान मंत्रालय ने सरकार द्वारा विधायी ढांचे में किए गए महत्वपूर्ण परिवर्तनों के दृष्टिगत समिति की सिफारसो की समीक्षा की । मंत्रालय ने मौजूदा मानव संसाधन मे वृदि की सिफारिश पर विचार नही करते हुए प्रास्ताव को स्वीकार कर लिया । प्रस्ताव पर व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय से विमर्श के बाद परीक्षण किया गया । प्रस्ताव को भारतीय खान ब्यूरो में विभिन्न विषय शाखाओं के अन्तर्गत पदों के सृजन , उन्मुलन तथा उन्नयन करके व्यय शून्य राजस्व प्रभाव के दृष्टिगत भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, (खान मंत्रालय का एक सम्बंध कार्यालय) के समुह क के 180 पदों (लेवल 10) के अभयर्पण द्वारा किया गया ।

3. व्यय विभाग ने प्रस्ताव को अनुमोदन प्रदान किया तथा यह सुझाव दिया कि पदों का अभ्यर्पण धीरे धीरे पदधारियो के आयु वार्धक्य पर अथवा अन्यथा सेवानवृित होने पर अथवा पदौन्नति होने पर किया जाए।

04. संयुक्त सचिव एवं उपर के लेविल के पदो के सृजन उन्ययन उन्मुलन के संबंध मे व्यय विभाग के अनुदेश कार्यालय आदेश 7/(1)/-समन्वयन-1/2017 दिनांक 12.04.2017 के अनुसार मंत्रीमंडल का अनुमोदन भी प्रदान किया गया ।

मंत्रीमंडल के अनुमोदन के बाद भारतीय खान बयूरो मे विभिन्न विषय शाखाओं वार संशोधित स्वकृत पद संख्या राजपत्र अधिसूचना सख्या 31/72/2009 एम. ।।। खण्ड -1 भाग -1 दिनांक 15 मई 2018 को दिनांक 17 मई 2018 को प्रकाशित किया गया ।

गजट अधिसूचना के परिणामस्वरूप भारतीय खान ब्यूरो मे कुल स्वीकृत पदों की संख्या 1477 है जिनमे 704 राजपत्रित अधिकारी (समूह क 259 तथा समूह ख 245) तथा 773 अराजपत्रित (समूह ख 257 समूह ग - 516 पद) है। गजट अधिसूचना के परिणाम स्वरूप निम्न लिखित कदम उठाये गए है।

1. अधिसूचना के अनुसार विलय किए गए पदों का पुन: पदनाम करण तथा विलय और प्रोन्नत किए पदो के सबंध मे कार्यालय आदेश जारी किए गए।
2. पदों पर पुन: नियुक्ति तथा कोडी फाईड डुयुटीज मे संशोधन करके पुनर्सरचना को लागू कराने हेतु भारतीय खान ब्यूरो मे प्रभारी मुख्य खान नियंत्रक की अध्यक्षता में एक आन्तरिक समिति का गठन किया गया है।
3. भारतीय खान ब्यूरो के विभिन्न संवर्गो मे 138 नऐ पद सृजित किए गए है। भारतीय खान ब्यूरो की पुनर्संरचना के अनुसार भर्ती प्रकिया प्रारम्भ करने हेतु 17 विषय शाखाओ मे 80 से अधिक पदों के संब ंध मे नये भर्ती नियमो को हितधारको की टिप्पणी आंमत्रित करने हेतु भारतीय खान ब्यूरो वेब साईट पर अपलोड किया गया है। तथा टिप्पणियों एवं संबंधित प्राधिकरणों जैसे डी ओ पी टी, संघ लोक सेवा आयोग तथा विधि और न्याय विभाग से सम्यक अनुमोदन के बाद 2019 से लेकर अभी तक मंत्रालय द्वारा 70 पदों हेतु भर्ती नियम संशोधित तथा अधिसूचित किए गये है।
4. भर्ती निमो मे समाहित प्रावधानों के अनुसार, सीधी भर्ती हतु संघ लोक आयोग को 108 पदों के लिए तथा कर्मचारी चयन आयोग को 228 पदों की अभ्यर्थना भेजी गई है संघ लोकसेवा आयोग 63 पदों पर भर्ती हेतु रोजगार समाचार पत्र मे पहले ही विज्ञापन दे चूका है।
5. वर्ष 2021-22 के दौरान मोजूदा / संशोधित भर्ती नियमा के अनुसार 89 राजपत्रित पदो हेतु विभागीय पदोन्ति समिति की बैठक हेतु संघ लोक सेवा आयोग/ मंत्रालय मे आयोजित करने हेतु प्रस्ताव भेजे गऐ हैं।
6. इस दौरान वित्त मंत्रालय की गाईड लाईन के अनुसार कुछ पद समाप्त वत की श्रेणी के अन्तर्गत आ गए हैं। अत : इन पदों के पुर्न जीवित करने के लिए खान मंत्रालय के माध्यम से वित्त मंत्रालय को प्रस्ताव भिजवाया गया है। तदनुसार अप्रेल 2021 मे 335 पद, अगस्त 2021 मे 242 पद तथा फरवरी 2022 मे 108 पद क्रमश: पुर्नजीवित किए गये है।
7. समूह ख एवं ग के पदो के संबंध मे जहां भारतीय खान ब्यूरो के प्राधिकारी नियुक्ति करने हेतु सक्षम है वर्ष 2021 -22 के दौरान विभागीय पदौनन्ति समिति की बैठक का आयोजन किया जा चुका है।

8. वर्ष 2022-23 के दौरान मौजूदा तथा संशोधित भर्ती नियमो के अनुसार 69 राजपत्रित पदो पर विभागीय पदौन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग / मंत्रालय को कराने हेतु प्रस्ताव भिजवाए गए है।
9. पुन: समूह ख तथा समूह ग के 47 पदों पर जहा भारतीय खान ब्यूरो भर्ती करने मे सक्षम है, वर्ष 2022-23 मे विभागीय पदौन्नति समिति का बैठक का अयोजन किया जा चुका है।

10. वर्ष 2022-23 के दौरान नई भर्तीयां, पदौन्नतियां तथा सेवानिवृति निम्नानुसार **है:-**

क्र सं.	समूह	नई भर्ती	पदौन्नति	सेवानिवृति
1	समूह क	01*	39	25
2	समूह ख (राजपत्रित एवं अराजपत्रित)	29	20	21
3	समूह ग	43	23	22
	योग	**73**	**82**	**68**

*तीन वर्ष का अल्पावधि करार

वर्ष 31 मार्च 2023 को स्वीकृत तथा भरे हुए पदो का विवरण निम्न तालिका मे दिया गया है ।

01 मार्च 2023 को भारतीय खान ब्यूरो मे कार्मिको का नियोजन

समूह	**स्वीकृत पदो की संख्या**	**भरे हुए कुल पदो की संख्या**	**कार्मिकों की संख्या**					
			अ.जा	**अ.ज.जा.**	**अ.पि.व**	**आ.पि.व .**	**महिला**	**शारिरीक रूप से दिव्यांग**
क	459	151	19	06	33	00	06	00
ख	502	232	24	13	43	03	38	09
ग	516	281	48	18	88	01	37	10
योग	**1,477**	**664**	**91**	**37**	**164**	**04**	**81**	**19**

7.3 लोक शिकायतों का निराकरण

वर्ष के प्रारम्भ मे विभिन्न स्तरों पर 06 शिकायतें लम्बित थी । वर्ष 2022 -23 के दौरान 69 नई शिकायेते याचिका प्राप्त हुई । अब तक वर्ष के शुरूआत मे लम्बित शिकायतों सहित 75 मामले निस्तारित हो चुके हैं। लोक शिकयतो के ऑन लाइन पंजीकरण की सूविध आई बी एम साई के साथ डी ओ पी टी पॉर्टल पर PROGRAMS पर पहले से ही उपलब्ध करा दी गई है।

7.4 सतर्कता मामले

मुख्य सतर्कता आयुक्त के निर्देशानुसार 31/10/2022 से 06/11/2022 के दौरान भारतीय खान ब्यूरो मुख्याल नागपुर सहित भारतीय खान ब्यूरो के सभी आंचलिक /क्षेत्रीय कार्यालय मे सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया ।

7.5 लैगिंक सामनता

भातरीय खान ब्यूरो मे भरे हुए पदो मे करीब 12 प्रतिशत महिला कर्मचारी हैं। महिल कर्मचारीयों को तकनीकी मामलों के साथ प्रशासनिक मामलों मे प्रशिक्षण दिया जाता है। भारतीय खान ब्यूरो मे कार्यस्थल पर योन उत्पीडन के पीडितो की शिकायतो का समय बध्घ निराकरण करने हेतु एक समिति का गठन भी किया गया है।

7.6 सूचना का अधिकार आवेदन

भारतीय खान ब्यूरो मे केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों तथा अपीलीय प्राधिकारियों की नियुक्ति की है। वर्ष 2022 -23 (01 अप्रेल 2022 से 31 मार्च 2023) तक भारतीय खान ब्यूरो मे सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत 482 आवेदन प्राप्त हुए जिनका यथा समय निस्तारण कर दिया गया । केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों के निर्णय के विरूध 32 अपील प्राप्त हुई जिनका अपीलीय अधिकारियों द्वारा समय पर निस्तारण कर दिया गया ।

सूचना के अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्राप्त आवेदन / प्रथम अपील/ दूसरी अपील के निस्तारण की स्थिति निम्न तालिका 7.6.1 में दर्शाई गई है ।

2022 से 31/3/2023 तक आरटीआई आवेदनों की स्थिति

संगठन	मामलों की संख्या	लंबित

	पूर्व लम्बित	अवधि के दौरान प्राप्त हुऐ आरटीआईआवेदनो की संख्या	निस्तारण	आरटीआई अधिनियम की धारा 8(1)9,11, 24,तथा अन्य के अन्तर्गत सूचना देने से इंकार किया गया	शेष	0-3 माह	4-6 माह	7-9 माह	10-12 माह
भा.खा.ब्यूरो	09	482	432	8	51	51	शून्य	शून्य	शून्य

स्रोत : भारतीय खान ब्यूरो के नामित केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों / अपीलीये अधिकारियों से प्राप्त सूचना के आधार पर

तालिका 7.6.2

सूचना का अधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्रथम अपील की स्थिति (1अप्रेल 2022 से 31मार्च 2023)

संगठन	**कुल मामलों की संख्या**					**लम्बित**			
	पूर्व लम्बित	अवधि के दौरान प्राप्त हुई प्रथम अपीलों की संख्या	निस्तारण	अस्वीकृत की गई / सूचना देने से इंकार की गई अपीलो की संख्या	शेष	0-3 माह	4-6 माह	7-9 माह	10-12 माह
भा.खा.ब्यूरो	1	32	31	5	2	2	शून्य	शून्य	शून्य

स्रोत : भारतीय खान ब्यूरो के नामित केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों / अपीलीये अधिकारियों से प्राप्त सूचना के आधार पर

तालिका 7.6.3

केन्द्रीय सूचना आयोग मे दूसरी अपील स्थिति 01 अप्रेल 2022 से 31 मार्च 2023

संगठन	**मामलो की संख्या**				
	पुर्व लम्बित	केन्द्रीय सूचना आयोग मे दायर दूसरी अपील की संख्या	निर्णीत		शेष
			अपील कर्ता के पक्ष	संगठन के पक्ष मे	
भा.खा. ब्यूरो	शून्य	11	शून्य	11	शून्य

स्रोत : भारतीय खान ब्यूरो के नामित केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारियों / अपीलीये अधिकारियों से प्राप्त सूचना के आधार पर

7.7 दिव्यांगों के लिए पदो मे आरक्षरण

भारतीय खान ब्यूरो सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गये निर्देशों के अनुसार समूह क तथा समूह ख राजपत्रित पदों पर रिक्तीयों मे दिव्यांग जनों के लिए आरक्षरण का सख्ती से पालना कर रहा है । 31मार्च 2023की स्थिति अनुसार 19शारीरिक रूप से दिव्यांग जन भारतीय खान ब्यूरो मे नियोजित थे।

7.8 अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति, महिला, अल्पसंख्यक तथा दिव्यांग जनों के लिए कल्याणकारी गतिविधियां

महिलाओं के लिए : कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन (रोकथाम निषेध और निराकरण) अधिनियम 2013 के अन्तर्गत कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीडन से संबंधित शिकायतों के समयबघ निराकरण हेतु एक समिति का गठन किया गया ।

7.9 रोजगार मेला – भारतीय खान ब्यूरो द्वारा नियुक्ति पत्र जारी करना

भारत सरकार के मिशन नियुक्ति अभियान के अन्तर्गत भारतीय खान ब्यूरो ने मिशन भर्ती अभियान के दूसरे चरण मे सीआरपीएफ नागपुर, अजमेर, कोलकाता मे दिनांक 2022/11/22को 109नियुक्ति प्रस्ताव जारी किए जिनमे 64एमटीएस तथा 45 आशुलिपिको के थे। दिनांक 2022/11/22को आयोजित किए गए रोजगार मेले के अन्तर्गत दो अभ्यर्थियों ने माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से नियुक्ति प्रस्ताव

प्राप्त किए। 5 अभ्यर्थियों ने सीआरपीएफ नागपुर के उच्चाधिकारियों से तथा एक अभ्यर्थी ने कोलकाता मे नियुक्ति प्रस्ताव प्राप्त किया ।

रोजगार मेला: अभ्यर्थियों को मिले नियुक्ति पत्र

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रारम्भ किए गए नियुक्ति मिशन के एक भाग के रूप मे रोजगार मेले की तृतीय श्रखंला मे 20जनवरी 2023को रोजगार मेला आयोजित किया गया । नागपुर और अजमेर मे आयोजित किए गए अलग अलग कार्यक्रमों मे चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रस्ताव जारी किए गए। भारतीय खान ब्यूरो के विशिष्ठ गणमान्य तथा विरष्ठ अधिकारियों ने रोजगार मेला कार्यक्रम मे सहभागिता की तथा योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे।

रोज़गार मेले की तीसरा चरण 20 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया

8.0 भारतीय खान ब्यूरोरू आयोजनों का उत्सव

8.1 डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की 131वीं जयंती

20 अप्रैल 2022 की शाम को आईबीएम अपने मुख्यालय में, एक विस्तृत रूप से सजाए गए सम्मेलन कक्ष में, जहां उत्साही दर्शकों की भीड़ उमड़ी हुई थी, भारतीय संविधान के निर्माता भारतरत्न डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के सम्मान में संगीतमय आनंद और प्रेरक भाषणों के साथ एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित प्रो. (डॉ.) सुखदेव थोराट ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। डॉ. थोराट ने अपनी प्राध्यापकीय वाकपटुता में इतिहास के कुछ दुर्लभ तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए एक बेहतरीन और विस्मयकारी भाषण दिया और डॉ. अंबेडकर के लिए एक श्रद्धांजलि अर्पित की, अपनी अभिव्यक्ति में डॉ. थोराट ने राष्ट्र-निर्माण में डॉ. अंबेडकर का योगदान, भारत की आर्थिक नीति, जल और सिंचाई नीति, बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों की शुरुआत, राष्ट्रीय संस्थानों का निर्माणध्लोकतंत्र की रक्षा के लिए कानूनी उपकरण तैयार करना, महिलाओं, वंचितों और वंचितों के मुद्दों को आगे बढ़ाना, श्रम कानूनों पर नीतियां आदि पर विचार रखें। डॉ. थोराट ने अफसोस के साथ आगे कहा कि हालांकि डॉ. अंबेडकर को एक वैश्विक नेता के रूप में जाना जाता है और जनता उनकी पूजा करती है, लेकिन राष्ट्र-निर्माण के प्रति उनके महान योगदान को सार्वजनिक-समझ में उचित प्रतिबिंब नहीं मिलता है।

समारोह के सम्मानित अतिथि के रूप में मंच की शोभा बढ़ाते हुए नागपुर शहर के पूर्व महापौर श्री दयाशंकर तिवारी थे, जिन्होंने अपनी अनूठी शैली में डॉ. अंबेडकर पर एक शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इतिहास का हवाला देते हुए, श्री तिवारी ने डॉ. अम्बेडकर के विभिन्न उत्कृष्ट पहलुओं पर बात की और डॉ. अम्बेडकर के योगदान की महिमा की और डॉ. अम्बेडकर को पूर्ण मानव महिमा में एक अवतार के रूप में वर्णित किया।

समारोह के अध्यक्ष, श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम (प्रभारी)-एमईएस, ने अपने भाषण में अतिथि गणमान्य व्यक्तियों को भव्य समारोह में भाग लेने के लिए समय निकालने के लिए धन्यवाद दिया और डॉ. अम्बेडकर के पहलुओं और उनके सराहनीय प्रभाव का संक्षेप में वर्णन किया। और वर्तमान में हर विचारशील भारतीय की चेतना में है।

इससे पहले समारोह की शुरुआत डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण और मंच पर उपस्थित अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों के स्वागत के साथ हुई, जिसके बाद श्री वी.एम. रोटके, सचिव और श्री आर.आर. डोंगरे, अध्यक्ष, डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर स्मृति समिति, आईबीएम का भाषण

हुआ। । समिति की सहायक संपादक एवं उपाध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा देव द्वारा सुंदर ढंग से संचालित कार्यक्रम, भीम गीत की संगीतमय प्रस्तुति एवं धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समारोह समाप्त हुआ।

डायस और आईबीएम परिवार के गणमान्य व्यक्ति

8.2 योग दिवस, 21 जून, 2022

भारतीय खान ब्यूरो ने 21 जून 2022 को अपने मुख्यालय और अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। आईबीएम के सभी कार्यालयों से उत्साही प्रतिभागियों ने अपने-अपने परिसर में एकत्रित होकर आयोजित योग कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया और विभिन्न आसन किए।

इसके अलावा, मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, आईबीएम मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एमईसीएल परिसर में 21 जून, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए जीएसआई और मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) में शामिल हुए। कार्यक्रम की शोभा पद्मश्री डॉ. विकास महात्मे, सांसद, राज्यसभा ने निभाई। माननीय राज्य मंत्री (रेलवे, कोयला और खान) श्री रावसाहेब दानवे पाटिल का एक संदेश पढ़ा गया। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी का लाइव संबोधन भी प्रतिभागियों द्वारा देखा गया। योग सत्र स्वामी जनार्दन योगाभ्यासी मंडल, नागपुर के सहयोग से आयोजित किया गया था।

आईबीएम में योग दिवस समारोह की झलकियाँ

आईबीएम में योग दिवस समारोह की झलकियाँ	

8.3 आज़ादी का अमृत महोत्सव)AKAM)

एकेएएम प्रतिष्ठित सप्ताह समारोह (11-17 जुलाई, 2022) के हिस्से के रूप में, खान मंत्रालय ने 12.7.2022 को नई दिल्ली में खान और खनिजों पर 6वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। केंद्रीय खान मंत्री, माननीय श्री प्रल्हाद जोशी ने सचिव (खान), श्री आलोक टंडन और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन द्वारा श्प्रतिष्ठित सप्ताह समारोहश् का उद्घाटन किया। केंद्रीय गृह मंत्री माननीय श्री अमित शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में कॉन्क्लेव को संबोधित किया।

रिपोर्टिंग वर्ष 2020-21 के लिए फाइव स्टार रेटिंग हासिल करने वाली चालीस खदानों को सम्मानित किया गया है और खनन टेनमेंट सिस्टम के तीन मॉड्यूल अर्थात् पंजीकरण, रिटर्न और खनन योजना अनुमोदन प्रणाली (एमपीएएस) 12.7.2022 को नई दिल्ली में आयोजित 6वें माइनिंग कॉन्क्लेव में माननीय केंद्रीय खान, कोयला और संसदीय मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी द्वारा लॉन्च किया गया था।

माननीय केंद्रीय मंत्री/ जोशीप्रल्हाद और राज्य मंत्री / रावसाहेबदानवे ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन द्वारा खानों और खनिजों पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया।

श्री आलोक टंडन, सचिव, /डपदमेडपदप्दकपं, नई दिल्ली में खानों और खनिजों पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में खनन में स्वचालन पर संबोधित करते हुए

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है- गृह मंत्री अमित शाह

माननीय केंद्रीय मंत्री /श्रवीपच्तंसींक और राज्य मंत्री /त्वसाहेबदानवे ने दौरा किया

डीएमएफ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 7 राज्यों के स्टॉल लगे हैं, जिन्होंने डीएमएफ फंड के अपने हिस्से का सार्थक और प्रभावी तरीके से उपयोग किया है।

माननीय केंद्रीय मंत्री @ जोशीप्रल्हाद और राज्य मंत्री @ रावसाहेबदानवे ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन द्वारा खानों और खनिजों पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन 2022 का उद्घाटन किया।	**श्री आलोक टंडन, सचिव, @MinesMinIndia, नई दिल्ली में खानों और खनिजों पर छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में खनन में स्वचालन पर संबोधित करते हुए**
भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है- गृह मंत्री अमित शाह	**माननीय केंद्रीय मंत्री @JoshiPralhad और राज्य मंत्री @Raoसाहेबदानवे ने दौरा किया** **डीएमएफ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 7 राज्यों के स्टॉल लगे हैं, जिन्होंने डीएमएफ फंड के अपने हिस्से का सार्थक और प्रभावी तरीके से उपयोग किया है।**

8.4 76वां स्वतंत्रता दिवस

प्रत्येक आईबीएम वासियों ने आत्मिक गर्व और अपार उत्साह के साथ भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाई। संपूर्ण आईबीएम, इसका मुख्यालय, हिंगना, नागपुर में आईबीएम की आधुनिक खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला और पायलट प्लांट और देश भर के सभी क्षेत्रीयध्क्षेत्रीय कार्यालय, इस अवसर को चिह्नित करने के लिए रंगीन झालरों से सजाए गए और चमकदार रोशनी से सजाए गए।

आईबीएम मुख्यालय में, 76वें स्वतंत्रता दिवस के समारोहों का मुख्य आयोजन किया गया और श्री पी.एन. शर्मा, मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी) एमडीआर द्वारा आईबीएम के वरिष्ठ अधिकारियों, पूर्व प्रतिष्ठित सहयोगियों और सम्मानित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। । हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अनुमति देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया अभियान के तहत आईबीएम ने हर घर तिरंगा पहल के पालन का भी गर्व के साथ अनुपालन किया।

आईबीएम में स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ

8.4.2 आईबीएम के एमएमपीएल-पीपी, हिंगना में 76वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

इस वर्ष, पहली बार, 15 अगस्त 2022 को आईबीएम के एमएमपीएल-पीपी, हिंगना में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। डॉ. डी.आर. कानूनगो, अधीक्षक अधिकारी (अयस्क ड्रेसिंग) और निदेशक (प्रभारी), ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए मंच संभाला। उत्सव के उत्साह के साथ सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की झलकियाँ इस प्रकार हैं:-

आईबीएम एमएमपीएल में स्वतंत्रता दिवस समारोह की झलकियाँ

8.5 स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 का ग्रैंड फिनाले

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2022 (खान मंत्रालय के समस्या विवरण से संबंधित सॉफ्टवेयर सत्र) 25 और 26 अगस्त 2022 के दौरान विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित किया गया था। आईबीएम के अधीक्षण खनन भूविज्ञानी और तकनीकी सचिव डॉ. वी.जी.के भगवान गुम्मा को खान मंत्रालय की ओर से सीजी आईबीएम विशेषज्ञध्मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामित किया गया था। डॉ. वी.जी.के भगवान ने विजयवाड़ा में इसमें भाग लिया। संक्षिप्त उद्घाटन के बाद, कोडिंग सत्र 25.08.2022 को सुबह 10.00 बजे से शुरू हुआ और 26.08.2022 को शाम 5.30 बजे समाप्त हुआ, जिसमें विशेषज्ञों और जूरी पैनल द्वारा मूल्यांकन के तीन दौर शामिल थे। खान मंत्रालय से संबंधित तीन समस्या विवरण थे। (i) रीसाइक्लिंग ऐप, (ii) राज्य को राजस्व हानि से बचाने के लिए खदान से अंतिम बिंदु तक ग्रेड-वार लौह अयस्क का लेखा-जोखा और (iii) नए खनिज संभावित क्षेत्रों को तैयार करने के लिए एआईध्एमएल का उपयोग करके भूवैज्ञानिक, भूभौतिकीय और भू-रासायनिक डेटा सेट की व्याख्या। देश के विभिन्न हिस्सों से कुल दस (10) टीमों ने भाग लिया और उत्साहपूर्वक अपने कौशल और संभावित समाधान दिखाए। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 26.8.2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से टीमों के साथ बातचीत की। अधिकांश टीमों को समस्या कथनों पर अच्छा ज्ञान है और इस ग्रैंड फिनाले तक पहुंचने से पहले उन्होंने अच्छी तरह से अध्ययन किया है। हैकथॉन का समापन 26.08.2022 को शाम 7.30 बजे एक औपचारिक समापन समारोह और पुरस्कार समारोह के साथ हुआ।

	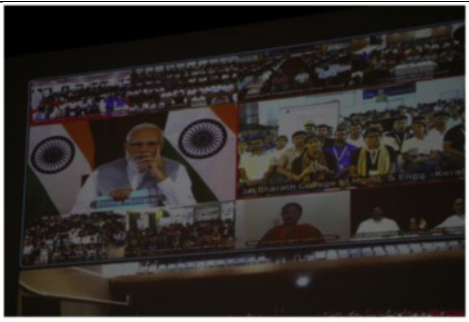
छात्र-छात्राएं अपना मॉडल समझाते हुए	**माननीय प्रधानमंत्री छात्रों के साथ बातचीत करते हुए**

8.6 फिट इंडिया रन 2.10.2022 को आईबीएम मुख्यालय में

आईबीएम ने गांधी जयंती और आजादी का अमृत महोत्सव की हार्दिक स्मृति में 2.10.2022 को आईबीएम मुख्यालय नागपुर में एक फिट इंडिया रन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छता जागरूकता में योगदान दिया।

8.7 राष्ट्रीय एकता दिवस या राष्ट्रीय एकता दिवस 2022

राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की दिशा में हमारे राष्ट्र की अंतर्निहित ताकत और लचीलेपन की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। आईबीएम ने शपथ लेकर 31अक्टूबर 2022को भारत के पहले गृह मंत्री, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 147वीं जयंती मनाने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।

8.8 सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022

आईबीएम मुख्यालय मेंरू आईबीएम में 31.10.2022 से 6.11.2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 के अवसर पर आईबीएम मुख्यालय और आईबीएम के क्षेत्रीयध्क्षेत्रीयध्उप-क्षेत्रीय कार्यालयों में निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर, स्लोगन, भाषण प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आईबीएम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 का उद्घाटन 31.10.2022 को श्री पी.एन. शर्मा, सीसीओएम (एमडीआर), श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम (एमईएस), डॉ. वाई.जी. काले, सीओएम और श्री विनोद दयाशंकर गोडघाटे, सीवीओ की गरिमामय उपस्थिति के बीच हुआ। । कार्यक्रम के अंश नीचे परिलक्षित होते हैं।

8.8.1 आईबीएम मुख्यालय में: आईबीएम में 31.10.2022 से 6.11.2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 के अवसर पर आईबीएम मुख्यालय और आईबीएम के क्षेत्रीय/ उप-क्षेत्रीय कार्यालयों में निबंध, वाद-विवाद,

प्रश्नोत्तरी, पोस्टर, स्लोगन, भाषण प्रतियोगिताओं जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

आईबीएम में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 का उद्घाटन 31.10.2022 को श्री पी.एन. शर्मा, सीसीओएम (एमडीआर), श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम (एमईएस), डॉ. वाई.जी. काले, सीओएम और श्री विनोद दयाशंकर गोडघाटे, सीवीओ की गरिमामय उपस्थिति के बीच हुआ। । कार्यक्रम के अंश नीचे परिलक्षित होते हैं:

सतर्कता जागरूकता सप्ताह: सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा का प्रशासन

8.8.2 एमएमपीएल, हिंगाना में सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022: आईबीएम के खनिज प्रसंस्करण प्रभाग ने 31 अक्टूबर और 6 नवंबर 2022 के बीच सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 मनाया। सप्ताह के अनुपालन डॉ. दिलीप आर कानूनगो, निदेशक (ओडी) प्रभारी और श्री वी.ए.सोनटक्के, ओडीओ और एचओओ (एमपीडी) द्वारा सत्यनिष्ठा शपथ दिलाने के साथ शुरू हुआ । सतर्कता जागरूकता विषय पर कई प्रतियोगिताएं - भाषण, प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन - आयोजित की गईं और समापन दिवस कार्यक्रम के दौरान विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

खींची गई कुछ झलकियाँ यहाँ दी गई हैं:-

सतर्कता जागरूकता सप्ताह: सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा का प्रशासन	एमएमपीएल में पुरस्कार वितरण

8.9 संविधान दिवस 26 नवंबर 2022

खान मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में और संविधान के संस्थापकों के योगदान को सम्मान देने और स्वीकार करने के लिए 26 नवंबर को ष्भारत लोकतंत्र की जननी ष्विषय पर संविधान की प्रस्तावना को हिंदी और अंग्रेजी दोनों में पढ़कर संविधान दिवस (संविधान दिवस) मनाया गया।

8.10 डॉ. बी.आर. अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस. : डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर 6.12.2022 को आईबीएम मुख्यालय में श्री संजय लोहिया, अपर सचिव और महानियंत्रक (प्रभारी), आईबीएम और सभी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार डॉ. बी.आर. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया और पुष्पांजलि अर्पित की गई

	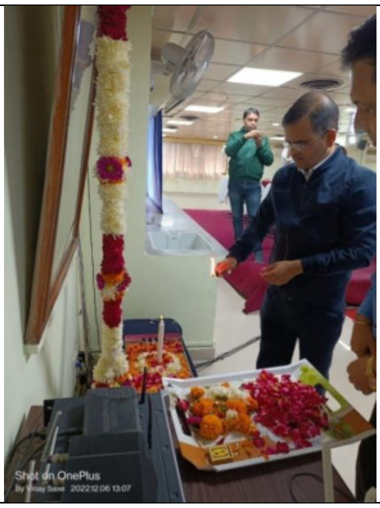
श्री संजय लोहिया, अति. सचिव एवं सीजी (प्रभारी), आईबीएम पुष्पांजलि अर्पित करते हुए	

8.11 कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के विरुद्ध संवेदीकरण कार्यक्रमरू मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप : आईबीएम ने 07 दिसंबर 2022 को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न

(रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 के संबंध में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। समारोह के अध्यक्ष श्री पी.एन. शर्मा, सीसीओएम-एमडीआर (प्रभारी) के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च न्यायालय में प्रैक्टिसिंग वकील, एडवोकेट रेणुका सिरपुरकर को सम्मानित किया गया। श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, सीसीओएम-एमईएस (प्रभारी), आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्ष डॉ. ज्योति श्रीवास्तव के साथ सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

आईबीएम परिवार को संबोधित करते हुए उच्च न्यायालय की वकील, एडवोकेट रेणुका सिरपुरकर	**इस अवसर के लिए उपयुक्त रंगोली**

8.12 आईबीएम ने 74वां गणतंत्र दिवस मनाया

8.12.1 भारत का 74वां गणतंत्र दिवस इसके मुख्यालय सहित सभी आईबीएम कार्यालयों में गर्व और उल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष आईबीएम मुख्यालय में डॉ. वाई.जी. काले, सीओएम (टीएमपी) ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए मंच संभाला। डॉ. काले ने बाद में वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों तथा उपस्थित अतिथियों को संबोधित किया।

आईबीएम मुख्यालय में गणतंत्र दिवस

8.12.2 74वां गणतंत्र दिवस - अयस्क प्रसाधन प्रभाग

दिनांक 26 जनवरी, 2023 को भारतीय खान ब्यूरो के अयस्क प्रसाधन प्रभाग, एमआईडीसी, हिंगणा स्थित प्रांगण में प्रातरू8रू30 बजे 74वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस अवसर पर डॉ. दिलीप रंजन कानुनगो, निदेशक (अयस्क प्रसाधन), प्रभारी के हस्ते ध्वजारोहण किया गया ।

ध्वजारोहण कार्यक्रम समापन के पश्चात डॉ. दिलीप रंजन कानुनगो द्वारा भारतीय खान ब्यूरो में भर्ती एवं प्रमोशन प्रक्रिया आदि के बारे में अवगत कराया गया । साथ ही सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक जुट होकर टीम भावना से अभिभूत होकर कार्य करने का अनुरोध भी किया । कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी अधिकारी एवं कार्मिकों को भी धन्यवाद दिया गया ।

74वां गणतंत्र दिवस – अयस्क प्रसाधन प्रभाग

8.13 आईबीएम स्पोर्ट्स मीट

29वीं अखिल भारतीय आईबीएम स्पोर्ट्स मीट का आयोजन 4.1.2023 से 6.1.2023 तक आईबीएम उदयपुर में किया गया था। 04.01.2023 को उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्री पी.एन. शर्मा, सीसीओएम (एमडीआर), आईबीएम द्वारा स्पोर्ट्स मीट की शुरुआत की घोषणा की गई। । कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन, ध्वज फहराने और देश भर के सभी आईबीएम कार्यालयों से उदयपुर में एकत्र हुए खिलाड़ियों को शपथ दिलाने के साथ हुई।

प्रतिज्ञा का संचालन करना

रेडी स्टेडी गो.. स्पोर्ट्स मीट की झलकियाँ

स्वागत समारोह एवं पुरस्कार वितरण

8.14 आईबीएम के 75वें स्थापना दिवस का जश्न

8.14.1 आईबीएम मुख्यालयरू खनिज संरक्षण, विकास और विनियमन के क्षेत्र में राष्ट्र के प्रति अपनी 75 वर्षों की समर्पित सेवा की स्मृति में, भारतीय खान ब्यूरो ने 1 मार्च 2023 को राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा कॉलेज सभागार, राजनगर, नागपुर में भव्य पैमाने पर अपना स्थापना दिवस मनाया।

माननीय केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री, श्री प्रल्हाद जोशी, मुख्य अतिथि थे और खान मंत्रालय के सचिव, श्री विवेक बरद्वाज समारोह के विशेष अतिथि थे। अपर सचिव और महानियंत्रक (प्रभारी), आईबीएम, श्री संजय लोहिया और खान मंत्रालय, नई दिल्ली, राज्य विभागों और सार्वजनिक क्षेत्रों और खनन उद्योग के गणमान्य व्यक्ति इस दिन भर के कार्यक्रम में आईबीएम में शामिल हुए, जिसमें 76 स्टार-रेटेड खदानें पुरस्कार समारोह में शामिल थे। । इस अवसर पर, एक स्मारक डाक ष्माई स्टैम्पष् और स्मारिका जारी की गई है। स्टार रेटेड माइंस द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं और आईबीएम द्वारा ड्रोन सर्वेक्षण और ऑनलाइन खनन योजना अनुमोदन प्रणाली पर प्रस्तुतियां

भी दी गईं। कार्यक्रम स्थल पर खनन और खनिज एजेंसियों द्वारा स्थापित स्टालों की एक प्रदर्शनी का उद्घाटन सचिव (खान) श्री विवेक बरद्वाज ने किया।

माननीय मंत्री ने अपने संबोधन में आईबीएम और खनन उद्योग से दक्षता में सुधार करने का आग्रह किया ताकि 2025-26 तक देश की जीडीपी में खनिज और खनन क्षेत्र का योगदान 2.5ः तक बढ़ाया जा सके।. माननीय प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को दोहराते हुए, माननीय खान मंत्री ने खनन समुदाय को कुछ बड़ा हासिल करने के लिए बड़ा सोचने की सलाह दी। भारत की आजादी के शताब्दी वर्ष यानी 2047 तक भारत को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाने की माननीय प्रधान मंत्री की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा पर विस्तार से चर्चा करते हुए, मंत्री ने उन लक्ष्यों को निर्धारित किया जिन्हें पूरा करने की आवश्यकता है और व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में खान मंत्रालय इन शक्तिशाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार और उन्मुख है। माननीय खान मंत्री ने विनम्रतापूर्वक, अपने संबंधित खान क्षेत्र में वांछित सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनके उल्लेखनीय योगदान की मान्यता में पांच सितारा रेटेड खानों को पुरस्कार प्रदान किए।

इस अवसर पर माननीय मंत्री ने नागपुर क्षेत्र के डाक विभाग के साथ आईबीएम द्वारा लाए गए विशेष स्मारक पारंपरिक माई स्टाम्प का विमोचन किया। श्रीमती शोभा मधाले, पोस्ट मास्टर जनरल, जीपीओ-नागपुर क्षेत्र ने स्टाम्प विमोचन के अवसर पर मंच साझा किया।

माननीय मंत्री ने राष्ट्र के लिए 75 वर्षों की समर्पित सेवा की इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए आईबीएम को बधाई दी और ऐसा करने वाले प्रत्येक अधिकारी की सराहना की। मंत्री ने अपनी 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आईबीएम द्वारा प्रकाशित एक स्मारिका भी जारी की।

पूर्वाहन सत्र के दौरान माननीय सचिव (खान) श्री विवेक भारद्वाज ने खानोंध्खनिज एजेंसियों द्वारा स्थापित स्टालों की प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और चयनित खनन कंपनियों द्वारा उनके संबंधित खान में अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं पर प्रस्तुतियों के लिए तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। - आईबीएम द्वारा क्षेत्र और तकनीकी प्रस्तुतियाँ श्री एस.के. द्वारा अधिकारी, सीएमजी द्वारा ष्खनन क्षेत्र में ड्रोन सर्वेक्षण के अनुप्रयोगष् विषय पर और श्री पी.के. भट्टाचार्जी, सीओएम (एमटीएस), द्वारा ष्ऑनलाइन खनन योजना अनुमोदन प्रणाली विषय पर प्रस्तुत की गईं।

सचिव (खान) ने अपने संबोधन में हाल के वर्षों में खान मंत्रालय द्वारा किए गए सुधारों और पहलों का एक व्यापक स्पेक्ट्रम प्रस्तुत किया, साथ ही देश के खनन क्षेत्र के कामकाज को विकसित करने और सुधार करने के लिए विकसित की गई विभिन्न रणनीतियों को भी प्रस्तुत किया । खान सचिव ने कार्बन फुट प्रिंट कटौती, सुरक्षा कार्ड, स्थानीय आबादी को रोजगार, हार्डकोर खनन में महिला सशक्तिकरण आदि जैसी स्टार रेटेड कंपनियों की सर्वोत्तम प्रथाओं की सराहना की। खान सचिव ने आईबीएम की उसकी अनिवार्य भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि आईबीएम को अब अंतर्राष्ट्रीय खान ब्यूरो बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि कैसे आईबीएम प्रतिनिधियों सहित खान मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल ने परित्यक्त खदानों को बंद करने में ईएल साल्वाडोर की मदद की।

श्री संजय लोहिया अपर सचिव एवं महानियंत्रक (प्रभारी), आईबीएम ने स्टार रेटिंग सिस्टम, खनन निगरानी प्रणाली (एमएसएस), सुदूर दृष्टि इसरो के सहयोग के साथ 2015 से खनन क्षेत्र में सुधारों की श्रृंखला के अनुरूप आईबीएम के योगदान के साथ, खनन टेनेमेंट प्रणाली, औसत बिक्री मूल्य (एएसपी), ऑनलाइन खनन योजना अनुमोदन प्रणाली, ड्रोन प्रौद्योगिकी के रूप में नई पहल आदि पर प्रकाश डाला।

श्री पी.एन. शर्मा, एमडीआर प्रभाग के प्रभारी मुख्य खान नियंत्रक ने स्वागत भाषण दिया, जबकि एमईएस के मुख्य खान नियंत्रक श्री पंकज कुलश्रेष्ठ ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

आईबीएम मुख्यालयध्मध्य क्षेत्रध्नागपुर क्षेत्रीय कार्यालयध्आधुनिक खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला और पायलट संयंत्र में आईबीएम अधिकारियोंध्कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक समारोह में भाग लिया, जबकि जोनल क्षेत्रीय कार्यालयों के लोग इस मील के पत्थर के जश्न को देखने के लिए वर्चुअल रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर 91 साल के पूर्व महानियंत्रक श्री डी.एन.भार्गव सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों ने भी आशीर्वाद दिया।

1.3.2023 को आईबीएम मुख्यालय में भव्य उत्सव के बाद, आईबीएम का 76वां स्थापना दिवस मार्च, 2023 के दौरान विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में भी मनाया गया।

<table>
<tr><td>
</td><td> </td></tr>
<tr><td>माननीय खान मंत्री, सचिव (खान) प्रभारी महानियंत्रक और वरिष्ठ आईबीएम अधिकारियों के साथ</td><td>डाक टिकट का विमोचन</td></tr>
<tr><td> </td><td>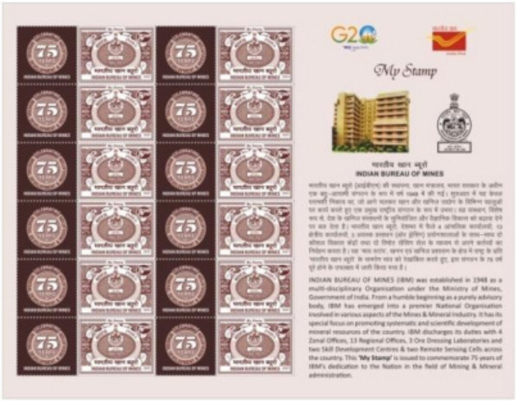
</td></tr>
</table>

माननीय खान मंत्री प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए	आईबीएम पर डाक टिकट
माननीय खान मंत्री का अभिनंदन	सचिव (खान) द्वारा पूर्व नियंत्रक जनरल, आईबीएम श्री डी.एन.भार्गव का अभिनंदन
सीएमजी, आईबीएम द्वारा सचिव (खान) का स्वागत किया गया	सचिव (खान) की अध्यक्षता में तकनीकी सत्र
फाइव स्टार रेटेड खदानों का अभिनंदन	

8.14.2 जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय: भारतीय खान ब्यूरो की स्थापना के स्वर्णिम 75 वर्ष पूर्ण करने के पावन अवसर पर मुख्यालय के निर्देशानुसार जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 06/03/2023 को खनिज दिवस मनाया गया जिसमें 'भारतीय सर्वेक्षण कार्यालय जबलपुर' के निदेशक श्री संदीप

8.14.3 गांधीनगर क्षेत्रीय कार्यालय: भारतीय खान ब्यूरो की स्थापना के स्वर्णिम 75 वर्ष पूर्ण करने के पावन अवसर पर मुख्यालय के निर्देशानुसार जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 06/03/2023 को खनिज दिवस मनाया गया जिसमें 'भारतीय सर्वेक्षण कार्यालय जबलपुर' के निदेशक श्री संदीप श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसमें स्वास्थ्य वार्ता के साथ अन्य स्वास्थ्य संबंधी जांचें की गई। पधारे हुए आईबीएम के सेवानिवृत्त कर्मचारी-अधिकारियों का माल्यार्पण के साथ तिलक - साफा पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में आईबीएम के 75 वर्ष के गौरवशाली यात्रा की डॉक्युमेंट्री प्रदर्शित की। वर्ष 1948 से 2023 तक के महानियंत्रक महोदयों की जानकारी देते हुए पिछले दो वर्षों में जबलपुर कार्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। पधारे हुए अतिथियों के उद्बोधन, उनको स्मृति चिन्ह प्रदान करने और दोपहर के भोजन के पश्चात "आईबीएम खेलो होली" के साथ समारोह का समापन किया गया।

इस कार्यक्रम में IBM की 75 वर्ष की गौरव-यात्रा के वृतांत का विडियो दिखाया गया। वर्तमान वैधानिक प्रावधानों के परिदृश्य में ड्रोन सर्वे के processed data संबन्धित विशेष सावधानियों एवं MPAS में on-line Mining Plan में data – validation पर चर्चा की गई । साथ ही GSI द्वारा गुजरात राज्य में संभाव्य प्रोस्पेक्ट विशेष रुप से REE एवं PGE संबंधित खनिजों पर प्रकाश डालते हुए ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई । इसके अतिरिक्त 5 स्टार खानों द्वारा best-practices साझा किए गए । इस कार्यक्रम में सम-सामयिक विषयों को भी सम्मिलित किया गया। जिसमें मिलेट्स (millets) के संबंध में इसके प्रकार, उपयोगिता एवं प्रयोग की विधि पर विशेषज्ञ द्वारा जानकारी दी गई । साथ ही साइबर क्राइम से जागरूकता विषय पर पुलिस उप-अधीक्षक द्वारा साइबर-क्राइम के प्रकार व उनसे बचने व सजग बने रहने संबन्धित बहुत उपयोगी एवं रोचक प्रस्तुतीकरण दिया गया।

गांधीनगर क्षेत्रीय कार्यालय में स्थापना दिवस समारोह

8.14.4 गोवा क्षेत्रीय कार्यालय:भारतीय खान ब्यूरो की स्थापना के 75 वर्ष (प्लेटिनम जयंती) पूर्ण करने के शुभ अवसर पर मुख्यालय के निर्देशानुसार क्षेत्रीय कार्यालय गोवा में दिनांक 10/03/2023 को खनिज दिवस मनाया गया स 'खान सुरक्षा महानिदेशालय, कार्यालय गोवा' के निदेशक श्री विनोदानंद कालुंदिया ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तथा श्री प्रेम प्रकाश, क्षेत्रीय खान नियंत्रक, रायपुर कार्यालय विशेष अतिथि के रुप में उपस्थित हुए । इस कार्यक्रम में पधारे हुए आईबीएम के सेवानिवृत्त कर्मचारी-अधिकारियों का माल्यार्पण के साथ साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में आईबीएम के 75 वर्ष के गौरवशाली यात्रा तथा वर्ष 1948 से 2023 तक के महानियंत्रक महोदयों की जानकारी साझा की गई । इस कार्यक्रम में गोवा कार्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। सभी अधिकारियों कर्मचारियों एवं अतिथियों के विचार और उद्‍बोधन के बाद उनको स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया स दोपहर के भोजन के पश्चात समारोह का समापन किया गया। पक्षियों के लिए दाने तथा पानी की व्यवस्था की गई जो की पूरी गर्मी जारी रहेगी ।

गोवा क्षेत्रीय कार्यालय में स्थापना दिवस समारोह

8.14.5 रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय: आईबीएम के रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने 16.03.2023 को आईबीएम के स्थापना दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई। श्री अनुराग दीवान, संयुक्त निदेशक, डीएमजी, छत्तीसगढ़, मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे। दिन के मुख्य आकर्षण पावर-प्वाइंट प्रेजेंटेशन, आईबीएम की यात्रा पर वीडियो प्रदर्शन और "खनन योजना का ऑनलाइन सबमिशन" पर एक तकनीकी सत्र था। सत्र में लगभग 40 योग्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय में स्थापना दिवस समारोह

8.14.6 बेंगलुरु आंचलिक/क्षेत्रीय कार्यालय एवं एमएमपीएल:

भारतीय खान ब्यूरो का 75वां स्थापना दिवस 09 मार्च, 2023 को बेंगलुरु में मनाया गया। पूर्व महानियंत्रक श्री के.एस.राजू, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और श्रीमती इंदिरा रवींद्रन, पूर्व प्रभारी महानियंत्रक भी इस अवसर पर

सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। आईबीएम की यात्रा पर वीडियो प्रदर्शन के बाद, डॉ. वी.ए.जे. अरुणा एस.ओ (ओडी) द्वारा खनिजों की विभिन्न श्रेणियों पर कुछ सर्वोत्तम लाभकारी अध्ययनों की मुख्य बातें विषय पर तकनीकी सत्र प्रस्तुत किया । मेसर्स स्मियोर, मेसर्स नदीम मिनरल्स, मेसर्स बीकेजी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के खनन उद्योग के अधिकारियों द्वारा उद्योग की सर्वोत्तम खनन प्रथाओं को प्रस्तुत किया गया। आईबीएम के पूर्व अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ वर्तमान कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ समारोह में भाग लिया।

8.15 भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को मनाया जाता है। भारतीय खान ब्यूरो ने इस वर्ष 10 मार्च 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नागपुर में अपने मुख्यालय में एक समारोह का आयोजन किया। श्रीमती पूनम खंडेलवाल, चार्टर्ड अकाउंटेंट और मार्केट डेवलपमेंट प्रमुख, व्ही कैट्स ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई और अभ्युदय आयुर्वेदिक और लेजर हॉस्पिटल, नागपुर के डॉ. प्रवीण साहवे इस अवसर पर विशेष अतिथि थे। श्री पी.एन. शर्मा, मुख्य खान नियंत्रक-एमडीआर (प्रभारी) ने समारोह के अध्यक्ष के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई। वरिष्ठ रसायनज्ञ और भारतीय खान ब्यूरो महिला दिवस आयोजन समिति, की अध्यक्ष डॉ. ज्योति श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। श्रीमती कंडेलवाल ने महिलाओं को अच्छी तरह से सूचित होने और जहां तक संभव हो, आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने की आवश्यकता को सामने लाया। इस उद्देश्य पर जोर देते हुए कि 'हैव्स' के बीच की महिला को 'हैव्स-नॉट्स' का हाथ पकड़ना चाहिए और उनका समर्थन करना चाहिए, उन्होंने एक ऐसे समाज के लिए प्रयास किया जहां महिलाओं को पुरुषों की तरह समान स्तर पर व्यक्त करने और काम करने की आजादी हो। इससे न केवल परिवार बल्कि पूरे समुदाय की बेहतरी होगी। डॉ. प्रवीण साहवे ने अपने भाषण में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, उनके कारणों और आयुर्वेदिक दृष्टिकोण से उन्हें रोकने के तरीकों पर बात की।

श्री पी.एन. शर्मा ने भारतीय खान ब्यूरो की महिलाओं की सराहना की और समारोह को भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए आयोजन समिति को बधाई दी। इससे पहले, मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित किया और आदरणीय श्रीमती सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण किया।

आईबीएम मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का जश्न

2023 में सेवानिवृत्त होने वाली आईबीएम महिला कर्मचारियों का अभिनंदन

8.16 स्वच्छता पखवाड़ा-2022

2022-23 के दौरान, खान मंत्रालय से प्राप्त रूपरेखा के अनुसार, सभी भारतीय खान ब्यूरो कार्यालयों ने 16-30 नवंबर 2022 के दौरान भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय के कार्यालय परिसरों और सभी आंचलिक क्षत्रीय / आरओडीएल कार्यालयों में निम्नलिखित कार्य बिंदुओं के साथ स्वच्छता पखवाड़ा मनाया।

8.16.1 स्वच्छता पखवाड़ा की योजना -2021

स्वच्छता पखवाड़ा की योजना -2022

- फाइलों रिकॉर्डों की धूल झाड़ना, सफाई करना और उन्हें पुनः व्यवस्थित करना तथा पुराने और फटे फाइल कवर को नए से बदलना।
- अवांछित कार्यालय रिकॉर्डध्कागजातध्फाइलों को छांटना।
- विभिन्न अनुभागों में धूल झाड़ना, पोंछनाध्झाड़ू लगाना और फर्नीचर, कैबिनेट, रैक, अलमारी आदि की सफाई करना।

- आवश्यकतानुसार दीवारों और दरवाजों की पेंटिंग।
- गलियारों, सीढ़ियों सहित कार्यालय परिसर की गहन स्वच्छता और सफाई।
- शौचालयों की नियमित सफाई।
- स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यालय परिसर के अंदर और बाहर सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर बैनर, पोस्टर लगाए गए हैं।

8.16.2 भारतीय खान ब्यूरो ने तीसरा स्थान हासिल किया- स्वच्छता पखवाड़ा में

भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता अभियान के दौरान किए गए सफल प्रयास की मान्यता में खान मंत्रालय ने अपने सभी अधीनस्थध्क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा अभियान के सुयोग्य विजेताओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया। अभियान के समग्र संचालन में भारतीय खान ब्यूरो ने तीसरा स्थान हासिल किया। श्री मनीष मेनदीरत्ता क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने भारतीय खान ब्यूरो की ओर से संयुक्त सचिव श्रीमती फरीदा एम. नाइक से पुरस्कार प्राप्त किया। टीम- भारतीय खान ब्यूरो के लिए वास्तव में गर्व का क्षण। डॉ. जी.वी.जी.के भगवान, तकनीकी सचिव , को साधुवाद जिन्होंने भारतीय खान ब्यूरो के लिए नोडल अधिकारी के रूप में स्वच्छता अभियान का संचालन किया।

आईबीएम ने स्वच्छता पखवाड़ा में तीसरा स्थान हासिल किया	श्री मनीष मेनदीरत्ता, आरकॉम ने प्राप्त किर आईबीएम की ओर से संयुक्त पुरस्कार सचिव, श्रीमती फरीदा एम. नाइक

दैनिक गतिविधियों का विवरण स्वच्छ समीक्षा पोर्टल पर अपलोड किया गया। विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के तत्वावधान में खदानों में की गई गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण अनुबंध 1 में संलग्न है।

8.17 विशेष अभियान 2.0:

अभियान अवधि के दौरान 39123 अभिलेखों की समीक्षा की गई है। जिनमें से 19453 फाइलों को छांटने के लिए चिन्हित किया गया और बाद में छटायी की गयी । स्क्रैप और अप्रयुक्त वस्तुओं का निपटान किया गया है और 2,58,514/- रुपये का राजस्व उत्पन्न हुआ है। रिकॉर्ड प्रबंधन और स्क्रैप निपटान के बाद 7000 वर्ग फीट जगह खालीध्सृजित की गई है।विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर 24 विशेष अभियान, आउटडोर कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। मुख्यालय, भारतीय खान ब्यूरो और विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में की गई गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण अनुबंध 2 में संलग्न है।

8.18 महत्वपूर्ण बैठकें

8.18.1 क्षेत्रीय आंचलिक प्रमुखों की बैठक

खान मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव और भारतीय खान ब्यूरो के महानियंत्रक (प्रभारी) श्री संजय लोहिया ने 13.07.2022 को नई दिल्ली में भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय के प्रभाग प्रमुखों और भारतीय खान ब्यूरो के क्षेत्रीय-आंचलिक प्रमुखों की बैठक की अध्यक्षता की। वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारतीय खान ब्यूरो अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि बदलते परिदृश्य में भारतीय खान ब्यूरो को भी बदलावों को स्वीकार करना होगा।

8.18.2 बैठकों में भारतीय खान ब्यूरो अधिकारियों ने भाग लिया

- श्री एम.जी. राउत, अयस्क प्रसाधन अधिकारी ने 16.06.2022 को भारतीय खान ब्यूरो से समिति सदस्य के रूप में सीईडी 55 की बीआईएस वर्चुअल बैठक में भाग लिया।
- श्री. आर.आर. डोंगरे, क्षेत्रीय खान नियंत्रक , ने 20.06.2022 को मुंबई में संयुक्त कार्य समूह की बैठक में भाग लिया।
- 11.07.2022 को मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी) और सभी खान नियंत्रक और क्षेत्रीय खान नियंत्रक दोनों ने डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली।में आयोजित

मॉड्यूल के कार्यात्मक पहलुओं के संबंध में नए खनन योजना ऑनलाइन मॉड्यूल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- 12.07.2022 को मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी), और सभी खान नियंत्रक और क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में खान और खनिज (एनसीसीएम) पर आयोजित छठे राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- 13.07.2022 को मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी), और सभी खान नियंत्रक और क्षेत्रीय खान नियंत्रक ने श्री संजय लोहिया, अतिरिक्त सचिव, खान खान मंत्रालय, एवं महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो की अध्यक्षता में आंचलिक ध्क्षेत्रीय प्रमुखों की बैठक में भाग लिया।
- **बैंगलोर** – 31/08/2022 को श्री सुरेश प्रसाद, क्षेत्रीय खान नियंत्रक और डॉ. सुधाकर टी.एल., वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने तिरुवंतपुरम, केरल में एसजीपीबी समिति केरल की 58वीं बैठक में भाग लिया।
- **रांची-** 17/08/2022 को झारखंड सरकार के साथ एसजीपीबी की 26वीं बैठक हुई।
- **रांची-** 17/08/2022 को झारखंड सरकार के साथ एसजीपीबी की 26वीं बैठक हुई।
- 10/08/2022 और 18/08/2022 को झारखंड सरकार के साथ भूवैज्ञानिक रिपोर्ट मूल्यांकन समिति की दो बैठकें हुईं
- **चेन्नई क्षेत्र -** जीएसआई और एमईसीएल द्वारा प्रस्तुत अन्वेषण रिपोर्टों और नीलामी योग्य ब्लॉकों पर कार्य योजना पर चर्चा करने के लिए तमिलनाडु सरकार के भूविज्ञान और खनन आयुक्त के कार्यालय में 07.09.2022 को तकनीकी समिति की बैठक आयोजित की गई थी।
- **जबलपुर -** श्री माधवराव साबरे, वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने 05 सितंबर 2022 को डीजीएम, भोपाल में श्री सुखवीर सिंह, प्रमुख सचिव, म.प्र. सरकार का खनिज संसाधन विभाग. की अध्यक्षता में 56वीं एसजीपीबी बैठक में भाग लिया।
- श्री टी.के.सोनारकर, सहायक खनन भूविज्ञानी ने 19.09.2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एयर बोर्न सर्वे और रिमोट सेंसिंग पर समिति टप्प् की 18वीं सीजीपीबी बैठक में भाग लिया।
- **जबलपुर क्षेत्र -** क्षेत्रीय खान नियंत्रक जबलपुर ने ओऐ संख्या 203ध्2021 के लिए एनजीटी दिल्ली समिति के सदस्य के रूप में यूपी राज्य के प्रयागराज जिले में सिलिका रेत खदानों के 7 निरीक्षण किए।
- **बेंगलुरु क्षेत्र-** श्री सुरेश प्रसाद, क्षेत्रीय खान नियंत्रक और डॉ. ओमकेश मूर्ति एम.जी., क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी ने 29.10.2022 को विकाससौदा, बैंगलोर में सरकार, सी एंड

आई विभाग, (एमएसएमई और खान), भारत सरकार के सचिव के साथ बैठक में भाग लिया, जिसमें एमएसपीएल पट्टे से भेजे जाने वाले लौह अयस्क ढेरों और फाइन संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई ।

- 04/11/2022 को राजभाषा पर संसदीय समिति ने होटल आईटीसी विंडसर मैनर में निरीक्षण के लिए बैंगलोर भारतीय खान ब्यूरो कार्यालय का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान खान मंत्रालय, भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय और भारतीय खान ब्यूरो बैंगलोर के अधिकारी उपस्थित थे।

श्री शकील आलम, आर्थिक सलाहकार, खान मंत्रालय

श्री अशोक प्रसाद, सहायक निदेशक (राजभाषा),खान मंत्रालय

डॉ. वाई. जी. काले, खान नियंत्रक और राजभाषा

श्री वी. जे. के बाबू खान नियंत्रक

श्री वी. ए. जे. अरुणा , अधीक्षण अधिकारी ,अयस्क प्रसाधन

श्री सुरेश प्रसाद, क्षेत्रीय खान नियंत्रक और भारतीय खान ब्यूरो बैंगलोर के अन्य अधिकारी।

- **बेंगलुरु क्षेत्र** – श्री वी.जे.के. बाबू, खान नियंत्रक (दक्षिणांचल), श्री सुरेश प्रसाद, क्षेत्रीय खान नियंत्रक और डॉ. सुधाकर टी.एल. वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने 03/12/2022 को आईटीसी गार्डेनिया होटल, बैंगलोर में श्वाणिज्यिक कोयला खदान की नीलामी और खनन क्षेत्र में अवसरों पर निवेशक सम्मेलनश् और श्कर्नाटक की नीलामी समीक्षा बैठकश् में भाग लिया।
- **बैंगलोर क्षेत्र -** डॉ. सुधाकर टी.एल., वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने 27/02/2023 को डीएमजी, कर्नाटक में अयस्क मूल्यांकन समिति की बैठक (सी-श्रेणी खदान) में भाग लिया।
- **बैंगलोर क्षेत्र -** डॉ.सुधाकर टी.एल., वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने के.आई.ओ.सी.एल और एम.ई.
- श्री. एस. के. अधिकारी, मुख्य खनन भूविज्ञानी ने 02.03.2023 और 03.03.2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की 50वीं तकनीकी-सह-लागत समिति की बैठक में भाग लिया।
- श्री. एस. के. अधिकारी, , मुख्य खनन भूविज्ञानी ने 06.03.2023 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2022 के लिए विशेषज्ञों की जांच समिति (एससीई) की दूसरी बैठक में भाग लिया।

- श्री. एस. के. अधिकारी, मुख्य खनन भूविज्ञानी ने 28.03.2023 और 29.03.2023 को हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण ट्रस्ट की 51वीं तकनीकी-सह-लागत समिति की बैठक में भाग लिया।

8.19 खान मंत्रालय से भारतीय खान ब्यूरो के मेहमान

8.19.1 माननीय खान मंत्री की भारतीय खान ब्यूरो, बेंगलुरु यात्रा:

माननीय संसदीय कार्य एवं खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने 25.11.2022 को भारतीय खान ब्यूरो, बेंगलुरु का दौरा किया और 26 नवंबर 2022 को मनाए जाने वाले संविधान दिवस के अवसर पर भारत के संविधान पर प्रस्तावना और ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी पढ़ने के लिए पोर्टल लॉन्च किया।

8.19.2 श्री विवेक भारद्वाज, आईएएस, सचिव भारत सरकार, खान मंत्रालय का 05.12.2022 को भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय नागपुर में दौरा।

श्री विवेक भारद्वाज सचिव, खान मंत्रालय, भारत सरकार के 5.12.2022 को और श्री संजय लोहिया अतिरिक्त सचिव एवं महानियंत्रक (प्रभारी), के 5 और 6.12.2022 के दौरे से भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय, नागपुर ने सम्मानित महसूस किया । भारतीय खान ब्यूरो में अपने दौरे के दौरान सचिव ने भारतीय खान ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो अधिकारियों की नियामक जिम्मेदारियों, एसडीएफ स्टार रेटिंग के तौर-तरीकों, भारतीय खान ब्यूरो सेवाओं के लिए शुल्क की अनुसूची, भारतीय खान ब्यूरो प्रकाशनों आदि पर गहरी रुचि दिखाई। धारा के निर्देशों के अनुसार प्रासंगिक बिंदु। (एम) समीक्षा बैठक के अनुमोदित कार्यवृत्त के अनुसार कार्यवाही प्रगति पर है।

अपनी यात्रा के दौरान, सचिव (खान) और अपर. सचिव एवं महानियंत्रक (प्रभारी) ने चल रहे विशेष अभियान के एक भाग के रूप में भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय परिसर में पौधे लगाए। भारतीय खान ब्यूरो में रहते हुए, सचिव (खान) ने भारतीय खान ब्यूरो के खनिज प्रसंस्करण प्रभाग और भारतीय खान ब्यूरो के भौगोलिक सूचना प्रणाली और रिमोट सेंसिंग केंद्र का दौरा किया और उन्हें उनकी भूमिका और कार्यों से अवगत कराया गया।

श्री विवेक भारद्वाज, आईएएस, सरकार के सचिव का दौरा। भारत सरकार, खान मंत्रालय और श्री संजय लोहिया, अतिरिक्त सचिव, सरकार। 05.12.2022 को भारत सरकार और प्रभारी महानियंत्रक द्वारा आईबीएम मुख्यालय नागपुर में सचिव, खान मंत्रालय, भारत

सरकार श्री विवेक भारद्वाज द्वारा 5.12.2022 को और अतिरिक्त सचिव, भारतीय खान ब्यूरो को सम्मानित किया गया। सचिव एवं महानियंत्रक (प्रभारी), श्री संजय लोहिया, 5 और 6.12.2022 को मुख्यालय, नागपुर में। आईबीएम में अपने दौरे के दौरान सचिव ने आईबीएम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें उन्होंने आईबीएम अधिकारियों की नियामक जिम्मेदारियों, एसडीएफ स्टार रेटिंग के तौर-तरीकों, आईबीएम सेवाओं के लिए शुल्क की अनुसूची, आईबीएम प्रकाशन आदि पर गहरी रुचि दिखाई। धारा के निर्देशों के अनुसार प्रासंगिक बिंदुओं पर कार्रवाई। (एम) समीक्षा बैठक के अनुमोदित कार्यवृत्त के अनुसार कार्यवाही प्रगति पर है। अपनी यात्रा के दौरान, सचिव (खान) और अपर. सचिव एवं महानियंत्रक (प्रभारी) ने चल रहे विशेष अभियान के एक भाग के रूप में आईबीएम मुख्यालय परिसर में पौधे लगाए। आईबीएम में रहते हुए, सचिव (खान) ने आईबीएम के खनिज प्रसंस्करण प्रभाग और आईबीएम के भौगोलिक सूचना प्रणाली और रिमोट सेंसिंग केंद्र का दौरा किया और उन्हें उनकी भूमिका और कार्यों से अवगत कराया गया।

सचिव (एम) एवं अपर द्वारा आईबीएम मुख्यालय परिसर में वृक्षारोपण। सेक. एवं सीजी(प्रभारी) आईबीएम

आईबीएम अधिकारियों के साथ बातचीत और समीक्षा बैठक की अध्यक्षता

आईबीएम अधिकारियों के साथ बातचीत	रिमोट सेंसिंग लैब का दौरा।

8.19.3 जेएस एवं एफए का भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय का दौरा

खान मंत्रालय की संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार सुश्री निरुपमा कोटरू ने 15.07.2022 को भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय नागपुर का दौरा किया। भारतीय खान ब्यूरो के तकनीकी सचिव द्वारा मानव संसाधन और बजट सहित भारतीय खान ब्यूरो के गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी गई। मैडम कोटरू ने भारतीय खान ब्यूरो परिसर में वृक्षारोपण अभियान में भी भाग लिया।

8.19.4 कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति का 30.08.2022 से 03.09.2022 तक उदयपुर, चित्तौड़गढ़, मुंबई, अहमदाबाद और केवड़िया का अध्ययन दौरा

कोयला, खान और इस्पात संबंधी स्थायी समिति ने 30.08.2022 को चित्तौड़गढ़ शहर (100 किलोमीटर) के आसपास के खनन क्षेत्रों का दौरा किया और संस्कृति मंत्रालय, खान मंत्रालय, भारतीय खान ब्यूरो, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, राज्य के प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक चर्चा की। राजस्थान सरकार (खनन विभाग और पर्यावरण विभाग) और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने ष्चित्तौड़गढ़ शहर और किले के आसपास खनन गतिविधियों और पर्यावरण संरक्षण के कारण प्रदूषण को कम करने के उपायष् पर चर्चा की। भारतीय खान ब्यूरो ने इस विषय पर एक प्रस्तुति दी और पृष्ठभूमि नोट प्रस्तुत किया।

8.19.5 भारतीय खान ब्यूरो अधिकारियों के विदेश दौरे

8.19.5.1 श्री पी.एन.शर्मा, मुख्य खान नियंत्रक प्रभारी (एमडीआर डिवीजन) ने 7-10 नवंबर 2022 की अवधि के दौरान खनन, खनिज, धातु और सतत विकास पर अंतर सरकारी फोरम (आईजीएफ-2022) की 18वीं वार्षिक आम बैठक में श्री संजय लोहिया अतिरिक्त सचिव, खान मंत्रालय, के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के एक प्रतिनिधि के रूप में जिनेवा, स्विट्जरलैंड में भाग लिया।

8.19.5.2. श्री अभय अग्रवाल, खान नियंत्रक (सीजेड) ने 2-4 नवंबर, 2022 की अवधि के दौरान सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में अंतर्राष्ट्रीय खनन और संसाधन सम्मेलन 2022 (आईएमएआरसी-2022) में श्री विवेक भारद्वाज, सचिव (खान) के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के एक प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। श्री अग्रवाल 01.11.2022 को सीएमेओ, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया के कार्यालय में आयोजित हुई जे डब्लू जी की बैठक में भी शामिल हुए ।

अंतर्राष्ट्रीय खनन एवं संसाधन सम्मेलन 2022 (आईएमएआरसी-2022)

8.19.5.3. श्री शैलेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय खान नियंत्रक (हैदराबाद) और श्री देब दुर्लभ दाश, वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी (रायपुर) ने टीम क सदस्यों के रूप में 03.10.2022 से 07.10.2022 की अवधि के दौरान अल-सल्वाडोर का दौरा किया और वहां परित्यक्त सोने और चांदी की खदानों को व्यवस्थित रूप से बंद करने के लिए उपचारात्मक उपाय सुझाए। उपचारात्मक उपायों पर रिपोर्ट 21.11.2022 को प्रस्तुत की गई।

श्री शैलेन्द्र कुमार, आरकॉम (हैदराबाद) और श्री डी. दाश, एसएमजी (रायपुर) की अल-साल्वाडोर यात्रा

8.20 समितियों पर अभ्यावेदन

1. आदेश क्रमांक 1/17/2015-एम.VI दिनांक 17 मार्च 2022 द्वारा ग्रेनाइट और मार्बल विकास परिषद की पहली बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, श्री अभय अग्रवाल, खान नियंत्रक (सीजेड)

को खान मंत्रालय के संयुक्त सचिव (नीति) की अध्यक्षता में गठित उप-समिति के सदस्य सचिव के रूप में नामित किया गया था।

2. प्रभारी महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो ने खान मंत्रालय की विज्ञान और प्रौद्योगिकी कार्यक्रम योजना के तहत प्राप्त परियोजनाओं के लिए प्रारंभिक जांच समिति के लिए डॉ. वी.ए.जे. अरुणा, अधीक्षक अधिकारी (अयस्क ड्रेसिंग), आरएमपीएल, बेंगलुरु और श्री शैलेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय खान नियंत्रक, हैदराबाद को दिनांक 6.04.2022 के मंत्रालय के पत्र संख्या मेट 4-14/5/2022 के जवाब में नामित किया।

3. प्रभारी महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो ने कोयला या लिग्नाइट आधारित थर्मल पावर प्लांटों से राख के उपयोग के संबंध में अधिसूचना संख्या 5481 (ई) दिनांक 31.12.2021 के अनुसार, खानों की रिक्तियों को राख से भरने या ओवरबर्डन डंप के साथ राख के मिश्रण से भरने लिए खानों की पहचान के लिए सीपीसीबी द्वारा गठित समिति में भारतीय खान ब्यूरो और खान मंत्रालय के प्रतिनिधि के रूप में श्री पी.एन.शर्मा, प्रभारी मुख्य खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो को नामित किया।

4. प्रभारी महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो ने डॉ. वीणा कुमारी डरमल, संयुक्त सचिव, खान मंत्रालय की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण और सामरिक रणनीतिक खनिज की पहचान के लिए स्थिति, प्रक्रिया और रणनीति चर्चा के लिए गठित समिति में श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, मुख्य खान नियंत्रक, प्रभारी, भारतीय खान ब्यूरो को नामित किया।

5. खान मंत्रालय ने 6 अप्रैल, 2021 के कार्यालय ज्ञापन संख्या 16/40/2021-एम.VI के तहत दोहरे कराधान के मुद्दे की जांच करने और एनएमआई विकसित करने के लिए 30 जून, 2022 तक कार्यकाल के लिए गठित समिति में श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, मुख्य खान नियंत्रक, प्रभारी, भारतीय खान ब्यूरो को नामित किया। ।

6 ओ.एम. क्रमांक 16/28/2023-माइंस VI दिनांक 7 मार्च, 2023 द्वारा खान मंत्रालय ने श्री पी.एन.शर्मा, प्रभारी मुख्य खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो और अभय अग्रवाल, खान नियंत्रक (सीजेड), भारतीय खान ब्यूरो को खान मंत्रालय के संयुक्त सचिव (नीति) की अध्यक्षता में सफल बोली कर्ता की घोषणा के बाद खनन पट्टे के निष्पादन तक पूरी की जाने वाली विभिन्न कार्रवाइयों के लिए मध्यस्थ समयसीमा की शुरूआत की जांच करने और खदान से समय पर उत्पादन और प्रेषण की सुविधा के लिए,गठित समिति में सदस्य के रूप में नामित किया

7. प्रभारी महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो ने डॉ. वाई.जी.काले, खान नियंत्रक (टीएमपी प्रभाग) भारतीय खान ब्यूरो को एक सदस्य के रूप में और श्री अभय अग्रवाल, खान नियंत्रक (सीजेड) को गैर- कोयला खनिज, नई विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) के लिए वैकल्पिक सदस्य के रूप में नामित किया ।

8. भारतीय खान ब्यूरो के प्रभारी महानियंत्रक ने निम्नलिखित संरचना के साथ कार्यालय ज्ञापन संख्या टी-45006/सीजीबीएम/2012 नागपुर दिनांक 22.12.2022 के तहत भारतीय खान ब्यूरो के शुल्कों की अनुसूची में संशोधन के लिए समिति का गठन किया था रू

अध्यक्ष

डॉ. डी.आर. कानूनगो, अधीक्षण अधिकारी ,(अयस्क प्रसाधन) एवं प्रभारी निदेशक, एमपी डिवीजन

सदस्यों

1. **डॉ. एस.के. झा, अधीक्षण खनन भूविज्ञानी, जीएमएमएम सेल**
2. **श्री बी.बी. साहू, क्षेत्रीय खान नियंत्रक एवं प्रभारी अधिकारी (प्रशिक्षण केंद्र)**
3. **श्री के.के. तारडिया, क्षेत्रीय खान नियंत्रक, टीएमपी डिवीजन**
4. **डॉ एस.के. शम्मी, खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना), खनिज अर्थशास्त्र प्रभाग**
5. **श्री एल.बी. टोल, अयस्क प्रसाधन अधिकारी, खनिज प्रसंस्करण प्रभाग - सदस्य सचिव**

समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रभारी महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो को सौंपी, जिसे बाद में भारतीय खान ब्यूरो के पत्र संख्या .एम-11015(1)/एमपीडी/2022-23 दिनांक 10.04.2023 के माध्यम से अनुमोदन के लिए मंत्रालय को भेज दिया गया।

8.21 सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएँ

- **"छत्तीसगढ़ बेसिन और उसके परिवेशरू भूविज्ञान, संरचना, आर्थिक और सामरिक खनिज जमा और भविष्य के परिप्रेक्ष्य" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी**

डॉ. एल.एन. पाढ़ी, डीओडीओ ने परमाणु खनिज अन्वेषण और अनुसंधान निदेशालय, राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा आयोजित ष्छत्तीसगढ़ बेसिन और उसके परिवेशरू भूविज्ञान, संरचना, आर्थिक और सामरिक खनिज जमा और भविष्य के परिप्रेक्ष्य पर 5 और 6 अगस्त, 2022 को डॉ. ए.के. डोरले फार्मेसी ऑडिटोरियम, फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग, राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

- **मिनकॉन-2022'- खदानों, खनिजों और धातुओं पर एक सम्मेलन और प्रदर्शनी:**

डॉ.दिलीप आर. कानूनगो, निदेशक (अयस्क प्रसाधन) प्रभारी, भारतीय खान ब्यूरो ने 14, 15 और 16 अक्टूबर 2022 को नागपुर में खान, खनिज और धातु पर एक सम्मेलन और प्रदर्शनी 'मिनकॉन-2022' के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। श्री प्रल्हाद जोशी, माननीय केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री, भारत सरकार। समारोह के मुख्य अतिथि थे।

- **एमबीडी - 2022 सम्मेलन में भागीदारी और तकनीकी पत्रों की प्रस्तुति :**

एमएमपीएल और पीपी, खनिज प्रसंस्करण प्रभाग आईबीएम, नागपुर से श्री वी.ए. सोनटक्के, अयस्क प्रसाधन अधिकारी, श्री एल.बी. टोल अयस्क प्रसाधन अधिकारी और श्री संतोष पाणि, उप अयस्क प्रसाधनअधिकारी ने, 10-11 नवंबर, 2022 को नागपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी ष्खनिज व्यवसाय विकास -2022 (एमबीडी-2022) में भाग लिया और निम्नलिखित तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए।

(i) भारत के लीन ग्रेड लौह अयस्क संसाधनों का उपयोग- आगे की राह द्वारा एस.पाणि, वी.ए. सोनटक्के, डी.आर. कानूनगो और एस.लोहिया।

(ii) निम्न श्रेणी के लौह अयस्कों के सज्जीकरण में खनिजीय विशेषताओं का महत्व- पूर्वी भारत के अयस्कों पर एक तुलनात्मक अध्ययन
द्वारा श्री एस के नंदा, श्री एल.बी. टोल, श्री डी.आर. कानूनगो और श्री एस.लोहिया।

(iii) निम्न श्रेणी ग्रेफाइट अयस्क सज्जीकरण और मध्य भारत ग्रेफाइट ढेरों से उप-उत्पाद के रूप में वैनेडियम की पुनर्प्राप्ति द्द
द्वारा श्री एस.पानी, श्री एस.के.नंदा, श्री वी.ए.सोनटक्के, श्री एल.बी.टोल, श्री डी.आर.कानूनगो और श्री एस.लोहिया

9.0 Work related to Hindi

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

भारतीय खान ब्यूरो अपने मुख्यालय तथा सभी अधीनस्थ कार्यालयों में भारत सरकार की राजभाषा नीति को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित कर रहा है। भारतीय खान ब्यूरो का मुख्यालय नागपुर, महाराष्ट्र में है जो 'ख' क्षेत्र में स्थित है। 06 अधीनस्थ कार्यालय 'क' क्षेत्र में, 01 अधीनस्थ कार्यालय 'ख' क्षेत्र में तथा शेष 08 अधीनस्थ कार्यालय 'ग' क्षेत्र में स्थित है। भारतीय खान ब्यूरो के सभी अधीनस्थ कार्यालयों ने राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्ति कर लिया है। वर्ष 2022-23 के दौरान हिंदी कार्यान्वायन से संबंधित प्रगति का विवरण निम्न प्रकार है :-

- **विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 121 वीं बैठक** श्री पी .एन .शर्मा, मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी) की अध्यक्षता में दिनांक 06/04/2022 को महानियंत्रक महोदय के सभाकक्ष में आयोजित की गई।

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भा. खा.ब्यू.(मुख्यालय), नागपुर की 121वीं बैठक (06.04.2022)

- **संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादूनका राजभाषा निरीक्षण -:** संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून का दिनांक 14/05/2022 को राजभाषा निरीक्षण किया गया । इस हेतु निरीक्षण प्रश्नावली के मुख्यालय से संबंधित जानकारी के 03पृष्ठ तैयार किए गए एवं उक्त निरीक्षण से संबंधित अन्य आवश्यक कार्य किए गए। भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय नागपुर से उक्त निरीक्षण के दौरान श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी) उपस्थित थे । देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से श्री मनीष क.मेंदीरत्ता, क्षेत्रीय खान नियंत्रक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।
- **भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन :-**

भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 09 जून, 2022 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 19 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो कार्यालय के डॉ. वाय. जी. काले, खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी ने 'हिन्दी के प्रगामी उपयोग में गोवा कार्यालय के अनुभव' श्री सतीश चौरे, भंडार अधिकारी ने खरीद– बिक्री प्रक्रिया एवं भंडार संबंधी नियम तथा श्री दिनेश कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने प्रशासनिक मामलों में 'हिंदी का महत्व' विषय पर अपने व्याख्यान दिये।

अपने व्याख्यान में डॉ. वाय. जी. काले, खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी ने कार्यशाला के आयोजन के उद्धेश्य एवं महत्ता बताते हुए अपने कार्यकाल के दौरान गोवा क्षेत्रीय कार्यालय में किए गए हिन्दी के उल्लेखनीय कार्यों से उपस्थितो को अवगत कराया साथ ही राजभाषा के नियमो, अधिनियमों एवं अनुच्छेदों की विस्तृत जानकारी देते हुए डॉ.मृदुला सिन्हा की 'हिन्दी भारत माता की बिंदी' कविता भी सुनायी।

श्री सतीश चौरे, भंडार अधिकारी ने अपने व्याख्यान में खरीद – बिक्री की प्रक्रिया संबंधी नियमों व क्रियाओं की एवं जेम पोर्टल संबंधी जानकारी दी। साथ ही धनराशि के व्यय एवं भुगतान संबंधी सामान्य सिद्धांतों की जानकारी देते हुए निविदा तथा इलेक्ट्रॉनिक्स रिवर्स ऑक्शन पर विस्तार से बताय।

श्री दिनेश कुमार, वरिष्ठ अधिकारी ने अपने व्याख्यान में प्रशासन का महत्व, उसकी भूमिका, उपयोगिता एवं उसका अर्थ बताते हुए इसकी आवश्यकता की जानकारी उपस्थितों को दी। साथ ही धारा 3(3) केउल्लंघनों एवं विभिन्न पदों की भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला के पश्चात प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई। सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त करते हुए कार्यशालाओं की संख्या बढ़ाने के सुझाव दिए। इस प्रकार हिंदी कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई।
अंत में श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक ने सभी उपस्थितों का धन्यवाद दिया।

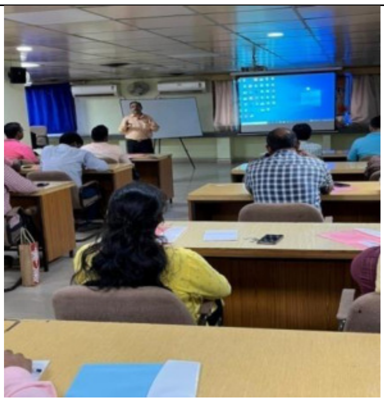

भा. खा.ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन (9.6.2022)

- **भूवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण :-** डॉ. वाय. जी. काले, खान नियंत्रक (टी.एम.पी.) एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा दिनांक : 26/05/2022 को भूवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया एवं निरीक्षण रिपोर्ट भेजी गई ।
- **हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण :-** डॉ. वाय. जी. काले,खान नियंत्रक (टी.एम.पी.) एवं राजभाषा अधिकारी द्वारादिनांक: 07/07/2022 को हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया एवं निरीक्षण रिपोर्ट भेजी गई ।
- हिंदी शिक्षण योजना, नागपुर के अंतर्गत हिंदी पारंगत प्रशिक्षण के उपरांत कार्यालय के 07 कार्मिकों ने सफलता पूर्वक परीक्षा उत्तीर्ण किया।
- **जबलपुर कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन :-**

  जबलपुर कार्यालय में दिनांक 08.09.2022 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे हिंदी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव ने यूनिकोड के उद्भव, आज तक की यात्रा और कार्यालय में इसके दैनंदिन कार्यों में बेहतर प्रदर्शन के लिए कैसे उपयोग करें। दूसरे सत्र में श्री माधवराव साबरे, वरिष्ठ खनन भूवैज्ञानिक ने एमसीडीआर के तहत खदान निरीक्षण में विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखने बाबत जानकारी दी। सभी कार्यालय कर्मियोंइस कार्यशाला से लाभान्वित हुए।

जबलपुर कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन (8.9.2022)

- **भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा समारोह – 2022(Rajbhasha Fortnight)**

- भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 14 सितम्बर 2022 से 29 सितम्बर 2022 तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस वर्ष हिंदी दिवस राजभाषा विभाग के निदेशानुसार केंद्रीयकृत रूप से सूरत में आयोजित किया गया। भारतीय खान ब्यूरो की ओर से डॉ. वाय. जी. काले, खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी एवं श्री गुमनाराम, उपखान नियंत्रक,क्षेत्रीय कार्यालय गांधीनगर ने सूरत में आयोजित हिंदी दिवस तथा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मलेन में भाग लिया। हिंदी पखवाड़े के दौरान विभिन्न हिंदी विषयक प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं । विभिन्न हिंदी विषयक प्रतियोगिताओं मेंभारतीय खान ब्यूरोके कार्मिकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया ।
- दिनांक 30/09/2022 को श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी) की अध्यक्षता में हिंदी पखवाड़ा – 2022 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया । इस अवसर पर मॉयल लिमिटेड के अध्यक्ष-सह प्रबंध निदेशक श्री मुकुंद पी. चौधरीमुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । साथ ही डॉ. वाय. जी. काले, खान नियंत्रक (टी.एम.पी.) एवं राजभाषा अधिकारीएवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा कार्मिक भी इस अवसर पर उपस्थितथे । कार्यक्रम के आरम्भ में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, माननीय संसदीय कार्य कोयला एवं खानमंत्री तथा मंत्रिमंडल सचिव का सन्देश मंचासीन अधिकारीयों द्वारा वाचन किया गया ।
- हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर भारतीय खान ब्यूरो नागपुर की हिंदी गृह पत्रिका 'खान भारती' – 2022 का विमोचन भी किया गया । इसके पूर्व सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री मुकुंद पी. चौधरी ने राजभाषा हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डाला और हिंदी गृह पत्रिका 'खान भारती' – 2022 की प्रशंसा की ।
- हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह
- हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह के दौरान जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय की राजभाषा हिंदी की गृह-पत्रिका मेकलसुता के प्रथम संस्करण का विमोचन मुख्य अतिथि श्री संतोष कुमार पटले, जबलपुर क्षेत्रीय प्रमुख, DGM के कर कमलों से श्री नरेश कुमार कटारिया, प्रभारी - भारतीय खान ब्यूरो, गोवा क्षेत्रीय कार्यालय की उपस्थिति में संपादित किया गया।

भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय में हिंदी पखवाड़ा समारोह – 2022

क्षेत्रीय कार्यालय गांधीनगर में राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह की कुछ झलकियां जिसमें कुछ नवाचार भी किए गए

जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय की राजभाषा हिंदी की गृह- पत्रिका मेकलसुता के प्रथम संस्करण का विमोचन

- **सुरत, गुजरात में हिंदी दिवस कार्यक्रम का आयोजन :**राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय,नई दिल्ली द्वारा केंद्रीकृत रूप से हिंदी दिवस का शुभारंभ 14 सितंबर,2022 को सुरत,गुजरात में किया गया । उक्त कार्यक्रम में भारतीय खान ब्यूरो की ओर से डॉ. वाय. जी. काले,खान नियंत्रक (टी.एम.पी.)एवं राजभाषा अधिकारीतथा श्री गुमना राम उप खान नियंत्रक ने भाग लिया ।साथ ही दिनांक 15 सितम्बर 2022 को संपन्न हुए द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मलेन में उक्त अधिकारियों ने भाग लिया संसदीय राजभाषा समिति ने आज आईबीएम के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय का निरीक्षण किया। कुल मिलाकर समिति ने आईबीएम के कामकाज और कामकाज की प्रकृति पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर कैद की गई झलकियाँ इस प्रकार हैं:

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय,नई दिल्ली द्वारा केंद्रीकृत रूप से हिंदी दिवस का शुभारंभ सुरत,गुजरात 14.09.2022)	

- **भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन**

  भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 15 दिसंबर 2022 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 18 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो कार्यालय के श्री गौरव शर्मा, खनिज अर्थशास्त्रीने 'भारतीय खान ब्यूरो को प्रस्तुत किए जाने वाले महत्वपूर्ण दस्तावेज' तथा श्री अशोक नायक, प्रबंधक (राजभाषा), भारतीय रिजर्व बैंक, ने 'राजभाषा नीति' एवं श्री असीम कुमार, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने 'वर्तनी एवं वाक्य संरचना' विषय पर अपने व्याख्यान दिये।

भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में **हिंदी कार्यशाला का आयोजन**(15.12.2022)	

- **भारतीय खान ब्यूरो की पत्रिका 'खान भारती' नराकास पुरस्कार से सम्मानित**

वर्ष 2021 के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नागपुर, (का-2), द्वारा भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय की पत्रिका 'खान भारती अंक-7' को प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार को भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर की ओर से श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक एवं श्रीमती मिताली चटर्जी, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा नगर राजभाषा

कार्यान्वयन समिति की दिनांक 19/12/22 को आयोजित छमाही बैठक में ग्रहण किया गया। विदित हो यह पुरस्कार खान भारती के ई-पत्रिका ई-फ्लिप बुक प्रारूप को प्राप्त हुआ है। बैठक की अध्यक्षता डॉ. मनोज कुमार, अध्यक्ष नराकास (का-2) द्वारा दी गई। बैठक में नराकास (का-2) से जुड़े कार्यालयों के वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष 2021 के लिए न.रा. का. स. नागपुर, (का-2), द्वारा भा. खा. ब्यू. मुख्यालय की पत्रिका 'खान भारती अंक-7' को प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति जबलपुर (कुल 48 कार्यालय) की दिनांक 16.12.2022 को पश्चिम - मध्य रेल मुख्यालय द्वारा आयोजित 11वीं बैठक में भारतीय खान ब्यूरो के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय को प्रथम राजभाषा ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

भारतीय खान ब्यूरो के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय को प्रथम राजभाषा ट्रॉफी

1. **विभागीय राजभाषा कार्यान्वायन समिति की दिनांक 05.01.2023 को 124 वीं बैठक का आयोजन** :- विभागीय राजभाषा कार्यान्वययन समिति की 124 वीं बैठक श्री पंकज कुलश्रेष्ठ, मुख्य खान नियंत्रक (प्रभारी) की अध्यक्षता में दिनांक 05.01.2023 को आयोजितकीगई।सर्वप्रथम राजभाषा अधिकारी द्वारा समीक्षाधीन तिमाही के दौरान हिंदी सम्बन्धी कार्यों का विवरण सभा के समक्ष पढ़कर सुनाया गया। साथ ही उन्होने यह भी सूचित किया कि वर्ष 2021 के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति नागपुर, (का.2)

द्वारा भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय की पत्रिका “खान भारती अंक-7” को प्रथम प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है तथा राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय भुवनेश्वर को राजभाषा के सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2020-21 के लिए द्वितीय पुरस्कार और वर्ष 2021-22 के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इसके अतिरिक्त नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जबलपुर द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए राजभाषा हिन्दी में उत्कृष्ट कार्य के लिए भारतीय खान ब्यूरो के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय को प्रथम पुरस्कार दिया गया है। इसके लिए अध्ययक्ष महोदय और उपस्थित सभी सदस्यों ने इस उपलब्धि पर बधाई दी।

- बैठक में पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर की गई अनुवर्ती कार्रवाई पर चर्चा की गई। मुख्यालय नागपुर में बोर्ड, नामपट्ट इत्यदि क्षेत्रीय भाषा में लिखे जाने के संबंध में राजभाषा अधिकारी ने सूचित किया कि त्रिभाषा बोर्ड एवं नामपट्ट हेतु भंडार अनुभाग द्वारा कार्रवाई की जा रही है।
- हिंदी पत्राचार, राजभाषा का सरलीकरण, ई-ऑफिस में टिप्पणी की गणना एवं त्रिभाषा नेमप्लेट का उपयोग इत्यादि विषयों पर विस्तृत चर्चा कीगई ।
- अंत में अध्यक्ष महोदय एवं सभी सदस्यों का आभार श्री अभिनय कुमार शर्मा, संपादक, द्वारा व्यक्त किया गया ।

विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भा. खा.ब्यू.(मुख्यालय), नागपुर की 124 वीं बैठक (05.01.2023)

- गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण -: भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय द्वारा दिनांक:13/01/2023 को गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय का राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी निरीक्षण किया गया एवं निरीक्षण रिपोर्ट भेजी गई । निरीक्षण के पूर्व दिनांक:12/01/2023 को उक्तग कार्यालय में हिंदी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया ।

- **खान मंत्रालय की दिनांक 15.02.2023 को आयोजित ऑनलाइन समीक्षा बैठक**:-खान मंत्रालय द्वारा दिनांक 15.02.2023 को श्री शकील आलम , आर्थिक सलाहकार, खान मंत्रालय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन से सम्बंधित ऑनलाइन समीक्षा बैठक का

आयोजन किया गया जिसमे भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय, नागपुर सहित सभी आंचलिक/ क्षेत्रीय कार्यालयों/ खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला, आदि के वर्ष 2021 - 2022 के दौरान राजभाषा सम्बन्धी कार्यों की समीक्षा की गई।उक्त बैठक में भारतीय खान ब्यूरो मुख्यालय, नागपुर से डॉ. वाय. जी. काले, खाननियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी ने भाग लिया।बैठक हेतु मुख्यालय स्तर पर आवश्यक कार्य किये गए।सभी आंचलिक/ क्षेत्रीय कार्यालयों/ खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला, से निर्धारित प्रपत्र में वर्ष2021 - 2022 के लिए हिंदी कार्यों के आंकड़े मंगाए गए और उन्हें संग्रहित कर खानमंत्रालय को भेजागया।उक्त आंकड़े एक्सेल फॉर्मेट में भी भेजे गए।बैठक में खानमंत्रालय द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल करने एवं अनुवर्ती कार्रवाई हेतु अनुदेश सभी कार्यालयों को प्रेषित कर दिए गए हैं।

दिनांक 03 मार्च 2023 को रायपुर छतीसगढ़ में आयोजितमध्य तथा पश्चिम क्षेत्रों का राजभाषा सम्मेलन:

क्षेत्रीय कार्यालय गोवा, भारतीय खान ब्यूरो को वर्ष 2021-2022 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा पश्चिम क्षेत्र स्थित केंद्रीय कार्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया। रायपुर में दिनांक 03/03/2023 को आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में माननीय गृह राज्य मंत्रीश्री अजय कुमार मिश्रा जी के कर कमलो से पुरस्कार स्वरूप क्रमशः शील्ड तथा प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए कार्यालय प्रमुख श्री नरेश कुमार कटारिया, उप खान नियंत्रक तथा श्री आर. सी. महतो, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी।

क्षेत्रीय कार्यालय गोवा, भा. खा. ब्यू. को वर्ष 2021-2022 के दौरान संघ की राजभाषा नीति के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए भारत सरकार गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा पश्चिम क्षेत्र स्थित केंद्रीय कार्यालयों की श्रेणी में प्रथम स्थान राजभाषा पुरस्कार प्रदान

- **भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 16/03/2023 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन**

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार-प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 16 मार्च, 2023 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। हिंदी कार्यशाला में वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के डॉ. मनोज कुमार, सचिव नराकास ने राजभाषा नीति, श्री राजीव कुमार, मुख्य प्रबंधक(राजभाषा), बैंक ऑफ इंडिया ने हिन्दी भाषा तथा श्री असीम कुमार, कनि. अनुवाद अधिकारी ने हिन्दी तिमाही रिपोर्ट आदि विषयों पर अपने व्याख्यान दिए। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 28 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 16/03/2023 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचारदृप्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 16 मार्च, 2023 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस हिंदी कार्यशाला में कुल 28 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सर्वप्रथम खान नियंत्रक एवं राजभाषा अधिकारी महोदय डॉ.वाय.जी. काले ने आमंत्रित व्याख्याताओं का संक्षिप्त परिचय दिया तथा कार्यशाला के आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इसकी औपचारिक शुरुआत की।

हिंदी कार्यशाला में वेस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के डॉ. मनोज कुमार, सचिव नराकास ने राजभाषा नीति, श्री राजीव कुमार, मुख्य प्रबंधक(राजभाषा), बैंक ऑफ इंडिया ने हिन्दी भाषा तथा श्री असीम कुमार, कनि. अनुवाद अधिकारी ने हिन्दी तिमाही रिपोर्ट आदि विषयों पर अपने व्याख्यान दिए।

अपने व्याख्यान में डॉ. मनोज कुमार ने राजभाषा नीति विषय पर व्यापक रूप से अपने विचार रखे जिसमें उन्होनें अंग्रेजो के काल से हिन्दी की क्रांति के संबंध में विस्तार से बताते हुए हिन्दी के वर्णों, अंकों एवं लिपि संबंधी जानकारी दी। श्री राजीव कुमार ने हिन्दी भाषा पर व्याख्यान देते हुए संविधान में राजभाषा से संबंधित विभिन्न अनुच्छेदों की विस्तृत जानकारी दी।

साथ ही हिन्दी के शब्दों जैसे 'निवेदन' व 'अनुरोध' तथा 'निमंत्रण' व 'आमंत्रण' जैसे अनेकों शब्दों में क्या अंतर होता है इसके बारे में बताया। श्री असीम कुमार, कनि. अनुवाद अधिकारी ने तिमाही रिपोर्ट भरते हुए क्या सावधानी बरती जाए इसकी जानकारी देते हुए इसके प्रारूपण से प्रतिभागियों को अवगत कराया साथ ही रिपोर्ट में आंकडो को भरते समय होने वाली सभी भ्रांतियों को दूर किया ।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण किया साथ ही ऐसी कार्यशाला समयद्दसमय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की ।

कार्यशाला के पश्चात सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई। सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त की साथ ही यह भी कहा कि कार्यशाला में व्याख्याओं के साथ विचार -विमर्श आवश्यक है तथा इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया ।

अंत में श्री ए. के. शर्मा, संपादक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।

भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन (16.03.2023)

- राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में दिनांक 31 मार्च 2023 को राजभाषा हिंदी कार्यशाला का गरिमामय आयोजन गोवाक्षेत्रीय कार्यालय में किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन परंपरा के अनुसार विधिवत रूप से मुख्य अतिथि श्री मुकेश कुमार मीना, संयुक्त निदेशक एवं प्रभारी, एम.एस.एम.ई., मडगांव गोवा द्वारा दीप जलाकर किया। स्वागत भाषण की प्रस्तुति हिंदी संपर्क अधिकारी श्री आर. एस. सौदागर, सहायक खान नियंत्रक द्वारा की गई। इसके बाद राजभाषा हिंदी गृह पत्रिका 'प्रयास' के सोलहवें अंक का विमोचन समारोहके मुख्य अतिथि के करकमलो से हुआ। मुख्य अतिथि ने अपने

संबोधन में उक्त पत्रिका की भूरि- भूरि प्रशंसा की तथा पत्रिका के प्रकाशन में योगदान करनेवाले की सराहना की और उन्हें बधाई दी। आगे उन्होंने कार्यालय की राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन की भी सराहना की तथा आगे भी श्रेष्ठ क्रियान्वयन कायम रहे इसकी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री जौहरी, सहायक निदेशक, एम.एस.एम.ई., मडगांव गोवा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यशाला में हिंदी के महात्व पर विस्तार से प्रकश डाला तथा कार्यालय के कार्मिकों में हिदी के प्रगामी प्रयोग एवं प्रचार - प्रसारके प्रति प्रतिबद्धता की सराहना की और बताया की इनकी इसी प्रतिबद्धता और हिंदी के प्रति प्रेम का प्रतिफल है कि वित्तीय वर्ष के इस आखरी महीने में अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद राजभाषा हिंदी गृह पत्रिका प्रयास के सोलहवें अंक का प्रकाशन संभव हो पाया है। इसके लिए सभी कार्मिक और उनके परिजन प्रशंसा के पात्र हैं। संपादक मंडल के सदस्यों को भी उनके अध्यवसाय के लिए अध्यक्ष महोदय ने उनकी सराहना की और बधाई दी। । संकाय के रूप श्री विनीत बांदेकर, वरिष्ठ प्रचालन अधिकार, भारतीय स्टेट बैंक, मडगांव, गोवा तथा उनके सहकर्मी श्री ऋषि और श्री अक्षय ने अपने योगदान दिए। तीनों संकायों ने आयकर के विभिन्न प्रावधानों को हिंदी माध्यम से बड़े विस्तार से बतलाया। विषय विशेषज्ञ संकायों ने आयकर प्रपत्र को हिंदी में भरने के लिए प्रायोगिक रूप से बतलाया, जो प्रशिक्षनार्थियों / कार्मिकों के लिए बेहद उपयोगी रहा।

राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन गोवाक्षेत्रीय कार्यालय (31.03.2023)

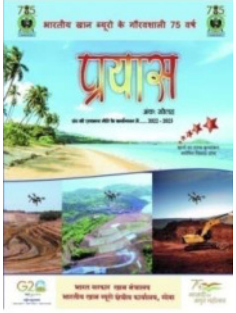

राजभाषा हिंदी गृह पत्रिका 'प्रयास' के सोलहवें अंक का विमोचन समारोह

भारत सरकार
खान मंत्रालय

Government of India
Ministry of Mines

भारतीय खान ब्यूरो – वार्षिक रिपोर्ट 2022-23
Indian Bureau of Mines- Annual Report 2022-23

अनुलग्नक । और ।।

अनुलग्नक।

वर्ष 2022 के स्वच्छता पखवारा के दौरान (16-30 नवंबर 2022) भारतीय खान ब्यूरो द्वारा की गई गतिविधियों पर रिपोर्ट

भारतीय खान ब्यूरो, खान मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार हर साल स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता रहा है। ये गतिविधियाँ कार्यालय कार्यस्थलों और कार्यालय परिसरों के साथ-साथ खदान स्थलों पर भी की जाती हैं। आईबीएम कार्यालयों में की जाने वाली गतिविधियों में सभी कर्मचारियों की भागीदारी के साथ विशेष स्वच्छता अभियान, विभिन्न गतिविधियों, पोस्टर और बैनर आदि के माध्यम से जागरूकता अभियान शामिल हैं। उपरोक्त के अलावा, आईबीएम ने अपने विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकार क्षेत्र के तहत विभिन्न खदानों में स्वच्छता अभियान का पालन करने की भी पहल की है। स्वच्छता पखवाड़ा 2022 के लिए कुल बजट रु. 2.2 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

खान मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या 34/14/2022-एडमिन दिनांक 11/11/2022 द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन में द्वितीय पखवाड़ा यानि 16 नवंबर 2022 से 30 नवंबर 2022 तक आईबीएम मुख्यालय और सभी क्षेत्रीय/क्षेत्रीय/आरओडीएल कार्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा मनाने के लिए निदेश दिया गया था । कार्यालय परिसर/कमरों को साफ-सुथरा रखने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ चलायी गयी हैं। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान की गई गतिविधियों का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है:-

1. फाइलों/रिकॉर्डों की धूल झाड़ना, सफाई करना और उन्हें पुनः व्यवस्थित करना तथा पुराने और फटे फाइल कवर को नए से बदलना।
2. अवांछित कार्यालय अभिलेखों/कागजातों/फ़ाइलों को छांटना।
3. विभिन्न अनुभागों में धूल झाड़ना, पोछा लगाना और फर्नीचर, अलमारियाँ, रैक, अलमारी आदि की सफाई करना।
4. जहां भी आवश्यक हो दीवारों और दरवाजों की पेंटिंग।
5. गलियारों, सीढ़ियों सहित कार्यालय परिसर की गहन स्वच्छता और सफाई।
6. शौचालयों की नियमित सफाई.
7. स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यालय परिसर के अंदर और बाहर सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर बैनर, पोस्टर लगाए गए हैं।

भारतीय खान ब्यूरो में आयोजित विभिन्न गतिविधियों की तस्वीरें इस प्रकार हैं:-

आईबीएम (मुख्यालय), नागपुर परिसर में स्वच्छता पखवाड़ा

पहले	**बाद में**
पहले	**बाद में**
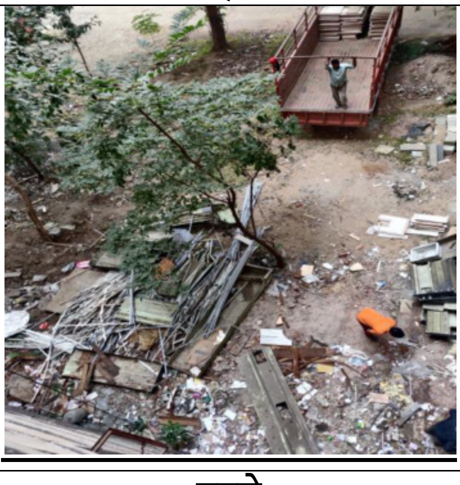	
पहले	**बाद में**

पहले

बाद में

पहले

बाद में

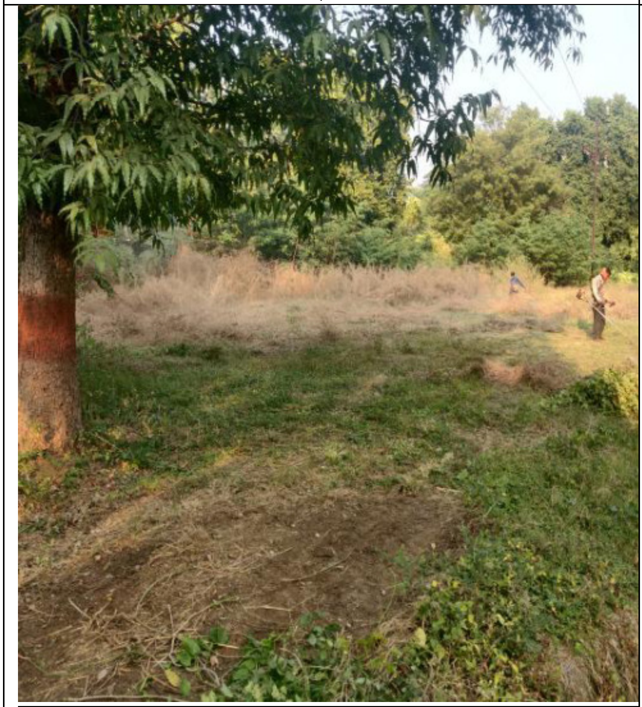

पहले

बाद में

आधुनिक खनिज प्रक्रमण प्रयोगशाला एवं प्रायोगिक संयंत्र नागपुर में स्वच्छता पखवाड़ा

विश्लेषणात्मक प्रयोगशालाओं का प्रवेश

पहले	बाद में

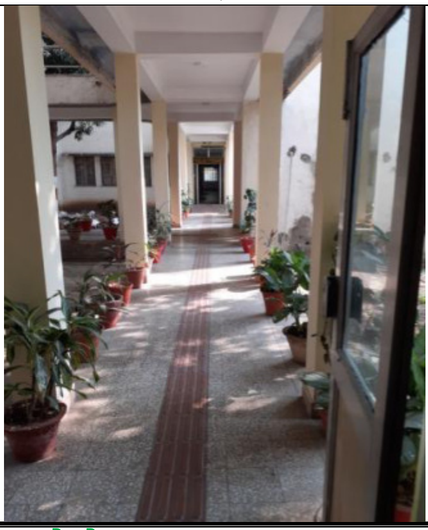

कार्यालय प्रवेश क्षेत्र को नए फूलों के गमलों से सजाया गया

पहले	बाद में

पहले	बाद में

स्वच्छता 2022 से पहले गैराज

स्वच्छता 2022 के बाद गैराज

इसासानी क्षेत्र के लोगों को सफाई किट का वितरण, इंदिरा नगर, नागपुर।

क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद में स्वच्छता पखवाड़ा

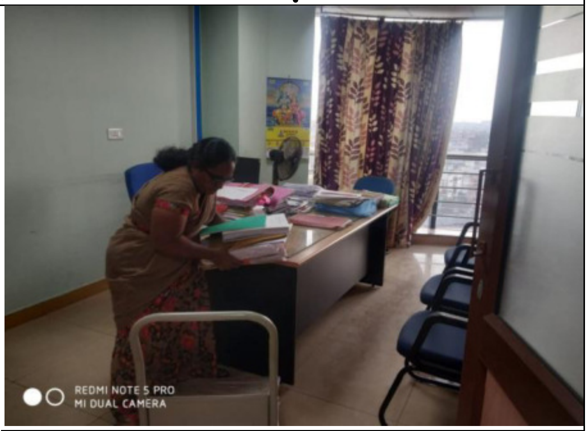

कोलकाता आंचलिक कार्यालय में दैनिक जीवन में स्वच्छता के महत्व पर व्याख्यान

क्षेत्रीय कार्यालय, रांची में स्वच्छता पखवाड़ा

Swacchata Pakhwada - Naokari Limestone Mines, UTCL-ACW Dt 23.11.2022

भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर क्षेत्र के तत्वावधान में, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड की नावकारी चूना पत्थर खदान में "स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान चलाया गया।

भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर क्षेत्र के तत्वावधान में, डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड, नारंदा चूना पत्थर खदान में "स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान चलाया गया।

आईबीएम के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वावधान में, अपने अधिकार क्षेत्र के तहत विभिन्न खदानों, अर्थात् सतना चूना पत्थर खदान, सलैया चूना पत्थर खदान, सीधी सीमेंट वर्क्स की अल्ट्राटेक सीमेंट्स लिमिटेड में"स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान चलाया जा रहा है।

विशेष अभियान 2.0 पर रिपोर्ट

(i) लंबित संदर्भों और शिकायतों का निपटान (ii) रिकॉर्ड प्रबंधन (फाइलों को छांटना) (iii) स्क्रैप/अप्रयुक्त वस्तुओं का निपटान और (iv) कार्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के संबंध में विशेष अभियान 2.0 आईबीएम में चल रही गतिविधि है। 2022-23 में की गई गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

(ii) आईबीएम द्वारा की गई गतिविधियाँ

- आईबीएम मुख्यालय में ई-ऑफिस का कार्यान्वयन दिनांक 31.01.2022 से और क्षेत्रीय कार्यालयों में दिनांक 31.12.2022 से किया गया
- रिकार्ड प्रबंधन
- स्क्रैप/ अप्रयुक्त वस्तुओं का निपटान
- नवीन विचारों का विकास
- 03 कम्पोस्ट गड्ढों की स्थापना; आईबीएम मुख्यालय, नागपुर, एमएमपीएल, हिंगना और आंचलिक कार्यालय, बैंगलोर कार्यालयों में एक-एक।
- आईबीएम के आंचलिक कार्यालय बैंगलोर में एक पुरानी वर्षा जल संचयन प्रणाली को चालू करना।
- स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आउटडोर विशेष अभियान गतिविधियाँ
- कार्यालय परिसर की स्वच्छता एवं सौन्दर्यीकरण
- लंबित जन शिकायतों का निवारण

- **<u>उपलब्धियों का सारांश</u>**
  - आईबीएम मुख्यालय और सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में ई-ऑफिस लागू किया गया।
  - आईबीएम मुख्यालय में दिनांक 01.10.2022 और
  - शेष क्षेत्रीय कार्यालयों में दिनांक 28.11.2022 से.
  - रिकार्ड प्रबंधन 100% लक्ष्य हासिल किया गया
  - 39277 फाइलों की समीक्षा की गई
  - 19543 फाइलें हटाई गईं।
  - 7000 वर्ग. फुट जगह खाली हो गई.
- अप्रयुक्त वस्तुओं/स्क्रैप निपटान और 02 अप्रयुक्त पुराने वाहनों की पहचान और ई-नीलामी के माध्यम से कुल राजस्व रु. 2,58,514/- की आय अर्जित की गई।
- लंबित जन शिकायतो का निवारण किया गया।

- • नवीन विचार (बैंगलोर कार्यालय में वर्षा जल संचयन प्रणाली की मरम्मत के लिए 3 कम्पोस्ट पिट स्थलों का विकास) पुरे हो चुके है।
- आईबीएम मुख्यालय परिसर, नागपुर में खाद गड्ढे का विकास,
- एमएमपीएल संयंत्र एमआईडीसी हिंगना में खाद गड्ढे का विकास
- बेंगलुरु कार्यालय परिसर में खाद गड्ढे का विकास
  बैंगलोर कार्यालय में वर्षा जल संचयन प्रणाली की मरम्मत और रखरखाव
- **अन्य पूर्ण की गयीं गतिविधियाँ:**
- अजमेर और भुवनेश्वर में बैडमिंटन कोर्ट का विकास
- देहरादून, बेंगलुरु, कोलकाता कार्यालयों में ग्लो साइन बोर्ड लगाना
- देहरादून कार्यालय में सामने फुटपाथ का कंक्रीटिंग
- एमएमपी लैब की मशीनरी और उपकरणों की पेंटिंग
- जबलपुर कार्यालय परिसर में पक्षियों के भोजन की व्यवस्था करना
- गोवा के कार्यालय परिसर में उद्यान का विकास
- भुवनेश्वर कार्यालय परिसर में हर्बल पौधों के साथ उद्यान का विकास

स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर आउटडोर स्वच्छता अभियान चलाए गए

1. आईबीएम मुख्यालय नागपुर/बैंगलोर/अजमेर में स्वच्छता अभियान के साथ फिट इंडिया रन
2. कोलकाता आंचलिक कार्यालय में स्वच्छता अभियान
3. आईबीएम, बैंगलोर में आउटडोर सफाई कार्यक्रम,
4. आईबीएम कार्यालय रायपुर में आउटडोर स्वच्छता गतिविधियाँ,
5. भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय ने कार्यालय परिसर के बगीचे में हर्बल पौधों के वनीकरण के माध्यम से आउटडोर अभियान चलाया
6. राँची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा राँची जिले के ग्राम मुड़मा स्थित सरकारी स्कूल में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया और स्कूल में स्वच्छता किट वितरित की गयीं ।
7. रांची क्षेत्रीय कार्यालय ने झारखंड के लोहरदगा जिले के ग्राम पाखर स्थित सरकारी स्कूल में एक और विशेष स्वच्छता अभियान चलाया।
8. भुवनेश्वर क्षेत्रीय कार्यालय आईबीएम ने गंडामुंडा सरकारी हाई स्कूल, भुवनेश्वर, ओडिशा में आउटडोर स्वच्छता अभियान (वाद-विवाद और ड्राइंग प्रतियोगिता) का आयोजन किया।
8. रांची क्षेत्रीय कार्यालय ने विशेष अभियान 2.0 के तहत हंटरपाथरडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नीमडीह खंड, सरायकेला-खरसावां जिला, झारखंड में सफाई और स्वच्छता वस्तुओं के वितरण के लिए कार्यक्रम आयोजित किया।

9. रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा विशेष अभियान 2.0 के तहत पहाड़धार प्राथमिक विद्यालय, झारखंड में स्वच्छता किट वितरण हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
10. रांची क्षेत्र अंतर्गत जेएसएमडीसी के सहयोग से प्रचार-प्रसार एवं जागरूकता कार्यक्रम।
11. देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय ने दिनांक 08.10.2022 को सरकारी माध्यमिक विद्यालय में आउटडोर अभियान चलाया जहां विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच सैनिटाइजेशन किट का वितरण किया गया।
12. रांची क्षेत्रीय कार्यालय आईबीएम के नए कार्यालय भवन निर्माण स्थल पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस अभियान में अन्य हितधारक भी जुड़े हुए हैं. खदान स्थलों पर लगाने के लिए हितधारकों को विशेष अभियान पोस्टर वितरित किए गए ।
13. रांची क्षेत्रीय कार्यालय आईबीएम ने हितधारक को सम्मत किया और स्वच्छता अभियान 2.0 के तहत एक सफाई अभियान का आयोजन किया: मेसर्स जेएसएमडीसी की ज्योति पहाड़ी कायनाइट खदानों में स्वच्छता अभियान के साथ प्रचार-प्रसार किया गया।
14. रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने स्वच्छता अभियान के तहत आउटडोर अभियान चलाया। सरकारी प्राथमिक शाला, ग्राम आमाशिवनी रायपुर में स्वच्छता किट का वितरण किया गया. और रंगोली एवं ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया ।
15. अजमेर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा दिनांक 19.10.2022 को आईबीएम आवासीय कॉलोनी, आदर्श नगर अजमेर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। कार्मिकों एवं कॉलोनी निवासियों ने अपने परिवार के साथ स्वच्छता अभियान में भाग लिया ।
16. कोलकाता पूर्वी क्षेत्र कार्यालय ने सड़क और कार्यालय के आसपास के क्षेत्र की सफाई के लिए आउटडोर विशेष अभियान चलाया ।
17. गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय ने 20.10.2022 को सर्बजनिक हिंदी एम.ई स्कूल, नूनमाटी, गुवाहाटी में स्वच्छता अभियान 2.0 के तहत एक आउटडोर अभियान चलाया। स्कूली बच्चों को स्वच्छता किट का वितरण किया गया।
18. रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा स्वच्छता अभियान 2.0 के तहत आउटडोर अभियान चलाया गया तथा शासकीय विद्यालय, सदुउ, रायपुर में स्वच्छता किट वितरित किये गये।
19. जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने कार्यालय और आईबीएम कॉलोनी जबलपुर की सड़क और आसपास के क्षेत्र की सफाई के लिए आउटडोर विशेष अभियान चलाया ।

20. आईबीएम रांची क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वावधान में झारखंड में लौह अयस्क खदान में स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया गया ।
21. आईबीएम, कोलकाता पूर्वी क्षेत्र कार्यालय ने विशेष अभियान 2.0 के तहत सुकन्या होम, साल्टलेक, कोलकाता में स्वच्छता जागरूकता और सफाई अभियान चलाया और कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने वाली लड़कियों को स्वच्छता किट वितरित कीं।
22. चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय ने 28/10/2022 को ओल्कोट मेमोरियल स्कूल, चेन्नई में स्वच्छता जागरूकता अभियान आउटडोर गतिविधि का आयोजन किया। स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता और स्वच्छता किट वितरण जैसी गतिविधियाँ की गईं
23. जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने विशेष अभियान 2.0 के दौरान सरकारी प्राथमिक विद्यालय, भूलन, जबलपुर, मध्य प्रदेश और सिस्टर प्ले स्कूल, जबलपुर मध्य प्रदेश में स्वच्छता किट वितरित किए।

विशेष अभियान 2.0 के दौरान गतिविधियों की कुछ झलकियाँ

भा.खा.ब्यूरो मुख्यालय,खनिज प्रसंस्करण प्रभाग, हिंगणा एवं भा.खा.ब्यूरो बेंगलौर में खाद का गडढा

बेंगलौर में वर्षाजल संचयन सिस्टम की मरम्मत

भूवनेश्वर कार्यालय में बैडमिंटन कोर्ट का विकास

जबलपुर कार्यालय में पंछियों के खादय का प्रबंध किया गया

गोवा कार्यालय परिसर में उदयान का विकास

आउटडोर अभियान: भा.खा.ब्यूरो मुख्यालय/अजमेर/बेंगलौर में स्वच्छता अभियान के साथ स्वस्थ्य भारत रन

भा.खा.ब्यूरो बेंगलौर में आउटडोर स्वच्छता कार्यक्रम

भूवनेश्वर: कार्यालय परिसर में हर्बल नमूनों का रोपण

रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्धारा लोहारडगा जिले के ग्राम पाखर के सरकारी स्कूल में स्वच्छता अभियान

देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय द्धारा स्कूल के छात्रों को स्वच्छता किट का वितरण

रायपुर क्षे.का.द्धारा स्वच्छता किट का वितरण	**अजमेर क्षे.का.आवासीय कॉलोनी में स्वच्छता अभियान**
	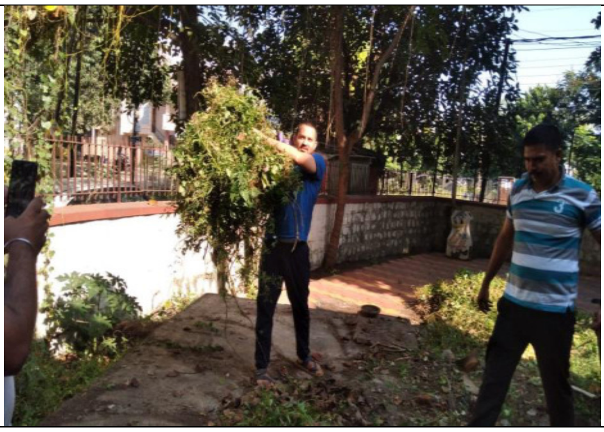
गुवाहाटी क्षे.का.द्धारा स्वच्छता किट का वितरण	**जबलपुर क्षे.का.आवासीय कॉलोनी में स्वच्छता अभियान**
आं.का.कोलकाता द्धारा स्वच्छता किट का वितरण	**चेन्नई क्षे. का. द्धारा स्वच्छता जागृकता**

<table>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td colspan="2">पुरानी मिसिलों का विडिंग आउट एवं जगह का सृजन</td></tr>
<tr><td>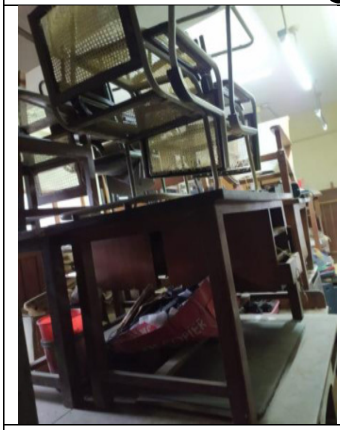</td><td> </td></tr>
<tr><td>भा.खा.ब्यूरो मुख्यालय में अप्रचलित वस्तुओं का परिचय</td><td>कोलकाता आं. का. में अप्रचलित वस्तुओं का परिचय</td></tr>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td>देहरादून क्षेत्रीय कार्यालय के मार्ग का सिमेंटीकरण</td><td>भा.खा.ब्यूरो मुख्यालय का स्वच्छ कोरिडोर</td></tr>
<tr><td> </td><td> </td></tr>
<tr><td>हैद्राबाद क्षे. का. का स्वच्छ कोरिडोर</td><td>कोलकाता आं. का.स्वच्छ कार्यालय परिसर</td></tr>
</table>